P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

P-12

वर्ष : 14 अकं: 45 नई दिल्ली, शुक्रवार, 15 मई 2026 Email.timesofpedia@gmail.com पृष्ठ: 12 मूल्य : 01./-

राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को सीधी चेतावनी, नजर उठाई तो वो होगा जो अब तक नहीं हुआ

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पड़ोसी देश पाकिस्तान को आगाह करते हुए कहा कि यदि उसने फिर से भारत के ऊपर नजर उठाने की जुर्रत करने की कोशिश की तो जो अब तक नहीं हुआ है वह होकर रहेगा। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है कि हम आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं के ह्यआपरेशन सिंदूरह्न ने नया इतिहास बनाया है। रक्षामंत्री नागौर के मेड़ता कस्बे में राजपूत शासक राव दूदा की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,शायद पाकिस्तान फिर से भारत की ओर नजर उठाने की जुर्रत ना करे और आज आपको इस धरती से बतलाकर जा रहा हूं कि यदि पाकिस्तान ने फिर से भारत के ऊपर नजर उठाने की जुर्रत करने की कोशिश की तो जो अब तक नहीं हुआ है

भारत, रूस और ईरान ने मिलाया हाथ, जानिये ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में क्या कुछ हुआ खास

नई दिल्ली एजेंसी: नयी दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में वैश्विक अस्थिरता, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने जैसे मुद्दे केंद्र में रहे। भारत ने सम्मेलन के दौरान स्पष्ट रूप से कहा कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि व्यावहारिक और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया अभूतपूर्व भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। संघर्ष, जलवायु संकट, महामारी के बाद की चुनौतियां, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बढ़ती

महंगाई ने विकासशील देशों की चिंताओं को और गहरा किया है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में ब्रिक्स देशों की एकजुटता विशेष महत्व रखती है और समूह को केवल विचार विमर्श तक सीमित न रहकर प्रभावी तथा समन्वित जवाब तैयार करने होंगे। जयशंकर ने विशेष रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जारी संघर्ष, समुद्री यातायात के लिए खतरे और ऊर्जा ढांचे में व्यवधान वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। जयशंकर ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में सुरक्षित तथा निर्बाध समुद्री आवाजाही सुनिश्चित करना दुनिया की आर्थिक स्थिरता के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि शांति टुकड़ों में नहीं हो सकती

क्षेत्रीय अखंडता को अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बुनियाद बताते.......

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संघर्ष के स्थायी समाधान का मार्ग हैं। उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बुनियाद बताते हुए कहा कि भारत तनाव कम करने और स्थिरता बहाल करने......

और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, नागरिकों की सुरक्षा तथा सार्वजनिक ढांचे को निशाना बनाने से बचना आवश्यक है। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संघर्ष के स्थायी समाधान का मार्ग हैं। उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बुनियाद बताते हुए कहा कि भारत तनाव कम करने और स्थिरता बहाल करने के हर रचनात्मक प्रयास में योगदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को भी वैश्विक प्राथमिकता बताया और कहा कि सीमा पार आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। हम आपको बता दें कि भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा, इंडोनेशिया के सुगियोनो और दक्षिण अफ्रीका के रोनाल्ड लामोला सहित कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की और वैश्विक सहयोग को मजबूत बनाने पर बल दिया।

देखा जाये तो सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हुआ है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है और इसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार पर दिखाई देने लगा है। अमेरिका की व्यापार और शुल्क संबंधी नीतियों ने भी उभरती अर्थव्यवस्थाओं की चिंताओं को बढ़ाया है। भारत ने इस पृष्ठभूमि में भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला और विविध बाजारों की आवश्यकता पर जोर दिया।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी का बड़ा ऐलान, सरकारी स्कूलों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

नई दिल्ली एजेंसी: मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में 18 मई से वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा। मीडिया से बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि निजी विद्यालयों से भी इसे अपनाने का अनुरोध किया गया है और इस संबंध में औपचारिक सूचना आज बाद में जारी की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि सोमवार से सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य होगा। निजी स्कूलों में भी इसे शामिल करने की अपील की गई है। इस संबंध में आज औपचारिक नोटिस जारी किया जाएगा। एक अलग घटनाक्रम में, अधिकारी ने पश्चिम बंगाल

विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रथेंद्र बोस के नामांकन के बारे में भी बात की और परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति बनाए रखने का आग्रह किया। बोस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं और पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे इस भूमिका में प्रशासनिक समझ और संगठनात्मक अनुभव दोनों लेकर आएंगे। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने कभी विधायक, मंत्री या अध्यक्ष जैसे किसी पद के लिए आवेदन नहीं किया। पार्टी ने उनकी निष्ठा को पहचाना है। वे चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए उनमें आवश्यक क्षमता है। हम उनके नेतृत्व के लिए सभी पक्षों से सहयोग चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष से संसदीय परंपरा का पालन करते हुए निर्विरोध स्पीकर चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा, "पश्चिम बंगाल में स्पीकर का चुनाव पारंपरिक रूप से सर्वसम्मति से होता आया है। मुझे उम्मीद है कि विपक्ष इस परंपरा को जारी रखेगा।" उन्होंने बताया कि स्पीकर का चुनाव शुक्रवार को सुबह 11 बजे होगा। पार्टी सूत्रों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, कूचबिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि रथेंद्र बोस ने हाल ही में हुए चुनावों में तृणमूल कांग्रेस के अपने प्रतिद्वंद्वी को 23,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। 2026 के विधानसभा चुनावों के परिणामों ने भाजपा को निर्णायक जनादेश दिया है

नीट-यूजी पेपर लीक पर देश भर में बवाल, दिल्ली में छात्रों का उग्र विरोध, सरकार से मांगे जवाब

नई दिल्ली एजेंसी: परीक्षा पेपर लीक होने के आरोपों के बाद राष्ट्रीय राजधानी में छात्रों और संगठनों ने नीट-यूजी परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अपना प्रदर्शन तेज कर दिया है, जिससे लोगों में गुस्सा और निराशा बढ़ती जा रही है। प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (नीट) के कार्यालय के बाहर जमा हुए और अपना असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों से जवाबदेही की मांग की। वैकल्पिक राजनीति के छात्रों के संगठन (यथाशीघ्र) के एक प्रवक्ता ने बार-बार परीक्षा में गड़बड़ी होने के लिए मौजूदा प्रशासन की आलोचना करते हुए दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में यह चौथी या पांचवीं ऐसी घटना है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर

अतिरिक्त विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां दिखाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को हटाने सहित कई मांगें रखीं। इस विरोध के जवाब में, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एनटीए) ने एनईटी-यूजी 2026 परीक्षा को पुनर्निर्धारित करने की घोषणा की। इस बीच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्रलीक मामले में गिरफ्तार किए गए सभी पांच आरोपियों को बृहस्पतिवार को दिल्ली की एक अदालत के समक्ष पेश किया। अधिकारियों ने बताया कि मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में विभिन्न राज्यों से गिरफ्तार किये गए पांचों आरोपियों को सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान नासिक (महाराष्ट्र)के शुभम खैरनार, जयपुर (राजस्थान) के मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल और गुरुग्राम (हरियाणा) के यश यादव के रूप में हुई है। सीबीआई खैरनार (30) की दो दिवसीय ट्रांजिट रिमांड मुंबई की अदालत से प्राप्त करने के बाद दिल्ली लेकर आई है। महाराष्ट्र के नासिक जिले के नंदगांव निवासी खैरनार कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक में शामिल थे। सीबीआई ने इससे पहले मुंबई की अदालत में खैरनार की ह्यट्रांजिट रिमांड मांगते हुए दलील दी थी किकई राज्यों के व्यक्तियों की संलिप्तता का संदेह है और जांच के लिए उसेहिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत है। राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 परीक्षा तीन मई को आयोजित की गई थी।

असम मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा, सीएम हिमंत ने बांटे मंत्रालय, जानिए किसे क्या मिला

असम एजेंसी: लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के दो दिन बाद, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को नए मंत्रिमंडल में उनके साथ शपथ लेने वाले चार मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य द्वारा जारी एक नोट के माध्यम से इन विभागों के आवंटन की घोषणा की गई। नोट में कहा गया, मुझे आपका पत्र प्राप्त हुआ है... जिसमें मंत्रिपरिषद के सदस्यों को विभागों के आवंटन का प्रस्ताव है... मैं आपके द्वारा सुझाए गए प्रस्ताव को मंजूरी देता हूं। राजकब में नए शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली, जो चाय बागान जनजाति समुदाय से आते हैं। रूपांतरण एवं विकास, श्रम कल्याण और चाय बागान जनजाति एवं आदिवासी कल्याण विभाग आवंटित किए गए हैं। वर्तमान मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला मंत्री अजंता नियोग को पर्यटन और महिला एवं बाल

विकास विभागों का प्रभार दिया गया है। पिछली सरकार में नियोग ने महिला एवं बाल विकास के अलावा वित्त विभाग भी संभाला था। गठबंधन सहयोगी असम गण परिषद के अध्यक्ष अतुल बोरा को पंचायत एवं ग्रामीण विकास, असम समझौते का कार्यान्वयन, सीमा सुरक्षा एवं विकास और उत्पाद शुल्क विभाग आवंटित किए गए हैं। पिछली सरकार में बोरा ने कृषि और बागवानी, सीमा सुरक्षा और विकास तथा असम समझौते के कार्यान्वयन विभागों का कार्यभार संभाला था। सरमा ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वे किन विभागों को बरकरार रखेंगे। परंपरा के अनुसार, जिन विभागों को किसी मंत्री को आवंटित नहीं किया जाता, वे मुख्यमंत्री के प्रभार में रहते हैं। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के चरण बोरो को परिवहन और बोडोलैंड क्षेत्र के कल्याण विभाग सौंपे गए हैं - ये दोनों विभाग वे पिछली कैबिनेट में भी संभाल चुके हैं। सरमा ने पहले घोषणा की थी कि रणजीत कुमार दास, जिन्होंने पिछली कैबिनेट में पंचायत और ग्रामीण विकास एवं पर्यटन विभाग संभाले थे

कोविड विरोध मामला में तेजस्वी यादव को जमानत, बोले- 'ये विपक्ष को दबाने का झूठा केस था'

पटना:आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को गुरुवार को पटना की एमपी-एमएलए अदालत से कोविड-19 महामारी के दौरान हुए एक विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में जमानत मिल गई। महामारी के दौरान पटना प्रशासन ने धरने से संबंधित कथित उल्लंघनों के आरोप में यह मामला दर्ज किया था। अदालत से बाहर आने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने दावा किया कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और इसे महामारी के दौरान विपक्ष को सार्वजनिक मुद्दों को उठाने से रोकने के लिए दायर किया गया एक झूठा मामला बताया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें जमानत मिल गई है। आप सभी जानते हैं कि यह मामला प्रशासन द्वारा कोविड काल में दर्ज किया गया था। झूठा मामला इसलिए दर्ज किया गया ताकि हम उस समय सार्वजनिक मुद्दे न उठा सकें। यह एक विरोध प्रदर्शन से संबंधित था। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों और आम नागरिकों को झेलनी पड़ी कठिनाइयों को उजागर करने के लिए यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण महामारी के दौरान बिहार के कई लोगों को पैदल ही अपने घर लौटना पड़ा और आरोप लगाया कि इस दौरान श्रमिकों को भारी कष्ट सहना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि आप जानते हैं कि बिहार के लोग पैदल लौट रहे थे। ट्रेनों की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। कई मजदूरों को कष्ट सहना पड़ा और उनकी जान चली गई। हमने नियमों का पालन करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और जनता की चिंताओं को उठाया, लेकिन सरकार ने हमारे खिलाफ झूठा मामला दर्ज कर लिया।

एम.के. स्टालिन का सीएम विजय पर सीधा हमला, पूछा- महिलाओं के 1000 रुपये देने में देरी क्यों?

नई दिल्ली एजेंसी: पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने गुरुवार को नव निर्वाचित मुख्यमंत्री विजय से कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थिट्टम (कलाकार महिला अधिकार योजना) की राशि 15 मई तक जारी करने का आग्रह किया। एक पोस्ट में एमके स्टालिन ने मई महीने की राशि जारी करने में हो रही देरी को लेकर टीवीके सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय, मई महीने की कलाकार महिला अधिकार योजना की राशि 15 तारीख तक जमा कर दी जानी चाहिए। मौजूदा योजना को जारी रखने में अब देरी क्यों? आप क्या पुनर्गठन करने की योजना बना रहे हैं? क्या आपने कल ही विधानसभा में यह नहीं कहा था कि द्रविड़ मॉडल सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी? टीवीके के चुनाव प्रचार के दौरान 60 वर्ष तक की सभी महिला मुखियाओं को 2,500 रुपये देने के वादे पर विजय पर कटाक्ष करते हुए

स्टालिन ने कहा कि 2,500 रुपये प्रति माह देने की घोषणा के बाद, 1,000 रुपये भी न देकर टालमटोल करना क्या आपका बदलाव कहलाता है? यह बयान तमिलनाडु मुख्यमंत्री कार्यालय के उस बयान के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने आदेश दिया है कि "कलाकार महिला अधिकार कोष के तहत मई 2026 की राशि जल्द ही लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार महिला लाभार्थियों के खातों में 1000 रुपये की मासिक सहायता राशि जारी करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नई सरकार द्वारा वर्तमान राशि को वादे के अनुसार 2500 रुपये तक बढ़ाने तक सहायता राशि में कोई रुकावट न आए।

मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सचिवालय में वित्त सचिव और उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की गई 1,000 रुपये की राशि समय पर जारी की जाए।

अमित शाह से मिलने पहुँचे सीएम योगी आदित्यनाथ, यूपी चुनाव और राजनीतिक नियुक्तियों से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस ली है और इस कड़ी में सबसे पहले पार्टी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए कई कदम उठाये जाएंगे। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न निगमों और आयोगों में खाली पड़ी राजनीतिक नियुक्तियां जल्द ही की जाएंगी। इसी सिलसिले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। हाल ही में अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने के बाद यह योगी की पहली दिल्ली यात्रा थी। बताया जा रहा है कि योगी और शाह की मुलाकात आधे घंटे से ज्यादा समय तक चली। माना जा रहा है कि इस दौरान नये बनाये गये मंत्रियों के विभागों को लेकर भी चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा पार्टी संगठन की सारी कमजोरियों को दूर कर लेना चाहती है और पार्टी नेताओं और कार्यकताओं की नाराजगी भी दूर करना चाहती है जिसके लिए आने वाले दिनों में तमाम कदम उठाए जाएंगे। बताया जा रहा है कि जल्द ही पार्टी संगठन, निगमों और आयोगों में जो नियुक्तियां होने जा रही हैं उनमें सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और सहयोगी दलों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जायेगा। हम

आपको यह भी बता दें कि हाल ही में पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन के साथ पूर्वी भारत में अपना वर्चस्व स्थापित करने के बाद भाजपा की नजर अब 2027 में होने वाले सात राज्यों के विधानसभा चुनावों पर है, जिनमें गुजरात, गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश प्रमुख हैं। पार्टी ने इन राज्यों में चुनाव की तैयारियां पहले ही शुरू कर दी हैं और पार्टी अध्यक्ष नितिन

हाल ही में पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन के साथ पूर्वी भारत में अपना वर्चस्व स्थापित करने के बाद भाजपा की नजर अब 2027 में होने वाले सात राज्यों के विधानसभा चुनावों पर है, जिनमें गुजरात, गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश प्रमुख हैं।

नवीन ने अगले वर्ष के चुनावी अभियान के लिए जमीनी स्तर पर काम प्रारंभ कर दिया है। भाजपा के एक सूत्र ने कहा, ह्वपांच राज्यों के चुनाव संपन्न होने के बाद अब पार्टी का ध्यान अगले वर्ष सात राज्यों में होने वाले चुनावों पर केंद्रित हो गया है। कुछ स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, जिन्हें अब और तेज किया जाएगा।ह्व पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन गोवा, गुजरात और उत्तर प्रदेश का दौरा कर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले चुके हैं और इस दौरान उन्होंने पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों व नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठकें कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की है। वह जल्द ही उत्तराखंड का दौरा करेंगे, जहां अगले वर्ष गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के साथ चुनाव होने हैं। हम आपको बता दें कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भाजपा की सरकार है, जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश भाजपा की गतिविधियों का केंद्र रहने वाला है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, तमाम केंद्रीय मंत्रियों सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अब लगातार यूपी के दौरे होते रहेंगे जिससे पार्टी कार्यकताओं में जोश बना रहे। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को उत्तर प्रदेश में खासा नुकसान उठाना पड़ा था इसलिए भाजपा नेतृत्व उत्तर प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को लेकर खासा सतर्क है। माना जा रहा है कि यूपी के मामलों को सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देखेंगे ताकि राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा की हैट्रिक में कोई कमी नहीं रह जाये।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संपादकीय

दवा नहीं दिल में खोट

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है।

निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है। दरअसल, यह संकट एक राज्य का नहीं, पूरे देश के सामने मौजूद है। नियामक एजेंसियों की लापरवाही, कड़े कानूनों का अभाव व दोषियों को समय पर कड़ी सजा न मिलना इस अमानवीय धंधे के फलने-फूलने की वजह बन रहा है।

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे।

अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था।

उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

भगत सिंह के मस्तिष्क शहीद सुखदेव को हमने कितना याद रखा?

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास की एक अजीब फितरत होती है। वह कभी-कभी किसी महानायक के महाकाय प्रभाव में उसके सबसे बड़े मददगार और हमसफर को परदे के पीछे धकेल देता है। 23 मार्च 1931 की शाम को जब लाहौर की सेंट्रल जेल में तीन नौजवान फांसी के फंदे की तरफ बढ़ रहे थे, तब भारत की जुबान पर एक नाम ऐसा चढ़ा कि बाकी दो नाम उसके साए में थोड़े सिमट गए। हम बात कर रहे हैं क्रांति के तीन शहीदों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की। इस अटूट तिकड़ी में भगत सिंह क्रांति का चमकता हुआ चेहरा थे और राजगुरु अचूक निशानेबाज, लेकिन इन सबके पीछे जो बेहद शांत, गंभीर और तीखा दिमाग काम कर रहा था, वह नाम था क्रांतिकारी सुखदेव थापर का।

आज 15 मई को उनकी जयंती पर यह सोचना बहुत जरूरी है कि इस जमीनी रणनीतिकार को हमने अपनी यादों और इतिहास में कितना स्थान दिया। पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव और भगत सिंह सिर्फ साथ में देश के लिए लड़ने वाले साथी नहीं थे, बल्कि दोनों के बीच एक बेहद गहरी और बेमिसाल दोस्ती थी। लाहौर के नेशनल कॉलेज के दिनों से शुरू हुआ यह साथ देश की आजादी का सबसे बड़ा हथियार बन गया। जब देश में नौजवानों को एकजुट करने के लिए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन हुआ, तो पंजाब की पूरी जिम्मेदारी सुखदेव को सौंपी गई। यहीं से उनके संगठन बनाने और उसे चलाने के लाजवाब हुनर की शुरूआत होती है। वे कागजों पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाने और उन्हें चुपचाप जमीन पर सच कर दिखाने में माहिर थे।अक्सर स्कूल-कॉलेज की किताबों में सुखदेव को भगत सिंह के एक साथी के रूप में ही दिखाकर छोड़ दिया जाता है, जो उनके साथ एक तरह की नाइंसाफी है। असलियत तो यह है कि ब्रिटिश पुलिस ने जब अदालत में मशहूर लाहौर षड्यंत्र केस का मुकदमा दर्ज किया था, तो उसकी पहली एफआईआर में आरोपी नंबर एक कोई और नहीं, बल्कि खुद सुखदेव थापर थे। अंग्रेज सरकार भी बहुत अच्छी तरह जानती थी कि इस पूरी सशस्त्र क्रांति की डोर असल में किसके हाथ में है।

लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए जब जेपी सांडर्स को सजा देने की योजना बनी, तो उसके पीछे असली दिमाग सुखदेव का ही था। उन्होंने ही राजगुरु और भगत सिंह को इस बड़े मिशन के लिए तैयार किया, उनके छिपने के गुप्त ठिकाने ढूंढे और काम पूरा होने के बाद वहां से सुरक्षित निकलने का पूरा रास्ता साफ किया। सुखदेव कभी वाहवाही लूटने या अखबारों की सुर्खियों में रहने वाले नेता नहीं थे। वे खुद को हमेशा पीछे रखकर संगठन को मजबूत करते रहे, गलियों-कस्बों में जाकर युवाओं के दिलों में आजादी की अलख जगाते रहे। सुखदेव के बारे में इतिहास का एक पन्ना ऐसा भी है जो अमूमन चचाओं से गायब रहता है। जेल की कालकोठरी में रहते हुए जब राजनीतिक कैदियों के मानवीय अधिकारों का हनन हुआ, तब सुखदेव ने जेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने जेल के भीतर बिना अन्न-जल के लगातार 63 दिनों तक ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी। इस कड़े और जानलेवा उपवास ने ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर रवैये को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया था। इस बात से सिद्ध हो जाता है कि वे सिर्फ बम और पिस्तौल की रणनीति ही नहीं जानते थे, बल्कि वैचारिक और सत्याग्रही मोर्चे पर भी उनका कोई सानी नहीं था। उनकी सोच कितनी खुली और साफ थी, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे किसी भी तरह के अंधविश्वास और रूढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। जेल की सलाखों के पीछे रहते हुए उन्होंने महात्मा गांधी को एक खुला खत लिखा था, जिसमें उन्होंने देश के युवाओं की दशा पर बेहद कड़े और सीधे सवाल पूछे थे। यह चिट्ठी बताती है कि उनका दिल देश के भविष्य के लिए कितना तड़पता था। लेकिन आजादी मिलने के बाद हमारे देश के नीति-निमार्ताओं और इतिहासकारों ने सुखदेव के योगदान को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। हमने उन्हें सिर्फ एक शहीद तिकड़ी के हिस्से के रूप में याद रखा। फिल्मों से लेकर बड़े-बड़े सरकारी विज्ञापनों तक में उन्हें वह मुख्य स्थान कभी नहीं मिल पाया। सुखदेव का जीवन हमें सिखाता है कि असली काम शोर मचाकर नहीं, बल्कि शांत रहकर किया जाता है। सुखदेव सिर्फ 23 साल की उम्र में देश पर न्योछावर हो गए। 15 मई का यह दिन देश के उस सच्चे सिपाही को सलाम करने का दिन है जिसने परदे के पीछे रहकर आजादी की सबसे बड़ी इबारत लिखी थी।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और ह्यमैंह्न का अहंकार ह्यहमह्न की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे ह्लअहिंसा की प्रयोगशालाह्व बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

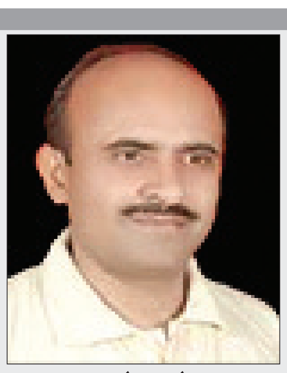
कमलेश पांडेय

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है।

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा।

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है।

समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125% तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े।

हाल के अमेरिका/इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10% की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है।

दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा।

 # आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के चीन दौरे पर भारत की नजर क्यों है?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है- या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें। चूंकि भारत हाल के वर्षों में अमेरिका भारत का अहम रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। दूसरी ओर चीन भी भारत का अहम पड़ोसी देश है, जिसके साथ सीमा विवाद के बाद भी रिश्ते व्यवहारिक समझ पर वापस लौट रहे है। ऐसे में दोनों देशों के आपसी संबंध और इस दौरे के निष्कर्ष भी भारत पर असर डालेगा। अमेरिका और चीन के रिश्ते एक लंबे वक्त तक असहजता के दायरे में रहे, जिसके जियोपॉलिटिकल प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा है। ट्रंप का यह दौरा 2017 के बाद हो रहा है। चीन पहुंचने पर बुधवार को ट्रंप का स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया, जो 2017 से अच्छा स्वागत होने को दशार्ता है।

चीन मामलो के जानकार बताते हैं कि भारत जानना चाहेगा कि ट्रंप और चिनफिंग के बीच बातचीत का क्या निष्कर्ष निकला। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में जिस तरह चीन का प्रभाव बढ़ा है, इसी बैलेंस ऑफ पावर के मद्देनजर अमेरिका और भारत रणनीतिक और सामरिक मुद्दों पर लगातार नजदीकी स्तर पर काम करते रहे। ऐसे में अमेरिका और चीन अपने सबंधों को अगर फिर से नया आयाम देने का फैसला करते है तो अमेरिका व चीन दोनों के रिश्तों के मुताबिक भारत को भी अपनी विदेश नीति में बदलाव करना होगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

जेवर विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा:यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल वृद्धि प्रस्ताव निरस्त करने की मांग

नोएडा (एजेंसी) जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रस्तावित टोल शुल्क वृद्धि पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर इस प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग की है। विधायक ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को भी इस संबंध में एक पत्र प्रेषित किया है। अपने पत्र में विधायक ने बताया कि विश्व वर्तमान में संवेदनशील आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों से गुजर रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता का सीधा असर वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। देश में पहले से ही ईंधन, परिवहन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण आम नागरिक आर्थिक दबाव महसूस कर रहे हैं। धीरेंद्र सिंह ने कहा कि ऐसे समय में यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल शुल्क में वृद्धि से लाखों दैनिक यात्रियों, किसानों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने जोर दिया कि यमुना एक्सप्रेसवे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों की प्रमुख जीवनरेखा बन चुका है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, औद्योगिक निवेश और क्षेत्रीय विकास परियोजनाओं के कारण भविष्य में एक्सप्रेसवे पर यातायात और राजस्व में स्वाभाविक वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। ऐसी स्थिति में, वर्तमान परिस्थितियों में तत्काल टोल वृद्धि को जनभावनाओं के अनुरूप नहीं माना जा सकता। विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्राधिकरण और राज्य सरकार से आग्रह किया है कि जनहित, महंगाई और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित टोल वृद्धि पर पुनर्विचार किया जाए और इसे स्थगित अथवा निरस्त किया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार और प्राधिकरण जनभावनाओं तथा सार्वजनिक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संवेदनशील निर्णय लेंगे।

नोएडा में बस के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग:ऐप बनाया जाएगा

नोएडा (एजेंसी) नोएडा में सिटी बस सेवा शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। नोएडा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बीच जल्द एमओयू साइन होने जा रहा है। पहले चरण में 50 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी, जिनका न्यूनतम किराया 10 रुपए प्रस्तावित किया गया है। इन बसों के संचालन से नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद और जेवर एयरपोर्ट तक सफर करना आसान हो जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, बस सेवा मई के अंत तक शुरू की जा सकती है। ऐप से मिलेगा टिकट और पास, सबकुछ होगा पेपरलेस सिटी बस सेवा पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया जाएगा, जिसके जरिए यात्री ऑनलाइन टिकट बुक कर सकेंगे। मासिक और वार्षिक पास की सुविधा भी ऐप पर उपलब्ध होगी। पूरी व्यवस्था पेपरलेस रहेगी।

2 लाख लोगों को मिलेगा फायदा अधिकारियों के अनुसार, पहले चरण में करीब 2 लाख लोगों को इस सेवा का लाभ मिलेगा। बसें खासतौर पर उन इलाकों में चलाई जाएंगी, जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा कम है या नहीं है। बसों का संचालन 15-15 मिनट के अंतराल पर किया जाएगा। कुल 45 बसें नियमित रूप से चलेंगी, जबकि 5 बसें स्टैंडबाय में रखी जाएंगी। डबल डेकर बसें भी चलेंगी पहले चरण में 10 डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसें भी शामिल होंगी। ये बसें बॉटेनिकल गार्डन से परी चौक तक चलेंगी। इसके अलावा 9 मीटर और 12 मीटर लंबाई की बसें भी अलग-अलग रूटों पर चलाई जाएंगी। सिटी बसों के लिए सेक्टर-90 में आधुनिक बस डिपो तैयार किया जा रहा है। यहां ई-चार्जिंग स्टेशन, सर्विस सेंटर, ड्राइवर-कंडक्टर रेस्ट रूम और ऑफिस की व्यवस्था होगी। दिल्ली और गाजियाबाद तक जाएगी बस सेवा नोएडा की सिटी बसें सिर्फ शहर तक सीमित नहीं रहेंगी। ये बसें दिल्ली के सराय काले खां, आनंद विहार क्ष्इळ और गाजियाबाद तक भी जाएंगी। इससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला, पिता-पुत्र गिरफ्तार:ग्रेटर नोएडा में घर में घुसकर मारपीट की थी मारपीट

नोएडा (एजेंसी) के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के पारसौल गांव में पुरानी रंजिश के चलते घर में घुसकर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पिता-पुत्र शामिल हैं, जिन्हें बुधवार को जेल भेज दिया गया। यह मामला पारसौल गांव निवासी मंजू द्वारा कोर्ट के आदेश पर दनकौर कोतवाली में दर्ज कराया गया था। पीड़ित मंजू ने आरोप लगाया कि 4 अप्रैल को पड़ोसियों ने पुरानी रंजिश के चलते उनके घर में घुसकर परिवार के सदस्यों पर हमला किया। आरोपियों ने लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से हमला किया, जिसमें परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर गज्जू उर्फ गजेंद्र, दीपांशु, यशू, प्रिंस, प्रेम सहित लगभग 10 आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने बुधवार को नामजद आरोपी गज्जू उर्फ गजेंद्र और उसके बेटे यशू को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नोएडा रीजन में लड़कियों का परीक्षा परिणाम 85.93 प्रतिशत:लड़कों का परिणाम रहा 73.91

नोएडा (एजेंसी) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) ने बुधवार को 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस बार नोएडा रीजन में 12वीं का परीक्षा परिणाम 79.43 प्रतिशत रहा। नोएडा रीजन में कुल 1 लाख 23 हजार 490 स्टूडेंट्स ने रजीस्ट्रेशन करवाया। जिसमें से 1 लाख 22 हजार 322 स्टूडेंट ने परीक्षा दी। लड़कों का परीक्षा परिणाम 73.91 और गर्ल्स का परीक्षा परिणाम 85.93 रहा। देश में नोएडा रीजन 20वें स्थान पर रहा। वहीं 2025 में परीक्षा परिणाम 81.29, 2024 में 80.27 प्रतिशत रिजल्ट रहा। जबकि 2023 में 12वीं 90.27 प्रतिशत स्टूडेंट पास हुए थे। 57 सेंटरों पर हुई परीक्षा नोएडा की बात करे तो यहां 57 सेंटर पर करीब 19 हजार से ज्यादा स्टूडेंट बैठे थे। जिनकी परीक्षा 17 फरवरी से शुरू हुई। इसमें से डीपीएस, एमिटी, रेयान, एपीएस, विश्वभारती पब्लिक स्कूल, बाल भारती, मार्डन के अलावा रेयान, लोट्स वैली, इंडस वैली, शिव नादर जैसे स्कूलों का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। यहां स्कूलों में परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। इस दौरान स्टूडेंट्स के चेहरों पर खुशी देखी गई। नहीं जारी होगी मेरिट लिस्ट इस बार भी 12वीं की परीक्षा परिणाम में स्टूडेंट्स की मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई। बताया गया कि अधिकांश स्कूलों में 85 प्रतिशत से ज्यादा स्टूडेंट्स के मार्कस 90 प्रतिशत से ज्यादा है। स्टूडेंट्स ने बताया कि मेरिट जारी नहीं होने से कंपटीशन का भाव समाप्त होता है। एक तरह से अच्छा और खराब दोनों ही है। फिलहाल काफी लंबे से स्टूडेंट्स परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे थे।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा-ईंधन बचाना अब राष्ट्रीय जिम्मेदारी, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी) मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन बचाना और सार्वजनिक परिवहन को अपनाना देशहित में जरूरी कदम है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों से कार पूल, मेट्रो और बसों का ज्यादा इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन बचाना और सार्वजनिक परिवहन को अपनाना देशहित में जरूरी कदम है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद दिल्ली सरकार ने ईंधन बचत को लेकर कई कदम उठाने

शुरू कर दिए हैं। सरकार के मंत्री, विधायक, अधिकारी और कर्मचारी अब जरूरत के मुताबिक ही सरकारी वाहनों का इस्तेमाल करेंगे। दिल्ली में मेट्रो और डीटीसी बसों का मजबूत नेटवर्क मौजूद है, जिसकी पहुंच पूरे एनसीआर तक है। ऐसे में लोग अगर निजी गाड़ियों की जगह मेट्रो, बस और कारपूल का इस्तेमाल करेंगे तो इससे पेट्रोल-डीजल की बचत होगी, ट्रैफिक जाम कम होगा और प्रदूषण पर भी असर पड़ेगा। ये केवल सरकारी पहल नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा अभियान है। जितने ज्यादा लोग सार्वजनिक परिवहन अपनाएंगे, उतना ही बड़ा असर दिखाई देगा। सरकार विभागीय कामकाज में भी वाहनों की संख्या सीमित कर रही है। ऊर्जा संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की जरूरत है। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने या साइकिल का इस्तेमाल करें और ऑफिस आने-जाने में कारपूलिंग को बढ़ावा दें।

दिल्ली में सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों को पछाड़ा, नतीजों में गिरावट का हो रहा है विश्लेषण

नई दिल्ली (एजेंसी) इस बार भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन निजी स्कूलों से बेहतर रहा। दिल्ली रीजन में सरकारी स्कूलों का पास प्रतिशत 94.44 फीसदी दर्ज किया गया जबकि निजी स्कूलों का परिणाम 88.77 फीसदी रहा। दोनों के बीच 5.67 फीसदी का अंतर रहा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षा में दिल्ली रीजन का कुल पास प्रतिशत 91.97 फीसदी रहा। इस बार भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन निजी स्कूलों से बेहतर रहा। दिल्ली रीजन में सरकारी स्कूलों का पास प्रतिशत 94.44 फीसदी दर्ज किया गया जबकि निजी स्कूलों का परिणाम 88.77 फीसदी रहा। दोनों के बीच 5.67 फीसदी का अंतर रहा। दिल्ली वेस्ट का परिणाम दिल्ली ईस्ट से बेहतर रहा। दिल्ली वेस्ट में 92.34 फीसदी छात्र सफल हुए, जबकि दिल्ली ईस्ट का पास प्रतिशत 91.73 फीसदी रहा। हालांकि दोनों क्षेत्रों के परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट दर्ज की गई। बीते साल दिल्ली वेस्ट का पास प्रतिशत 95.37 और दिल्ली ईस्ट का 95.06 फीसदी था। ओवरऑल रैंकिंग में दिल्ली वेस्ट पांचवें और दिल्ली ईस्ट छठे स्थान पर रहे। दिल्ली ईस्ट से 1,84,214 और दिल्ली वेस्ट से 1,21,229 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। पिछले वर्ष सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन और बेहतर रहा था। तब दिल्ली वेस्ट में सरकारी स्कूलों का पास प्रतिशत 98.10 और दिल्ली ईस्ट में 96.11 फीसदी था। रिजल्ट में गिरावट का किया जा रहा विश्लेषण देशभर में सीबीएसई का ओवरऑल पास प्रतिशत 85.20 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष के 88.39 फीसदी की तुलना में 3.19 फीसदी कम है। रिजल्ट में गिरावट को ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने इससे इन्कार किया। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सरल हुई है तथा रिजल्ट में गिरावट के कारणों का अभी विश्लेषण किया जा रहा है। पास प्रतिशत में केंद्रीय विद्यालयों ने जवाहर नवोदय को पीछे छोड़ा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बारहवीं के नतीजों में केंद्रीय विद्यालयों का प्रदर्शन शानदार रहा है। इस बार केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों का पास प्रतिशत सर्वाधिक 98.55 रहा है। वहीं, जवाहर नवोदय विद्यालय का पास प्रतिशत 98.47 है। पिछले साल 99.29 फीसदी के साथ जेएनवी स्कूल श्रेणी में पास प्रतिशत के मामले में टॉप पर रहे थे।

नतीजों पर साफ दिखाई दिया डिजिटल पढ़ाई का असर, मोबाइल सहारा बना तो चुनौती भी

नई दिल्ली (एजेंसी) कई छात्रों ने ऑनलाइन नोट्स, यूट्यूब लेक्चर और मोबाइल एप्स की मदद से बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि, मोबाइल फोन पढ़ाई में सहायक होने के साथ-साथ ध्यान भटकाने और सोशल मीडिया की लत का कारण भी बन रहा है। 12वीं के परीक्षा परिणामों में इस बार डिजिटल पढ़ाई का असर साफ दिखाई दिया। कई छात्रों ने ऑनलाइन नोट्स, यूट्यूब लेक्चर और मोबाइल एप्स की मदद से बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि, मोबाइल फोन पढ़ाई में सहायक होने के साथ-साथ ध्यान भटकाने और सोशल मीडिया की लत का कारण भी बन रहा है। शिक्षा के बदलते दौर में मोबाइल अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि पढ़ाई का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। छात्रों का कहना है कि ऑनलाइन वीडियो और क्विक रिवीजन नोट्स से कठिन विषयों को समझना आसान हुआ और तैयारी में समय की बचत हुई। 12वीं के छात्र आयुष झा ने बताया कि ऑनलाइन वीडियो से मैथ्स और फिजिक्स समझने में मदद मिली, जिससे उन्हें 82 प्रतिशत अंक हासिल हुए। हालांकि, नोटिफिकेशन की वजह से कई बार ध्यान भटक जाता था। सिविल लाइंस स्थित बंगाली सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र कार्तिक ने कहा कि मोबाइल के जरिये रिवीजन आसान हुआ और उन्हें 83 प्रतिशत अंक मिले, लेकिन सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखना चुनौतीपूर्ण था। छात्र निशांत सिंह चौहान के अनुसार डिजिटल नोट्स से समय बचा, मगर लंबे स्क्रीन टाइम से थकान महसूस होती थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- पूरी पीढ़ी को बर्बाद नहीं करने दे सकते, 'गंदगी' हटाओ

नई दिल्ली (एजेंस अदालत ने गूगल, एप्पल और भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम को निर्देश दिया कि वे ऐसे एप्स के प्रसार को तुरंत रोकें और 2021 के आईटी नियमों का पालन करें। साथ ही, अगली सुनवाई (जुलाई में) तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को गूगल और एप्पल को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने प्ले स्टोर और ऐप स्टोर पर अश्लील, वेश्यावृत्ति तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले मोबाइल एप्लिकेशन्स के खिलाफ तुरंत और प्रभावी कार्रवाई करें। अदालत ने टिप्पणी की कि पूरी पीढ़ी को बर्बाद होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने आईटी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 का हवाला देते हुए कहा कि गूगल और एप्पल जैसे मध्यस्थों की जिम्मेदारी केवल शिकायत मिलने पर ही नहीं, बल्कि ऐसे ऐप्स को अपलोड होने के समय ही उचित जांच (ड्यू डिलीजेंस) करना है। पीठ ने कहा, इन ऐप्स की व्यापक पहुंच को देखते हुए मध्यस्थों को आईटी नियम 2021 के तहत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्हें न केवल शिकायत पर कार्रवाई करनी चाहिए, बल्कि अपलोड के समय भी सतर्क रहना चाहिए। यह आदेश एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान दिया गया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर पर कई ऐसे ऐप उपलब्ध हैं जो पोर्नोग्राफिक सामग्री, अनैतिक तस्करी, वेश्यावृत्ति, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग, अवैध हथियारों की तस्करी और संगठित अपराध को बढ़ावा देते हैं। याचिकाकर्ता के वकील तन्मय मेहता ने कहा कि ये ऐप्स ऐसे आपराधिक कार्यों से करोड़ों डॉलर कमा रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने याचिका का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सरकार अकेले दुनिया भर में सब कुछ ब्लॉक नहीं कर सकती, इसलिए मध्यस्थों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है

एनआईए ने कोर्ट में दाखिल की चार्जशीट, 10 आरोपियों के खिलाफ 7500 पन्नों में आरोपपत्र

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली के लाल किले इलाके में नवंबर 2025 में हुए कार बम धमाके मामले में एनआईए ने 10 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को नई दिल्ली की एक विशेष अदालत में लाल किले के पास हुए कार धमाके के मामले में 7,500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। एजेंसी ने 10 नवंबर, 2025 को हुए इस हमले में कथित संलिप्तता के लिए 10 लोगों को नामजद किया है। इस हमले में 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। एनआईए के अनुसार, सहित सभी 10 आरोपी संगठन 'अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े थे, जिसे अल-कायदा से प्रेरित संगठन बताया गया है। मुख्य आरोपी उमर उन नबी की इस धमाके में मौत हो गई थी। उसके अलावा नौ अन्य आरोपियों

के नाम भी चार्जशीट में शामिल किए गए हैं। डॉ. नबी के अलावा, चार्जशीट में नामित अन्य व्यक्तियों में आमिर राशिद मीर, जसीर बिलाल वानी, डॉ. मुजम्मिल शकील, डॉ. अदील अहमद राथर, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद वागे, सोयाब, डॉ. बिलाल नसीर मल्ला और यासिर अहमद डार शामिल हैं। एनआईए की जांच में बड़ा खुलासा एनआई की जांच में सामने आया कि कुछ आरोपी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित मेडिकल प्रोफेशनल थे। 2022 में श्रीनगर में हुई एक गुप्त बैठक में उन्होंने AGuH Interim नाम से संगठन को फिर सक्रिय किया और OperationHeavenly Hind शुरू किया था। एनआईए की जांच से पता चला कि OperationHeavenly Hind के तहत, आरोपियों ने नए सदस्यों की भर्ती की, AGuH की हिंसक जिहादी विचारधारा का सक्रिय रूप से प्रचार किया, हथियार और गोला-बारूद जमा किया, और बाजार में आसानी से मिलने वाले रसायनों का उपयोग करके बड़े पैमाने पर विस्फोटक बनाए। एजेंसी ने बताया कि धमाके में इस्तेमाल TATP विस्फोटक आरोपियों ने खुद तैयार किया था। एनआईए की जांच से यह भी पता चला कि आरोपी प्रतिबंधित हथियारों की अवैध खरीद में भी शामिल थे, जिनमें एक अङ-47 राइफल, एक क्रिनकोव राइफल और कारतूसों वाली देसी पिस्तौलें शामिल थीं। जांच के दौरान यह भी पता चला कि आरोपियों ने विभिन्न ऑलाइन और ऑनलाइन स्त्रोतों से प्रयोगशाला उपकरण खरीदे थे।

स्लीपर बस में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म, रात में टाइम बताने के बहाने अंदर खींचा

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली के रानी बाग इलाके में चलती स्लीपर बस में 30 वर्षीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। सरस्वती विहार इलाके में महिला बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान एक स्लीपर बस आकर वहां रुकी। महिला ने दरवाजे पर खड़े व्यक्ति से टाइम पूछा। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसे बस के अंदर खींच लिया रानीबाग इलाके में सोमवार रात चलती स्लीपर बस में महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मंगोलपुरी स्थित फैक्टरी में काम करने वाली महिला घटना के समय काम खत्म कर घर जा रही थी। आरोप है कि बस में सवार चालक और हेल्पर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास बस से फेंककर भाग गए। पीड़िता को पुलिस ने तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया और उसके बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए बस को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक, 30 साल की महिला अपने पति और दो बच्चों के साथ पीतमपुरा इलाके में रहती है। उसके पति को टीबी की बीमारी है। वह मंगोलपुरी स्थित फैक्टरी में काम करती है। रानीबाग थाने में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक सोमवार रात वह काम करने के बाद घर जा रही थी। सरस्वती विहार इलाके में वह बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान एक स्लीपर बस आकर वहां रुकी। महिला ने दरवाजे पर खड़े व्यक्ति से टाइम पूछा। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसे बस के अंदर खींच लिया और चालक से बस चलाने के लिए कहा। इस दौरान बस में मौजूद दो आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास महिला को बस से फेंककर वहां से भाग गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिसमें पता चला कि बस दिल्ली से बिहार के बीच चलती है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मंगलवार को बस को जब्त कर आरोपी बस चालक और हेल्पर को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया है।

इन्फ्लुएंसर 'द स्किन डॉक्टर' गिरफ्तार, संजय कपूर की मौत के बाद सोशल मीडिया पर किए थे आपत्तिजनक पोस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी) आरोप है कि इन्फ्लुएंसर ने संजय कपूर की मौत के बाद सोशल मीडिया पर ₹मानहानिकारक और आपत्तिजनक सामग्री₹ साझा की थी। आरोपी द्वारा पोस्ट किए गए कुछ ट्वीट आपत्तिजनक प्रकृति के थे और उनसे कपूर परिवार को मानसिक कष्ट पहुंचा। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस ने कारोबारी संजय कपूर की मौत के बाद कपूर परिवार को निशाना बनाते हुए कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और डमेटोलॉजिस्ट डॉ. नीलम सिंह को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने बुधवार को इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि वसंत कुंज पुलिस स्टेशन में कपूर परिवार की ओर से एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि इन्फ्लुएंसर ने कपूर की मौत के बाद सोशल मीडिया पर ₹मानहानिकारक और आपत्तिजनक सामग्री₹ साझा की थी। पुलिस ने बताया कि डॉ. नीलम सिंह, जिन्हें ऑनलाइन ₹द स्किन डॉक्टर₹ के नाम से व्यापक रूप से जाना जाता है, आरोपों के प्रारंभिक सत्यापन के बाद उन्हें ट्रैक किया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जांचकर्ता संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रहे हैं और सामग्री का विश्लेषण कर रहे हैं। शिकायत में आरोप

लगाया गया था कि आरोपी द्वारा पोस्ट किए गए कुछ ट्वीट आपत्तिजनक प्रकृति के थे और उनसे परिवार को मानसिक कष्ट पहुंचा। शिकायत और प्रारंभिक जांच के आधार पर, कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। चोरी, मानहानि और आईटी एक्ट के प्रावधानों के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस बात की जांचकर्ता इस बात की भी बारीकी से जांच कर रहे हैं कि क्या कोई अतिरिक्त सामग्री अपलोड की गई थी या बाद में उसे हटा दिया गया था। पुलिस इस मामले से संबंधित बयान दर्ज करने और डिजिटल सबूत इकट्ठा करने की प्रक्रिया में हैं। अधिकारी ने कहा कि जांच के हिस्से के रूप में, सामग्री पोस्ट करने के लिए इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जांच की जा सकती है।

एनडीएमसी में 33 फीसदी कर्मी करेंगे वर्क फ्रॉम होम, व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू

नई दिल्ली (एजेंसी) एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद अनावश्यक आवागमन कम कर ईंधन की बचत सुनिश्चित करना है। दिल्ली नगरपालिका परिषद एनडीएमसी) के 33 फीसदी कर्मचारी अब वर्क फ्रॉम होम करेंगे। परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद अनावश्यक आवागमन कम कर ईंधन की बचत सुनिश्चित करना है। नई व्यवस्था के तहत चिन्हित विभागों के समूह बी और समूह सी के अधिकतम 33 प्रतिशत कर्मचारियों को जरूरत के अनुसार घर से काम करने की अनुमति दी जाएगी। विभागाध्यक्ष कर्मचारियों की क्रमवार ड्यूटी सूची तैयार करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कार्यालयी कामकाज और जनसेवाएं प्रभावित न हों। दूर-दराज इलाकों से निजी वाहनों के जरिए आने वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही गई है। एनडीएमसी ने स्पष्ट किया कि घर से काम करने वाले कर्मचारियों को आधिकारिक संचार माध्यमों पर उपलब्ध रहना होगा और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्यालय पहुंचना अनिवार्य होगा। वहीं कई जरूरी सेवाओं को इस व्यवस्था से बाहर रखा गया है। इनमें सफाई एवं जनस्वास्थ्य सेवाएं, अस्पताल और आपातकालीन सेवाएं, बिजली और जल आपूर्ति कर्मचारी, उद्यान विभाग, अभियांत्रिकी एवं रखरखाव दल, प्रवर्तन और निरीक्षण टीमें तथा नियंत्रण कक्ष और आपदा प्रतिक्रिया कर्मचारी शामिल हैं। एनडीएमसी ने कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन, कार पूलिंग, साइकिल और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित करने का फैसला किया है। वित्त एवं लेखा

विभाग को दिल्ली मेट्रो कार्ड के जरिए यात्रा भत्ता उपलब्ध कराने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए दिल्ली मेट्रो और डीटीसी अधिकारियों के साथ जल्द बैठक की जाएगी।

इसके अलावा एनडीएमसी कॉलोनियों से कर्मचारियों के लिए विशेष बस सेवा शुरू करने की तैयारी भी की जा रही है।

नीट पेपर लीक :पीलीभीत में एनएसयूआई का जोरदार प्रदर्शन, प्रधान का पुतला दहन

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। यूपी के लखीमपुर खीरी के नौरंगाबाद स्थित गंगोत्री नगर में नीट अभ्यर्थी रितिक मिश्रा का शव बृहस्पतिवार को कमरे में फंदे से लटका मिला। मूल रूप से धौरहरा क्षेत्र के कटौली गांव निवासी रितिक हाल ही में कानपुर में राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) देकर लौटा था। परिजनों के अनुसार नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के बाद से रितिक मानसिक तनाव में था। मृतक के पिता अनूप मिश्रा ने बताया कि रितिक ने तीसरी बार परीक्षा दी थी। इससे पहले उसके कम नंबर आए थे। इस बार उसे उम्मीद थी कि वह नीट क्लीयर कर लेगा, लेकिन पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से वह दुखी हो गया। परिजन उसे लगातार समझ रहे थे, लेकिन उसने किसी वक्त आत्मघाती कदम उठा लिया। छात्र की मौत से माता-पिता रो-रोकर बेहाल हैं। पड़ोसी भी घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने बताया कि रितिक पढ़ने में बहुत होशियार था। वह ऐसा कदम उठा लेगा, यह किसी ने नहीं सोचा। घटना के लोग नीट कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को कोसते दिखे। वहीं छात्र की मौत होने की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

लाल किला विस्फोट केस : एनआईए ने 10 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आज लाल किला इलाके में कार बम विस्फोट मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ 7,500 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। पिछले वर्ष 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले इस उच्च तीव्रता के विस्फोट में 11 लोगों की मौत थी, कई लोग घायल हुए थे और बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। एनआईए के अनुसार, मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी (मृत) समेत सभी 10 आरोपी अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े थे, जो भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) का एक सहयोगी संगठन है। आरोपपत्र यहां पटियाला हाउस कोर्ट स्थित एनआईए की विशेष अदालत में दाखिल किया गया। गृह मंत्रालय ने जून 2018 में एक्यूआईएस और उससे जुड़े सभी संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया था।

पवन खेड़ा गुवाहाटी पहुंचे, पुलिस के सामने पेशी

गुवाहाटी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े आरोपों के मामले में गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन पहुंचे। सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद खेड़ा ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। यह मामला मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा पर खेड़ा द्वारा लगाए गए पासपोर्ट विवाद के आरोपों से जुड़ा है, इसके तहत खेड़ा को पुलिस के सामने पेश होना पड़ा। यह विवाद अप्रैल में तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी सरमा के पास भारत, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र के तीन पासपोर्ट हैं। खेड़ा ने दुबई में उनकी कुछ अज्ञात संपत्तियों और अमेरिका के व्योमिंग में एक कंपनी होने का दावा किया था। हालांकि, सरमा परिवार ने इन दावों को पुरजोर खंडन कर इन्हें पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूहों द्वारा प्रसारित एआई-निर्मित मनगढ़ंत कहानियाँ बताया था। आरोपों के जवाब में, मुख्यमंत्री सरमा ने पहले ही कड़ी कार्रवाई की कसम खाकर कांग्रेस नेताओं को चेतावनी दी थी। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा था कि आरोप लगाने से पहले उन्हें विदेश मंत्री से पूछना चाहिए था। सीएम सरमा ने सुझाव दिया था कि राहुल गांधी ने खेड़ा को ये फर्जी दस्तावेज दिए और कहा था, हमें डराने की कोशिश मत करो। यह असम है, और हम लोगों ने इस्लामी आक्रमण के खिलाफ 17 बार लड़ाई लड़ी है। मुख्यमंत्री ने दावा भी किया था कि पुलिस के उनके दिल्ली आवास पर जाने के बाद खेड़ा हैदराबाद भाग गए थे। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने खेड़ा को अग्रिम जमानत दी थी, जो सरमा को कथित रूप से बदनाम करने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोपों से संबंधित है।

पत्नी के कैरेक्टर पर था शक, सोते समय कुल्हाड़ी से वार कर की हत्या

कोटपूतली (एजेंसी)। कोटपूतली बहरोड जिले में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर में बंद कर दिया और फिर खाटू श्याम मंदिर दर्शन करने चला गया। तीन दिन बाद घर से बदबू आने पर पड़ोसियों को शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी। आरोपी के गांव लौटते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। यह घटना महतवास गांव की है, जो मांडण थाना क्षेत्र में आता है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस का कहना है कि कपिल सेन ने अपनी पत्नी मोनिका (36) की सोते समय कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। नीमराणा एडिश्नल एसपी ने बताया कि 10 मई की सुबह सूचना मिली थी कि महतावास गांव में कपिल सेन के मकान से बदबू आ रही है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। घर के अंदर जाकर देखा तो कपिल सेन की पत्नी मोनिका का शव खून से लथपथ हालत में बेड पर पड़ा था। दीवारों और जमीन पर खून के निशान थे। इसके बाद जब पति 12 मई को गांव लौटा तो उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

फिल्म में महिला पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर पंजाबी एक्टर फिर विवादों में

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता योगराज सिंह फिर विवादों में घिर गए हैं। उनके खिलाफ चंडीगढ़ के एसएसपी को एक औपचारिक शिकायत दी गई है। यह शिकायत उनकी वायरल क्लिप में महिला पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही एक महिला को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के संबंध में दर्ज करवाई गई है। फिल्मों में महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक और गलत शब्दावली के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस से फिल्म के निर्देशक/निर्माताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एडवोकेट उज्ज्वल भसीन द्वारा दी गई इस शिकायत में योगराज सिंह समेत उक्त कंटेंट के निर्माण, निर्देशन और प्रसारण से जुड़े लोगों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उक्त टिप्पणी महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अभद्र है। आरोप है कि इस दौरान योगराज सिंह द्वारा की गई एक टिप्पणी महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक और अपमानजनक है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वायरल वीडियो में इस्तेमाल की गई भाषा महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है।

अदालत पहुंची ममता बोलीं- हिंसा में बच्चों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को नहीं बख्शा

-कोर्ट रूम से बाहर ममता की मौजदूगी में लगे चोर-चोर के नारे

कोलकाता (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील के रूप में अपनी पहली उपस्थिति दी। उन्होंने विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में हुई हिंसा से संबंधित मामले में न्यायमूर्ति के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं। ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट को 10 मृतकों की सूची सौंपी, जिसमें से छह के हिंदू होने का दावा है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाकर कहा कि पुलिस की मौजूदगी में घरों और कार्यालयों को लूटा जा रहा था, लेकिन इन मामलों में प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई। उन्होंने एक 92 वर्षीय अनुसूचित जाति की विधवा और उसके परिवार को घर से बेदखल करने का मुद्दा भी उठाया। कलकत्ता हाईकोर्ट में तस्वीरें दिखाते हुए ममता बनर्जी अत्यंत भावुक हो गईं और बताया कि हिंसा में बच्चों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों तक को नहीं बख्शा गया। उन्होंने खुलासा किया कि उनके अपने परिवार की 12 साल की बच्चियों को बलात्कार की धमकियां दी गई हैं। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट से तत्काल बंगाल के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई, क्योंकि अपराधी कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं।

अपनी दलीलों के दौरान, ममता ने राज्य प्रशासन और पुलिस की निष्क्रियता पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पुलिस के सामने दुकानें और घर तोड़े जा रहे हैं, और मछली बाजारों को भी निशाना बनाया गया था। उन्होंने विनम्र निवेदन किया कि बंगाल के लोगों की रक्षा की जाए। फरार पार्टी कार्यकर्ताओं का विवरण देकर उन्होंने कहा कि बंगाल कोई ऐसा राज्य नहीं है, जहां बुलडोजर चलाया जा सके। हम लोगों ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में तोड़फोड़ की गई दुकानों और घरों का विवरण दिया है। पूर्व सीएम ममता ने कहा कि अनाधिकृत संरचना को ध्वस्त करते वक्त भी व्यक्तियों को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि अपराधी कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं, तब पुलिस को अपराध रोकना चाहिए, न कि घटना घटने के बाद जांच करनी चाहिए? उन्होंने कहा कि पुलिस का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

दरअसल, हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के बाद पूरे राज्य में हिंसा की खबरें सामने आई थीं, जिसके बाद टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी के बेटे शीर्षान्य बंदोपाध्याय ने कलकत्ता हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका में पार्टी कार्यालयों, कार्यकर्ताओं पर हमलों और उनके विस्थापन का आरोप लगाया गया है। ममता ने मुख्य न्यायाधीश एचसी सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं।

वहीं, जैसे ही ममता अपनी दलीलें पूरी कर कोर्ट रूम से बाहर निकलीं, वहां मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इन सबके बावजूद ममता बनर्जी ने अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखने और बंगाल के लोगों के हक में खड़े रहने का संकल्प लिया।

राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के खर्च पर बीजेपी के सवाल- संबित पात्रा ने कहा- आय से अधिक खर्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी की घोषित आय और विदेश दौरों पर हुए कथित खर्च के बीच अंतर को लेकर कई सवाल उठाए। संबित पात्रा ने दावा किया कि वर्ष 2004 से 2026 के बीच राहुल गांधी ने 54 निजी विदेश यात्राएं की हैं, जिन पर लगभग 60 करोड़ रुपये खर्च हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दौरों में किसी भी सरकारी या संसदीय यात्रा को शामिल नहीं किया गया है और यह पूरी तरह निजी यात्राएं थीं। भाजपा नेता ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि राहुल गांधी की घोषित आय लगभग 11 करोड़ रुपये है, तो फिर विदेश यात्राओं पर कथित रूप से 60 करोड़ रुपये कैसे खर्च किए गए। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से इन यात्राओं के वित्तीय स्रोतों को सार्वजनिक करने की मांग की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संबित पात्रा ने कहा कि देश को यह जानने का अधिकार है कि विपक्ष के प्रमुख नेता की विदेश यात्राओं का खर्च कौन उठा रहा है। भाजपा ने इसे पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा।

बंगाल में पशु वध पर शुभेंदु सरकार सख्त, बकरीद पर संकट के बादल

अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना पशुबध नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। कोलकत्ता (ईएमएस)।पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार ने पशु वध को लेकर कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर एक नोटिस जारी किया है। यह आदेश 26 मई को मनाई जाने वाली ईद उल-अजहा (बकरीद) से ठीक पहले सामने आया है, जिससे राज्य की सियासत गर्मा गई है।

नए नियमों के अनुसार, अब अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना किसी भी मवेशी या भैंस के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लागू होगा। यह प्रमाणपत्र नगर पालिका या पंचायत समिति के अध्यक्ष द्वारा सरकारी पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से दिया जाएगा। दोनों अधिकारियों को लिखित में इस बात पर सहमत होना होगा कि पशु वध के योग्य है। प्रमाणपत्र केवल तभी मिलेगा जब पशु की आयु 14 वर्ष से अधिक हो, या वह वृद्धावस्था, चोट, विकृति या किसी लाइलाज बीमारी के कारण स्थायी रूप से अक्षम हो गया है।

वहीं अधिकारी सरकार ने सार्वजनिक वध पर रोक लगा दी है। पशुओं का वध केवल नगर पालिका की वधशाला या स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट वधशाला में ही हो सकता है। बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाएगा, जिस पर छह महीने तक की जेल, 1,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को फिटनेस सर्टिफिकेट देने से मना किया जाता है, तब वह इस निर्णय के विरुद्ध 15 दिनों के भीतर राज्य सरकार के पास अपील कर सकता है।

बात दें कि ममता बनर्जी के 15 साल के शासन को समाप्त करने के बाद सत्ता में आई शुभेंदु अधिकारी सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर निर्णयों की झड़ी लगा दी है। हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर निर्णायक जनादेश पाया है, जो पिछले चुनाव की 77 सीटों के मुकाबले एक बड़ी छलांग है। तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर सिमटकर दूसरे स्थान पर रही है। ये कड़े नियम नई सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं का संकेत देते हैं।

पी में आंधी-तूफान का कहर, 90 से ज्यादा मौतें, सैकड़ों पेड़ और बिजली के पोल उखड़े

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तूफान में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए। बिजली के पोल गिरे। फसलें बर्बाद हो गईं। आंधी-तूफान की चपेट में आकर 90 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन-प्रशासन की टीमें नुकसान के आकलन और प्रभावितों को फौरी मदद पहुंचाने की कोशिशों में जुटी हैं।

गौरतलब है कि बुधवार को यूपी के कई हिस्सों में तेज आंधी, बारिश कहर मचाया। पेड़ और पोल गिरने से बिजली व्यवस्था चरमरा गई। इस बीच राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में हादसों की चपेट में आकर कई लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा जनहानि बनारस, प्रयागराज और कानपुर मंडल में देखी गई है। भदौही में 18 लोगों की मौत की सूचना है। प्रयागराज में 17 और मिर्जापुर में 15 लोगों की मौत हो गई। इसी तरह उन्नाव में 10 बरेली-प्रतागढ़ में 4-4 और सीतापुर, कानपुर, संभल, हरदोई और चंदौली में दो-दो लोगों की मौत हो गई है। शाजहांपुर, लखीमपुर में भी एक-एक व्यक्ति की मौत की रिपोर्ट है।

आंधी की शक्ल में आए तूफान ने कच्चे और फूस के मकान उजाड़ दिए। टेन शेड हवा में उड़ गए। रास्तों पर पेड़ गिरने से यातायात भी बाधित रहा और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। स्थानीय प्रशासनिक टीमें राहत-बचाव अभियान में जुटी रहीं। रास्तों से पेड़ हटाने और पोल को किनारे करके यातायात व्यवस्था सुचारू करने की मुहिम चली। इसी बीच बिजली व्यवस्था भी दुरुस्त करने के प्रयास जारी रहे। इसके अलावा जिन जगहों पर जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। शासन-प्रशासन उसकी रिपोर्ट तैयार करके, पीड़ित परिवारों की मदद में लगा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावितों की हरसंभव मदद की जाए। सीएम ने कहा कि 24 घंटे के पीड़ितों को मुआवजा दिया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ऐसा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनहानि का संज्ञान लेते हुए 24 घंटे के अंदर पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश दिया है। उन्होंने संबंधित जिलाधिकारियों समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश देते हुए राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनी से नुकसान का सर्वेक्षण कराकर शासन को भी अवगत कराने का आदेश दिया है।

मैंने पहले से काफिले को छोटा किया और मंत्रियों-विधायकों के वेतन में की कटौती

-सीएम सुक्खू बोले-बीजेपी ने अपने शासनकाल में फिजूलखर्ची कर संपदा को लूटा

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का कहना है कि प्रदेश के राज्यपाल ने अगर अपने काफिले में वाहनों की कटौती की है तो यह स्वागत योग्य कदम है। मंडी में नगर निगम चुनावों के प्रचार के दौरान सीएम सुक्खू ने कहा कि वे खुद इलेक्ट्रिक कार में सफर करते हैं, जो काफी छोटी है और उसका खर्च पेट्रोल से भी कम है। उन्होंने अपने काफिले के अलावा मंत्रियों के काफिलों में भी पहले से कटौती कर रखी है। इसके अलावा मंत्रियों के वेतन में 30 प्रतिशत, जबकि विधायकों के वेतन में 20 प्रतिशत की अस्थाई कटौती की है। सरकार के इन्हीं प्रयासों से प्रदेश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता की तरफ आगे बढ़ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सुक्खू ने विपक्षी दल बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी ने अपने शासनकाल में फिजूलखर्ची कर प्रदेश की संपदा को लुटाने का काम किया है। हजारों करोड़ के भवन खड़े कर दिए, जिनका आज कोई लाभ किसी को नहीं मिल रहा है। अब बीजेपी सत्ता में आने के सपने देख रही है, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि इसके लिए जनता की कसौटी पर खरा उतरना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हिमाचल के लिए 1500 करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा करके गए थे, जोकि प्रदेश को आज दिन तक नहीं मिला। इस विषय पर किसी भी बीजेपी नेता ने कभी बात नहीं की। प्रदेश सरकार लगातार आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास कर रही है, जिसके जल्द सार्थक परिणाम नजर आएंगे। शिमला के कमला नेहरू अस्पताल से गायनी वार्ड को शिफ्ट करने पर हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई रोक पर सीएम सुक्खू ने कहा कि गायनी वार्ड को आईजीएमसी में इसलिए शिफ्ट किया गया था, ताकि वहां पर रोबोटिक सर्जरी हो सके। यह सब डॉक्टरों की मांग पर ही किया गया था। अब कुछ लोग इस फैसले के विरुद्ध में कोर्ट गए हैं। कोर्ट के फैसले का सरकार स्टडी करेगी।

पूर्व सीएम अखिलेश के घर पहुंचते ही अपर्णा ने की बंद कमरे में बात

बाहर खड़ा रहा पूरा परिवार

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन के बाद उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। बुधवार को लखनऊ के कालिदास मार्ग स्थित उनके आवास पर सांत्वना देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी वहां पहुंचे। अखिलेश यादव ने प्रतीक के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किए और अपर्णा यादव से बंद कमरे में काफी देर तक बातचीत की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शाम करीब चार बजे श्रद्धांजलि देने पहुंचे। उन्होंने परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की और इसे एक अत्यंत दुखद क्षति बताया। शोक की इस घड़ी में राजनीतिक मतभेद पीछे छूट गए; जहाँ एक ओर शिवपाल यादव और डिंपल यादव ने परिवार को संभाला, वहीं भाजपा सांसद साक्षी महाराज, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और कई अन्य दलों के नेता भी ढांढस बंधाने पहुंचे। अखिलेश यादव और साक्षी महाराज के बीच हुई भावुक मुलाकात भी चर्चा का विषय रही।

प्रतीक यादव के स्वास्थ्य को लेकर अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि प्रतीक अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग थे। हालांकि, डॉक्टरों के अनुसार वे पल्मोनरी एंबॉलिज्म नामक गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे, जिसमें फेफड़ों की धमनियों में खून के थक्के जम जाते हैं। मई के पहले सप्ताह में उनके पैर की सर्जरी भी हुई थी, जिसके बाद से उन्हें चलने-फिरने में समस्या और सूजन की शिकायत थी। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात जब प्रतीक की तबीयत बिगड़ी, तब घर पर उनकी दोनों बेटियां और घरेलू स्टाफ ही मौजूद था। सुबह करीब पांच बजे स्टाफ ने उन्हें कमरे में अचेत अवस्था में पाया। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, जब उन्हें सुबह छह बजे अस्पताल लाया गया, तब उनकी सांसें थम चुकी थीं। प्रतीक यादव के निधन से यादव परिवार और उनके समर्थकों के बीच गहरा सन्नाटा पसरा हुआ है। सैफई से लेकर लखनऊ तक हर कोई अपने प्रिय प्रतीक को अंतिम विदाई देने की तैयारी में जुटा है।

शांति की भाषा पर संघ के साथ दिखे पूर्व सेना प्रमुख

पाकिस्तान के साथ बातचीत पर दिया जोर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने पाकिस्तान के साथ भविष्य के संबंधों और संवाद को लेकर एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण साझा किया है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान का पुरजोर समर्थन किया है, जिसमें पाकिस्तान के साथ बातचीत और जन-संपर्क (पीपुल-टू-पीपुल कॉन्टैक्ट) को महत्व देने की बात कही गई थी। पूर्व सेना प्रमुख ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और बेहतर द्विपक्षीय संबंधों के लिए नागरिकों के बीच आपसी संवाद एक प्रभावी माध्यम साबित हो सकता है।

मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जनरल नरवणे ने कहा कि सीमा के दोनों ओर रहने वाले आम लोगों की बुनियादी समस्याएं-रोटी, कपड़ा और मकान-एक जैसी हैं। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीति से दूर, जब दोनों देशों के आम नागरिकों के बीच मित्रता और विश्वास का भाव पैदा होगा, तभी दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रैक-टू कूटनीति यानी अनौपचारिक बातचीत और खेल आयोजनों जैसे माध्यमों से लोगों के बीच जुड़ाव होना चाहिए। पूर्व सेना प्रमुख के अनुसार, हमारे नागरिकों को यह समझना आवश्यक है कि सीमा पार रहने वाला हर व्यक्ति कट्टर दुश्मन नहीं होता।

हालांकि, शांति और संवाद की वकालत करने के साथ-साथ जनरल नरवणे ने भारत की सैन्य दृढ़ता को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बातचीत की इच्छा रखने का अर्थ यह कतई नहीं है कि भारत अपनी सैन्य शक्ति का उपयोग नहीं कर सकता। उनके शब्दों में, भारत हमेशा शांति की भाषा बोलने वाला देश रहा है, लेकिन यदि राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है, तो हम जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग करने से बिल्कुल नहीं हिचकिचाएंगे। यह बयान दत्तात्रेय होसबोले के उस हालिया बयान की निरंतरता में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने भारत का भरोसा खो दिया है, इसलिए अब वहां के नागरिक समाज और आम लोगों को संवाद की कमान संभालनी चाहिए। जनरल नरवणे और संघ के नेता की इस जुगलबंदी ने रक्षा और कूटनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या भारत अब पाकिस्तान के साथ नागरिक कूटनीति के जरिए नए रास्ते तलाशने की तैयारी में है।

देश में मौसम का दोहरा मिजाज: एक ओर झुलसाती गर्मी, दूसरी ओर तूफान और मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में वर्तमान समय मौसम का दोहरा मिजाज देखने को मिल रहा है। एक ओर राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में ओले, तेज हवाओं और बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया। इस दौरान बिहार, महाराष्ट्र और केरल में आंधी-तूफान व बिजली गिरने से कुल 15 लोगों की दुखद मौत हो गई। राजस्थान का बाड़मेर 48.3 डिग्री सेल्सियस के साथ देश का सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। फलौदी, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर जैसे अन्य शहरों में भी पारा 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिससे भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है।

वहीं उत्तर प्रदेश के संभल में बुधवार को दिन में अचानक अंधेरा छा गया और तेज धूल भरी आंधी चली, जबकि मेरठ में जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने राज्य के 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश के रतलाम में भी 46.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ, लेकिन निवाड़ी के बीजौर में तेज आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। हरियाणा के पिनगवा में भी ओलावृष्टि हुई, जबकि पंचकूला, यमुनानगर, करनाल और गुरुग्राम में तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम की इस अप्रत्याशितता के कारण बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चे सहित 5 लोगों ने जान गंवा दी। महाराष्ट्र के सांगली में तेज आंधी से मंदिर की दीवार ढहने से 6 लोगों की मौत हो गई, वहीं केरल के मलप्पुरम में भी बिजली गिरने से 4 लोगों की जान चली गई।

आगामी दो दिनों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी यूपी में बारिश व तेज हवाओं का अनुमान है, जबकि राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है। इन सबके बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून इस हफ्ते के अंत तक अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह तक पहुंच सकता है, जो सामान्य समय से पहले है और राहत की उम्मीद जगा रहा है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

पटना में आज भी बादल छाये रहेंगे, बावजूद बनी रहेगी गर्मी, ओपीडी का भी जानें हाल

पटना (एजेंसी) जिले की दिनभर की गतिविधियों से आपको रू-ब-रू कराने के लिए हम आपके लिए आपके शहर की पूरी जानकारी एक साथ लेकर आ रहे हैं. शहर का मौसम कैसा रहेगा, कौन से धार्मिक स्थल कब खुलेंगे, कब बंद होंगे, ओपीडी में कौन से डॉक्टर किस विभाग में तैनात रहेंगे, शहर में आज कौन से कार्यक्रम होंगे, यह सब जानकारी इस खबर में आपको एक साथ मिल जायेगी. ढअळठअ ळडऊअ : गुरुवार को बादल छाया रहेगा. इसके बावजूद गर्मी में कमी आने के आसार नहीं है. बुधवार को अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस था और गुरुवार को भी इसके 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पुवार्नुमान है. सुबह में बादल छाये होने के कारण न्यूनतम तापमान में बुधवार की तुलना में दो डिग्री की कमी रहने का अनुमान है. यह 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा. मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन चार दिनों तक गर्मी बनी रहेगी और उससे निजात की संभावना नहीं है. पटना जंक्शन हनुमान मंदिरः पटना जंक्शन स्थित भगवान श्री हनुमान जी को समर्पित सबसे पवित्र हिन्दू मंदिरों में से एक है. यह देश के प्राचीन हनुमान मंदिरों में से एक है. महावीर मंदिर उत्तर भारत को सबसे प्रसिद्ध मंदिर है. भक्त मंदिर का लाइव दर्शन कर सकते है और आरती देख सकते हैं. इसके लिए भक्तों को लाइव महावीर मंदिर के लिंक पर जाना होगा. महावीर मंदिर में सुबह का आरती प्रतिदिन सुबह 5 बजे होता हे. इसके बाद आरती सुबह 11 बजे, शाम चार बजे, संध्या आरती 7. 30 बजे और शयन आरती 10.30 बजे होता है. इस्कॉन मंदिर : बुद्ध मार्ग स्थित इस्कॉन मंदिर, जिसे श्री राधा बांके बिहारी जी मंदिर के नामसे जाना जाता है, भगवान कृष्ण को समर्पित एक तीर्थ स्थल है. यहां मंगला आरती एक दैनिक सुबह की रस्म है जिसमें भक्त भजन गाते हैं और देवी- देवताओं से प्रार्थना करते हैं. सुबह का मंगला आरती 4.30 बजे से होता है. वहीं शयन आरती रात आठ बजे होता है. लेकिन सुबह का मंगला आरती को ही सीधा प्रसारण किया जाता है जिसे इस्कॉनपटनाडॉटकॉम पर जाकर आरती में शामिल हो सकते हैं

स्कूल में पढ़ाने के साथ जनगणना ड्यूटी भी करेंगे शिक्षक, बिहार सरकार ने कंफ्यूजन किया क्लियर

पटना (एजेंसी) बिहार में घर-घर जाकर जनगणना का काम किया जा रहा है. ऐसे में शिक्षकों के बीच अलग-अलग आदेश के कारण परेशानी हो रही थी, लेकिन शिक्षा विभाग की ओर से क्लियर कर दिया गया है कि सरकारी शिक्षक स्कूल में पढ़ाने के साथ-साथ जनगणना ड्यूटी भी करेंगे. बिहार के शिक्षकों के लिए शिक्षा विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है. विभाग के अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों और जिला शिक्षा पदाधिकारियों को लेटर भेजकर क्लियर किया है कि जनगणना कार्यों में प्रगणक और पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त शिक्षक नियमित पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभायेंगे. शिक्षकों को स्कूल अवधि में पढ़ाना होगा, जबकि जनगणना से संबंधित फील्ड वर्क स्कूल समय से पहले या समाप्त होने के बाद करना होगा. इस वजह से था कंफ्यूजन जानकारी के मुताबिक, बिहार में जनगणना के काम को लेकर राज्य के शिक्षकों के बीच पिछले कई दिनों से कंफ्यूजन की स्थिति थी. कई जिलों में जनगणना के काम में लगे शिक्षकों को सुबह 9:30 बजे तक स्कूल में पढ़ाने का निर्देश मिला था, जबकि कुछ जिलों में जिला पदाधिकारियों की ओर से कहा गया था कि जनगणना ड्यूटी में लगे शिक्षक केवल जनगणना का काम ही करेंगे. इस तरह से अलग-अलग जिलों में अलग व्यवस्था लागू होने से शिक्षकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी. अब शिक्षा विभाग ने इस मामले में स्पष्ट आदेश जारी कर पूरे राज्य के लिए एक समान व्यवस्था लागू कर दी है. इसके साथ ही कंफ्यूजन दूर कर दिया गया है. मामले में विभाग की ओर से क्या दी गई जानकारी? विभाग ने कहा है कि जिलों में शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज करने और ड्यूटी को लेकर अलग-अलग निर्देश जारी किए जा रहे थे. इसी कारण पूरे राज्य के लिए स्पष्ट और एकरूप दिशा-निर्देश जारी करने की जरूरत पड़ी. लेटर में केंद्र सरकार के प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के हवाले से यह भी कहा गया है कि जनगणना के काम में लगे शिक्षक अपनी नियमित सरकारी जिम्मेदारियों के अतिरिक्त यह काम करेंगे. यानी जनगणना ड्यूटी को अध्यापन कार्य का विकल्प नहीं माना जाएगा. 31 मई तक अनिवार्य ट्रेनिंग से छुटकारा शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट कहा है कि किसी भी स्थि में स्कूलों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए. विभाग का मानना है कि इससे एक तरफ जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य समय पर पूरे होंगे, जबकि दूसरी ओर छात्रों की पढ़ाई भी नियमित रूप से चलती रहेगी. इसके साथ ही विभाग ने यह भी निर्णय लिया है कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों को 31 मई तक अनिवार्य प्रशिक्षण संबंधी दायित्वों से मुक्त रखा जायेगा, ताकि वे अतिरिक्त कार्यभार को बेहतर तरीके से संभाल सकें.

गोपालगंज में बिना लाइसेंस रिन्यूअल के चल रहे पेट्रोल पंपों पर विभाग का अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी) गोपालगंज जिले में बिना लाइसेंस रिन्यूअल के चल रहे पेट्रोल पंपों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है. विभाग ने ऐसे सभी पेट्रोल पंप संचालकों को अंतिम रूप से सात दिन का समय दिया है. निर्धारित अवधि के भीतर लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराने पर संबंधित तेल कंपनियों को डिजिटल माध्यम से पत्र भेजकर पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति रोकने की अनुशंसा की जाएगी. विभाग ने कहा सात दिन की समय सीमा समाप्त होने के बाद जिन पेट्रोल पंपों का लाइसेंस रिन्यू नहीं होगा. (विकास कुमार दुबे) गोपालगंज जिले में बिना लाइसेंस रिन्यूअल के चल रहे पेट्रोल पंपों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है. विभाग ने ऐसे सभी पेट्रोल पंप संचालकों को अंतिम रूप से सात दिन का समय दिया है. निर्धारित अवधि के भीतर लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराने पर संबंधित तेल कंपनियों को डिजिटल माध्यम से पत्र भेजकर पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति रोकने की अनुशंसा की जाएगी. अपर जिला परिवहन पदाधिकारी ने क्या बताया? अपर जिला परिवहन पदाधिकारी (एडीटीओ) एसएन राजू ने बताया कि जिले में कुल 95 पेट्रोल पंप संचालित हैं. इनमें से अब तक केवल 41 पेट्रोल पंपों ने अपनी अनुज्ञप्ति का नवीनीकरण कराया है. जबकि 54 पेट्रोल पंपों का लाइसेंस अभी तक रिन्यू नहीं हुआ है. इस स्थिति को विभाग ने गंभीरता से लिया है. हर वर्ष कराना होता है अनुज्ञप्ति का नवीनीकरण एडीटीओ ने बताया कि प्रत्येक पेट्रोल पंप संचालक को हर वर्ष दिसंबर माह तक परिवहन विभाग से अपनी अनुज्ञप्ति का नवीनीकरण कराना अनिवार्य होता है. नवीनीकरण के बाद ही पेट्रोल पंप को वैध रूप से संचालन की अनुमति मिलती है. इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पेट्रोल पंप सुरक्षा मानकों, प्रशासनिक नियमों और सरकारी निदेर्शों का पालन कर रहे हैं. इसके बावजूद जिले के कई संचालकों ने अब तक आवश्यक कागजात जमा नहीं किए हैं और न ही नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी की है. विभाग ने इसे नियमों की अनदेखी माना है.परिवहन विभाग की चेतावनी परिवहन विभाग ने स्पष्ट कहा है कि सात दिन की समय सीमा समाप्त होने के बाद जिन पेट्रोल पंपों का लाइसेंस रिन्यू नहीं होगा. उनकी सूची तैयार कर संबंधित तेल कंपनियों को ई-मेल और अन्य डिजिटल माध्यम से पत्र भेजा जाएगा. इसमें ऐसे पेट्रोल पंपों की पेट्रोल और डीजल आपूर्ति रोकने की अनुशंसा की जाएगी. विभाग की चेतावनी के बाद पेट्रोल पंप संचालकों के बीच हलचल तेज हो गई है. कई संचालक अपने दस्तावेज तैयार कर जिला परिवहन कार्यालय पहुंच रहे हैं. अधिकारियों का कहना है

बिहार में कोचिंग संस्थानों पर कसेगा शिकंजा: नया कानून, भारी जुमार्ना और सख्त नियम

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार कोचिंग संस्थानों के लिए नया कानून लाने जा रही है. बिना रजिस्ट्रेशन कोचिंग चलाने पर 1 लाख रुपए तक जुमार्ना लगेगा. फीस, शिक्षकों की योग्यता, बैच और छात्रों की सुविधाओं को लेकर भी सख्त नियम लागू किए जाएंगे. बिहार सरकार अब राज्य में चल रहे कोचिंग संस्थानों पर लगाम कसने की तैयारी में है. शिक्षा विभाग ने कोचिंग संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए नए कानून का ड्राफ्ट तैयार किया है. यह नियम उन सभी कोचिंग संस्थानों पर लागू होगा, जहां 25 से ज्यादा छात्र पढ़ते हैं. सरकार का कहना है कि इससे छात्रों और अभिभावकों को मनमानी फीस और गलत प्रचार से राहत मिलेगी. रजिस्ट्रेशन कराना होगा अनिवार्य नए नियम के तहत सभी कोचिंग संस्थानों को रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा. बिना रजिस्ट्रेशन के कोचिंग चलाने पर 1 लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है. इसके अलावा नियमों का उल्लंघन करने पर 50 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक का जुमार्ना और संस्थान का रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया जा सकता है. रजिस्ट्रेशन के लिए संस्थानों को 15 हजार रुपए शुल्क देना होगा. अगर किसी कोचिंग के कई ब्रांच हैं, तो हर ब्रांच का अलग रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा. इसकी वैधता तीन साल तक रहेगी. जिला स्तरीय जांच कमिटी की रिपोर्ट के बाद ही रजिस्ट्रेशन मिलेगा. छात्रों की सुविधा और मानसिक स्वास्थ्य पर जोर सरकार ने छात्रों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई अहम नियम बनाए हैं. हर छात्र के लिए कम से कम 2 वर्ग फीट जगह देना जरूरी होगा. शिक्षकों का ग्रेजुएट होना अनिवार्य रहेगा. एक बैच में कितने छात्र होंगे, इसकी जानकारी पहले देनी होगी और बीच में संख्या नहीं बढ़ाई जा सकेगी. कोचिंग संस्थानों को छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलर भी रखना होगा. साथ ही स्टडी मटेरियल और नोट्स के नाम पर अलग से फीस नहीं ली जा सकेगी. अगर कोई छात्र बीच में कोर्स छोड़ता है तो बची हुई फीस वापस करनी होगी. रिजल्ट का नहीं होगा प्रचार नए नियमों के अनुसार कोचिंग संस्थान छात्रों के रिजल्ट का सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे. सरकार का मानना है कि इससे छात्रों पर अनावश्यक दबाव कम होगा. राज्य और जिला स्तर पर बनेगी कमिटी इन नियमों की निगरानी के लिए राज्य और जिला स्तर पर कमिटी बनाई जाएगी. शिक्षा विभाग के अउर इसके अध्यक्ष होंगे. इसमें पुलिस, स्वास्थ्य, समाज कल्याण और कौशल विकास विभाग के अधिकारी भी शामिल रहेंगे. साथ ही छात्र, अभिभावक और कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी जगह दी जाएगी. सरकार ने इस ड्राफ्ट पर लोगों से सुझाव मांगे हैं. माना जा रहा है कि जल्द ही इसे कानून का रूप दिया जा सकता है.

पटना में कबाड़ी दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

पटना (एजेंसी) पटना के कंकड़बाग कॉलोनी मोड़ स्थित कबाड़ी गली में बुधवार देर रात एक कबाड़ी दुकान में भीषण आग लग गई. (नितिश की रिपोर्ट) पटना के कंकड़बाग कॉलोनी मोड़ स्थित कबाड़ी गली में बुधवार देर रात एक कबाड़ी दुकान में भीषण आग लग गई. आग लगने से दुकान में रखे लाखों रुपये के कबाड़ी सामान जलकर राख हो गए. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और देर रात तक लोगों की भीड़ जुटी रही. शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जानकारी के अनुसार यह दुकान कल्लू नामक व्यक्ति की बताई जा रही है. रात में दुकान बंद कर वह अपने घर चला गया था. इसी दौरान अचानक दुकान से धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं. प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है. दमकल की चार गाड़ियों ने पाया आग पर काबू घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को जानकारी दी. कुछ ही देर में दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं. करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. संकीर्ण गली बनी परेशानी का कारण दमकलकर्मियों को आग बुझाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. कबाड़ी गली काफी संकीर्ण होने के कारण दमकल की गाड़ियां दुकान तक नहीं पहुंच सकीं. ऐसे में सड़क से ही लंबी पाइप के सहारे पानी की बौछार कर आग बुझाने का प्रयास किया गया. इसी वजह से आग पर काबू पाने में अधिक समय लग गया. देर रात तक इलाके में बना रहा गहमागहमी का माहौल घटना के बाद आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए. देर रात तक इलाके में गहमागहमी और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पूरी रात स्थिति पर नजर बनाए रही.

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को कोर्ट से मिली राहत, इस मामले में सुनवाई के बाद जमानत

पटना (एजेंसी) नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आज एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए. कोविड से जुड़े मामले में सुनवाई के बाद उन्हें जमानत मिल गई है. जानकारी के मुताबिक, कोरोना के वक्त राघोपुर में भीड़ जुटाने का आरोप तेजस्वी यादव पर लगा था. इसी दौरान मामला दर्ज किया गया था. लेकिन अब उन्हें राहत मिल गई है. बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को एमपी-एमएलए कोर्ट की ओर से जमानत मिल गई है. आज (गुरुवार) तेजस्वी यादव एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए थे, जिसके बाद सुनवाई हुई और उन्हें जमानत दे दी गई. यह पूरा मामला कोरोना काल के दौरान नियम का उल्लंघन करने और भीड़ जुटाने से जुड़ा हुआ है. कोर्ट से जमानत मिलने पर क्या बोले तेजस्वी यादव? कोर्ट से जमानत मिलने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने कहा, कोविड से जुड़े एक मामले में हम लोग आज कोर्ट पहुंचे थे, जमानत मिल गई है. कोरोना काल के दौरान यह मुकदमा प्रशासन की ओर से किया गया था. लेकिन यह फर्जी मुकदमा करवाया गया था, ताकि जनप्रतिनिधि होकर आमजन की जो समस्याएं थी, वो हम ना रख पाएं. जानिए क्या है पूरा मामला जानकारी के मुताबिक, कोरोना काल के दौरान देशभर में कड़े प्रतिबंध थे. इसके साथ ही कई नियम बनाए गए थे. उसी दौरान तेजस्वी यादव के खिलाफ नियमों की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया. कहा गया कि उन्होंने वैशाली के राघोपुर में भीड़ इकट्ठा किया और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों को तोड़ा. इसी मामले में उन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. प्रशासन की तरफ से यह आरोप लगाया गया कि आपदा प्रबंधन अधिनियम की धाराओं का उल्लंघन किया. ऐसे में कोर्ट से उन्हें समन भी जारी किया गया था. अब आज मामले में सुनवाई हुई और तेजस्वी यादव को राहत देते हुए जमानत मिल गई है.

श्रीश्री रविशंकर ने पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का वास्तविक अर्थ समझाया : विस अध्यक्ष

पटना (एजेंसी) शहर के ऐतिहासिक प्रेमचंद रंगशाला में श्रीश्री रविशंकर जी के 70वें जन्मोत्सव और 'आर्ट ऑफ लिविंग' की 45 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के मौके पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया शहर के ऐतिहासिक प्रेमचंद रंगशाला में श्रीश्री रविशंकर जी के 70वें जन्मोत्सव और आर्ट ऑफ लिविंग की 45 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के मौके पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा व भाजपा नेता शिशिर कुमार मौजूद थे. इस अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी ने भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का वास्तविक अर्थ समझाया है. साथ ही उन्होंने पूरी दुनिया से ह्यतनाव मुक्त मन और हिंसा मुक्त समाजह्व बनाने का आह्वान किया. उन्होंने बताया कि आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. इस साल से आर्ट ऑफ लिविंग ने अनसुने नायकोंह्व को सम्मानित करने की शुरूआत की है, जिसकी सराहना की जा रही है. वहीं कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से बिना प्रचार के समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अति विशिष्ट काम करनेवाले नायकों को सम्मानित कर रहा है, जो काफी प्रशंसनीय है. मैं सम्मानित होने वाले सभी कर्मयोगियों को नमन करता हूं. आपकी तपस्या से ही हमारा समाज और बिहार प्रगति की राह पर अग्रसर है. इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के स्वयंसेवक समेत अन्य लोग मौजूद थे. आर्ट ऑफ लिविंग ने पूरे किये 45 वर्ष गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी महाराज का 70वां जन्मोत्सव मनाया गया. साथ ही समाज में शांति, सेवा और सौहार्द की अलख जगाने वाली संस्था आर्ट ऑफ लिविंग के 45 सफल वर्ष भी पूरे हुए हैं. रविशंकर ने आर्ट ऑफ लिविंग के माध्यम से समाज को मार्गदर्शन दिया और आनेवाली पीढ़ियों को मिलता रहेगा. पटना. शहर के ऐतिहासिक प्रेमचंद रंगशाला में श्रीश्री रविशंकर जी के 70वें जन्मोत्सव और ह्यआर्ट ऑफ लिविंग की 45 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के मौके पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा व भाजपा नेता शिशिर कुमार मौजूद थे. इस अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी ने भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का वास्तविक अर्थ समझाया है. साथ ही उन्होंने पूरी दुनिया से तनाव मुक्त मन और हिंसा मुक्त समाज बनाने का आह्वान किया. उन्होंने बताया कि आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है.

बिहार के 7 जिलों में तेज बारिश और ठनका का अलर्ट, 50-60 KMPH की रफ्तार से चलेगी हवा

पटना (एजेंसी) बिहार में मौसम का मिजाज बुधवार की रात अचानक बदल गया. पटना समेत कई जिलों में तेज हवाएं चलीं, जिसके बाद मौसम खुशनुमा हो गया. मौसम विभाग की ओर से राज्य के 7 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. बिहार में मौसम ने अचानक करवट ले लिया है. आज से फिर लोगों को तपती गर्मी से राहत मिलने वाली है. मौसम विभाग की ओर से आज राज्य के 7 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इनमें सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार शामिल है. इन जिलों में तेज बारिश के साथ ठनका गिरने और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना जताई है. बुधवार रात अचानक बदला मौसम बुधवार की रात पटना समेत कई जिलों में अचानक मौसम ने करवट लिया. भोजपुर, बक्सर, मुजफ्फरपुर, पटना, सारण, सिवान और वैशाली में देर रात तेज हवाएं चलीं, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया. गयाजी की बात करें तो, यहां अचानक बादल गरजने लगे. हवा चलने के साथ हल्की बारिश भी हुई. इस तरह से आगे कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है. बिहार में बिगड़े मौसम की वजह मौसम वैज्ञानिकों की माने तो, बिहार में इन दिनों प्री-मॉनसून जैसी स्थिति बनी हुई है. बंगाली की खाड़ी से आ रही नमी वाली हवाओं के साथ स्थानीय स्तर पर विकसित हो रहे मौसमी सिस्टम की वजह से बारिश की स्थिति बनी हुई है. जानकारी के मुताबिक, सीमांचल और उत्तर-पूर्वी बिहार की भौगोलिक स्थिति के कारण प्री-मॉनसून का सिस्टम ज्यादा मजबूत बना हुआ है. बिहार में आगे कैसा रहेगा मौसम? मौसम विभाग की माने तो, आगे एक से दो दिनों तक मौसम इसी तरह बना रहेगा. इसके बाद लोगों को एक बार फिर उमस वाली गर्मी झेलनी पड़ेगी. खासकर दक्षिण और पश्चिम बिहार में लोगों को गर्मी पसीने छुड़ा देगी. जबकि सीमांचल इलाके के जिलों में मिला-जुला कर बारिश का खतरा बना रह सकता है. बिहार में लगातार मौसम में उतार-चढ़ाव की वजह से लोगों से सावधान रहने की अपील की जा रही है. खासकर किसानों से बिगड़े मौसम में घर में ही रहने की अपील की जा रही है.

पटना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हेरोइन और विदेशी शराब के साथ कई तस्कर गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) राजधानी पटना में अपराध नियंत्रण और नशा मुक्ति अभियान के तहत पटना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. राजधानी पटना में अपराध नियंत्रण और नशा मुक्ति अभियान के तहत पटना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक ब्यूरो, बिहार से मिली गुप्त सूचना के आधार पर चौक थाना पुलिस ने हरमंदिर गली और आसपास के इलाकों में छापेमारी कर भारी मात्रा में हेरोइन और अवैध विदेशी शराब बरामद की है. इस कार्रवाई में महिलाओं समेत कई तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. हरमंदिर गली से 60 ग्राम हेरोइन बरामद पुलिस को सूचना मिली थी कि हरमंदिर गली क्षेत्र में एक महिला और एक पुरुष नशीले पदार्थ की खेप लेकर जा रहे हैं. सूचना मिलते ही चौक थाना पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी की और रेणु देवी (45 वर्ष) तथा विकास कुमार (25 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया. तलाशी के दौरान रेणु देवी के पास से 36 ग्राम हेरोइन, एक वीवो मोबाइल और 1100 रुपये नकद बरामद किए गए. वहीं विकास कुमार के पास से 24 ग्राम हेरोइन, एक इनफिनिक्स मोबाइल और 1200 रुपये नकद मिले. इस मामले में सअनि लक्ष्मण कुमार के आवेदन पर चौक थाना कांड संख्या 254/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है. धवलपुरा में विदेशी शराब की बड़ी खेप जब्त शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत धवलपुरा टीओपी के पास भी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बेबी देवी और पूनम देवी को गिरफ्तार किया. इनके पास से रॉयल स्टैग व्हिस्की की 14 बोतलें और स्मिरनॉफ वोडका की 11 बोतलें बरामद की गईं. पुलिस के अनुसार जब्त शराब की कुल मात्रा 21 लीटर से अधिक है. वाहन चेकिंग में भी मिली सफलता धवलपुरा टीओपी के पास वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने कैलाश राय नामक व्यक्ति को 15 बोतल विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया. वहीं मोर्चा रोड मुसहरी इलाके में गुप्त सूचना पर की गई छापेमारी में 46 लीटर देशी महुआ शराब भी जब्त की गई. पुलिस प्रशासन का कहना है कि शहर में नशा तस्करी और अवैध शराब कारोबार पर लगाम लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा. पुलिस टीम की तत्परता से मिली सफलता इस पूरी कार्रवाई में चौक थाना की पुलिस टीम की अहम भूमिका रही. टीम में पुअनि सोनी कुमारी, सअनि लक्ष्मण कुमार, महिला सिपाही बेबी कुमारी और बीएचजी उपेंद्र कुमार शामिल थे. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और नशीले पदार्थों के मुख्य सप्लायर तक पहुंचा जा सके

बिहार में 120 दिनों से अटके म्यूटेशन 15 दिनों के अंदर होंगे पूरे, जमीन की पहचान के लिए अकका होगा यूज

पटना (एजेंसी) बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने दाखिल-खारिज को लेकर आदेश जारी किया है. डॉ. दिलीप जायसवाल के मुताबिक, 120 दिनों या फिर इससे ज्यादा दिनों से अटके दाखिल-खारिज अगले 15 दिनों के भीतर पूरे किए जायेंगे. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राज्यभर में लंबित दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) मामलों के जल्द समाधान को लेकर सभी जिलाधिकारियों को कड़ा निर्देश जारी किया है. विभाग की ओर से यह आदेश मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देश पर दिया गया है. विभाग के सचिव जय सिंह ने इस संबंध में सभी कलेक्टर्स को लेटर भेजकर 120 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों का अगले 15 दिनों के अंदर हर हाल में समाधान करने को कहा है. साथ ही विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में किसी भी परिस्थिति में दाखिल-खारिज का कोई मामला निर्धारित 75 दिनों की समय-सीमा से अधिक लंबित नहीं रहना चाहिए. राज्य सरकार ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है. अविवादित मामलों के समाधान की सीमा 35 दिन विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि आम लोगों की सुविधा के लिए दाखिल-खारिज मामलों के समाधान की समय सीमा पहले से निर्धारित है. नियमों के अनुसार, अविवादित मामलों के निष्पादन की सीमा 35 दिन और विवादित मामलों के लिए 75 दिन तय है. इसके बावजूद विभागीय समीक्षा में यह पाया गया कि राज्य के विभिन्न अंचलों में अनेक मामले 75 दिनों और 120 दिनों से भी अधिक समय से लंबित पड़े हैं. विभाग की लापरवाही आई सामने जानकारी के मुताबिक, विभाग ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए स्पष्ट किया है कि काम के प्रति किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी. पत्र के साथ अंचलवार 120 दिनों से अधिक लंबित मामलों की लिस्ट भी जिलों को भेजी गई है, ताकि संबंधित अंचलों में जवाबदेही तय की जा सके. सचिव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिया है कि वे अपने जिले के सभी अंचलाधिकारियों को तत्काल निर्देश जारी कर लंबित मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर कराएं. साथ ही जिला स्तर पर नियमित समीक्षा और निगरानी सुनिश्चित करने को भी कहा गया है. जमीन की पहचान के लिए अक का इस्तेमाल बिहार में सरकारी जमीन की पहचान और निगरानी के लिए एआई का इस्तेमाल किया जाएगा. विभाग में एआई के इस्तेमाल को लेकर बताया गया कि इससे सरकारी जमीन की सही पहचान, अतिक्रमण की निगरानी और रिकॉर्ड प्रबंधन में भी पारदर्शिता आएगी.

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष – चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष – इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन – का की कू घ ङ छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क – ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह – मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या – टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला – रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक – तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु – ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर – भे जा जी खी खू खे खो गा गी

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ – गू गे गो सा सी सू से सो दा

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन – दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3889

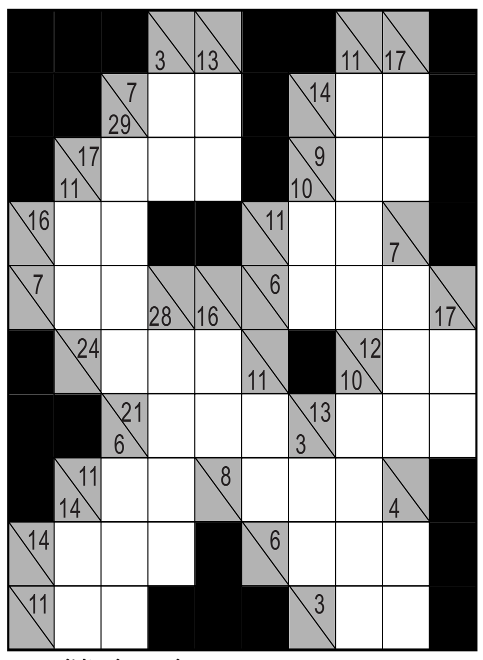

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 / 23 → 1 2 3 4 6 ; ↓ 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3888 का हल

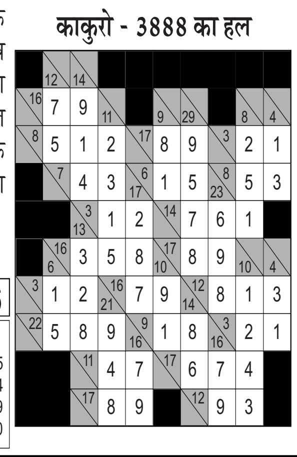

लॉफिंग जौन

रमन (नरेश से)– तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)– दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)– मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन– क्या वह मर गई?

रमन– नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन– अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

रमन (मित्र से)– 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन– 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन– 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

फिल्म वर्ग पहेली- 3889

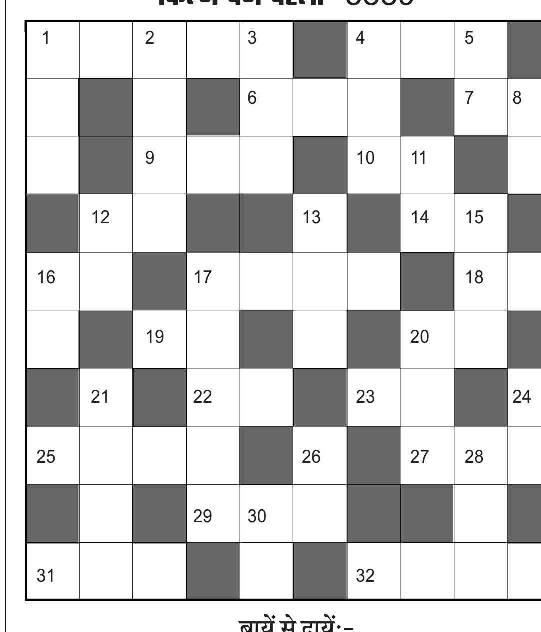

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3888

सूडोकु - 3889

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3888 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 3889

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -3888 का हल

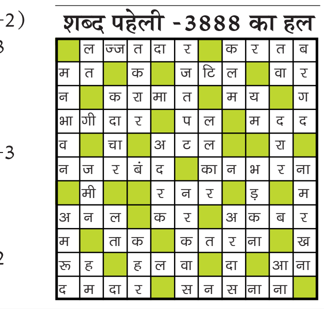

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है। (TOP Legal Cell)

आँखों को बनाएँ स्वस्थ व सुंदर

है। यह एक प्राकृतिक ब्लीच है। साथ ही त्वचा के लिए श्रेष्ठ पोषक भी है।

- किसी भी क्रीम को आँखों के आसपास की त्वचा पर ज्यादा समय के लिए रहने देना आँखो के लिए हानिकारक है। यदि आप फेस मास्क लगा रही हैं तो आँखों के आस-पास की जगह पर मत लागाइए।
- वही फेस मास्क आँखों के गोल घेरो पर लगा सकती है जो विशेष रूप से इसके लिए बना हो जैसे लिक्विड सीबीड मास्क।
- मास्क की पतली फिल्म पूरे चहरे पर लगाई जा सकती है, इसे पानी से साफ करना भी आसान है।
- यह एक अच्छा माइश्चराइजर है साथ ही यह त्वचा को नवजीवन देता है। ककड़ी का रस प्राकृतिक ब्लीच है, इसका प्रयोग भी आँखों के गहरे घेरो को कम करने में सहायक है।

बालों की उम्र बढ़ाइएँ

आज धूल-धूप, प्रदूषण व बदलती लाइफ स्टाइल के कारण हमारे बालों का हाल बेहाल है। गर्मी के मौसम में हम अपने चेहरे की सुरक्षा तो कर लेते हैं परंतु अपने बालों की अनदेखी भी कर देते हैं।

इसी अनदेखी के कारण हमारे बाल झड़ने लगते हैं और असमय सफेद होते हैं। हम आपको बताते हैं बालों की देखभाल के कुछ आसान उपाय –

- लगातार तनाव लेने व नींद पूरी नहीं होने के कारण भी हमारे बाल झड़ने लगते हैं इसलिए तनाव को बाय-बाय कहें व भरपूर नींद लें।
- बाजार में मिलने वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ हमारे स्वास्थ्य व सौंदर्य दोनों के लिए हानिकारक होते हैं। अत: जहाँ तक संभव हो सके इनसे परहेज करें।
- आँवला हमारी आँखों व बालों दोनों के लिए फायदेमंद होता है। यदि आप रात में आँवला, शिकाकाई व रीठा पावडर को पानी में घोलकर सुबह इस पानी से अपने बालों को धोएँगे तो इससे आपके बाल घने व काले होंगे।
- मेथीदाने को पीसकर दही में मिलाकर बालों में लगाने से बाल चमकदार व काले बनते हैं।
- गीले बालों को तौलिए से झटक-झटककर बालों को पोंछने से बाल दो मुँहे व कमजोर होकर टूटते हैं।
- बालों को पहले चौड़ी कंघी से सुलझाएँ फिर बारीक कंघी से सुलझाएँ।

त्वचा को धूप से बचाएँ

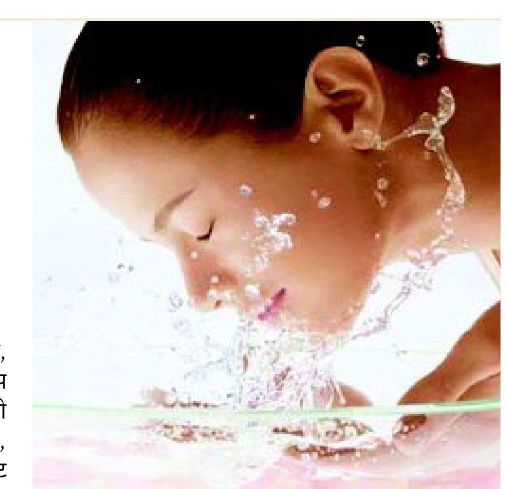

पुराने समय में धूप का सेवन अच्छा माना जाता था, परंतु आधुनिक विज्ञान ने साबित किया है कि अत्यधिक धूप का सेवन त्वचा के लिए हानिकारक होता है। सूरज की रोशनी में दो प्रकार की अल्ट्रावाइलेट तरंगें होती हैं, अल्ट्रावाइलेट 'अ' और अल्ट्रावाइलेट 'ब'। अल्ट्रावाइलेट 'अ' तरंगें जो त्वचा पर झुर्रियाँ व साँवलेपन के लिए जिम्मेदार होती हैं।

अल्ट्रावाइलेट 'ब' तरंगें जिससे सनबर्न होता है व किसी किसी में सन एलर्जी भी उत्पन्न होती है। इसमें त्वचा में काले रंग की कणिकाएँ अधिक मात्रा में बन जाती हैं, जिससे त्वचा में साँवलापन आ जाता है।

सनबर्न :

सनबर्न के सामान्य लक्षण हैं। त्वचा में लालिमा होना, जो 24 घंटों में बढ़ती है, इसके अतिरिक्त त्वचा में दर्द, सूजन व फफोले उत्पन्न होते हैं। अगर ज्वर भ्रम आदि लक्षण प्रकट हों तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें। सनबर्न होने पर ठंडे पानी की पट्टियाँ आदि रखना चाहिए और त्वचा रोग विशेषज्ञ का परामर्श लेना चाहिए।

कुछ लोगों को धूप से अति संवेदनशीलता होती है तथा धूप में थोड़ी देर रहने से उनके शरीर पर लाल चकते, छाले बन जाते हैं जिसमें जलन, खुजली आदि होती हैं। एलर्जी कुछ दवाइयों के खाने के पश्चात जैसे- गर्भनिरोधक गोलियाँ एंटीबायोटिक, रक्तचाप, जोड़ों का दर्द, अवसाद आदि खाकर धूप में जाने से भी उत्पन्न होती है।

सूर्य की किरणों से बचाव :

- सूर्य का ताप सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक अधिक होता है। इसलिए इस समय घर में रहें।
- घर से बाहर निकलते समय पूरी बाँहों वाले कमीज गोल घेरे वाला हेट पहनें और आँखों पर काला चश्मा लगाएँ व चेहरे को स्कार्फ, रूमाल आदि से बाँधकर बाहर निकले
- सूरज की किरणे पानी, सफेद बर्फ व रेत से परावर्तित होकर अधिक नुकसान पहुँचाती है। इसलिए इन जगह पर त्वचा का विशेष ध्यान रखें व लोशन, सनक्रीम आदि के प्रयोग से त्वचा को धूप से बचाया जा सकता है।
- सूर्य की किरणे बादल होने पर भी जमीन की सतह पर पहुँच जाती है। इस समय भी सनक्रीम का प्रयोग करना चाहिए।
- सूर्य की किरणों में विटामिन डी होता है, लेकिन केवल इसी को आधार बनाकार विटामिन डी युक्त पदार्थों का सेवन बंद ना करें।

सफल माँ की सफल संतान

बच्चे अपनी माँ को देखकर ही बड़े होते हैं तथा माँ ही उनकी प्रथम पाठशाला होती है। माँ की विशेष जिम्मेदारी होती है कि वह बच्चों को एक पौधे की तरह सींच कर बड़ा करे और उसे घना छायादार वृक्ष बनाए।

माँ की सफलता अपने आप ही बच्चों को बहुत कुछ सिखा देती है साथ ही उसका साहस, विश्वास तथा प्यार बच्चों को आगे बढ़ने में बहुत मदद देता है। यदि माँ एक सफल नौकरीपेशा है तो बच्चों को भी प्रेरणा मिलती है कि वे भी अपनी माँ की तरह घरेलू जिंदगी में अच्छा तालमेल बनाएँ जैसा उनकी माँ बना रही है।

- अगर माँ किसी व्यवसाय में बहुत सफल है तो बच्चे उसी व्यवसाय को अपनाकर माँ को ही अपना गुरू बना सकते हैं या किसी दूसरे व्यवसाय में माँ की मदद ले सकते हैं।
- माँ के कठिन परिश्रम, समयबद्धता तथा विनम्रता के गुणों को देखकर बच्चों पर एक अलग ही प्रभाव पड़ता है। साथ ही माँ अपने अनुभवों से यह भी जान जाती है कि किस प्रकार की शिक्षा उसके बच्चे के लिए ठीक रहेगी।
- सफल माँ अपने बच्चों के साथ दोस्ताना भी रहती हैं और उनके बच्चे जीवन के प्रति व्यवहारिक दृष्टिकोण से काम लेते हैं। जीवन के हर क्षेत्र में वे स्वावलंबन को महत्व देते हैं।
- साथ ही माँ यदि बच्चों को अपने से भी ज्यादा सफल देखना चाहती है, जो कि हर माँ चाहेगी ही, तो उसे भी बच्चों के रंग में ढलना पड़ेगा, बच्चे क्या चाहते हैं यह देखना पड़ेगा। बच्चों को प्यार और अपनापन देने के साथ वह उन्हें अच्छे-बुरे की परख कराएँ और भविष्य सँवारने में पूर्ण योगदान दे।

घर की सजावट ऐसे करें

अक्सर आपने घर की सजावट कैसे करें? कहाँ क्या रखें? इस बारे में हमेशा पढ़ा, सुना होगा, लेकिन सजावट करते वक्त क्या न करें इसके बारे में शायद आपको किसी ने नहीं बताया होगा। जबकि यह भी इतना ही महत्वपूर्ण है कि घर में ऐसा क्या नहीं किया जाए जो इसकी खूबसूरती को कम न कर दें। यहाँ दिए गए कुछ ऐसे ही न करने वाल सुझाव पढ़िए और अपने घर को सुंदर बनाइए।

- बिना सोचे समझे घर सजाने के लिए एक कदम भी मत उठाइए। सबसे पहले सोचने पर वक्त खर्च कीजिए कि आप ज्यादा से ज्यादा जगह कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। आप घर का वातावरण कैसा बनाना चाहते हैं, कैसी रोशनी चाहते हैं आदि।
- अपनी सभी इच्छाओं को एक ही कमरे में पूरा करने की भूल मत करिए।
- किसी पत्रिका में छपी सुंदर साज सज्जा को देख कर बिलकुल वैसी करने के बजाए उसे अपने हिसाब से बदल दें।
- ज्यादा छोटे सामान इकट्ठा मत करिए। बहुत ज्यादा छोटे सामान से कमरा बहुत भरा-भरा लगता है।
- पेंटिंग को बहुत ऊँचाई पर मत लगाइए। इसे लगाने के पहले दीवार के सामने बैठ कर देख लीजिए। इसके बाद एक निश्चित ऊँचाई पर इसे लगाइए।
- किसी भी सामान की साइज को लेकर कनफ्यूज होने के बजाए एक छोटा सा नक्शा तैयार कर लीजिए, ताकि बाद में दिक्कत न हो।
- पीली टाईल लगवाने के बजाए ग्रे या सफेद टाइल लगवाएँ
- खिड़कियों पर गहरे रंग के परदे डालने से आप बाहर का सुंदर नजारा देखने से वंचित रह सकते हैं।
- आखिर में एक नेक सलाह सुनों सबकी करो मन की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

नगर निगम में अब हर शनिवार नो फ्यूल डे, नहीं किया जाएगा निजी वाहनों का उपयोग

वाराणसी (एजेंसी) पीएम द्वारा देशवासियों से ईंधन बचत को लेकर की गई अपील के बाद वाराणसी नगर निगम में हर शनिवार ह्यनो फ्यूल डेह्न के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। निगम ने ईंधन बचत में अपनी जिम्मेदारी समझते हुए यह कदम उठाया है। मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर निगम के पार्षदों ने निर्णय लिया है कि अब नगर निगम के जनप्रतिनिधि सप्ताह में एक दिन यानी हर शनिवार को पेट्रोल या डीजल से चलने वाले निजी वाहनों का उपयोग नहीं करेंगे। अर्थात शनिवार को नो फ्यूल डे के रूप में मनाया जाएगा। नगर निगम मुख्यालय स्थित महापौर कक्ष में बुधवार को पार्षदों के साथ हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में यह सर्वसम्मत निर्णय लिया गया। इस दौरान तय हुआ कि हर शनिवार को सभी पार्षद अपने घर से निगम कार्यालय तक आने के लिए पैदल, साइकिल, पब्लिक ट्रांसपोर्ट या इलेक्ट्रिक वाहनों का ही उपयोग करेंगे। बैठक के दौरान मेयर ने स्वयं उदाहरण पेश करते हुए घोषणा की कि जब तक तेल का संकट बना हुआ है, तब तक वह अपने घर से नगर निगम कार्यालय तक का सफर पैदल ही तय करेंगे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। इसी क्रम में निगम ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए यह कदम उठाया है। हालांकि, कूड़ा गाड़ियों और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को इससे मुक्त रखा गया है, क्योंकि निगम आवश्यक सेवा के दायरे में आता है। महापौर ने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपील की है कि वे राष्ट्रहित में सप्ताह में कम से कम एक दिन पेट्रोल-डीजल वाहनों का उपयोग न करें।

बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी को उम्रकैद, तीन साल बाद आया फैसला; जानें- पूरा मामला

वाराणसी (एजेंसी) जिले के कैंट थाना क्षेत्र की घटना है। तीन वर्ष पूर्व कैंट थाने में पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुरूआत में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में छानबीन करने पर दुष्कर्म के बाद हत्या की बात सामने आई थी। मामले में तीन साल बाद फैसला आया है। वाराणसी कैंट थाना क्षेत्र में करीब 12 वर्षीय बालिका के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के जघन्य मामले में विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) नितिन पांडेय की अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने फुलवरिया (कैंट) निवासी अभियुक्त सनोज उर्फ राहुल को दोषी पाते हुए 62 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक संतोष कुमार सिंह ने घटना से जुड़े पुख्ता साक्ष्य और गवाहों के बयान पेश किए। अभियोजन के अनुसार, पीड़िता के पिता ने कैंट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी लगभग 12 वर्षीय पुत्री 1 मार्च 2023 की सुबह करीब 10 बजे घर के बाहर खेलने निकली थी। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने शुरूआत में अज्ञात के खिलाफ अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की कई टीमों ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने फुलवरिया निवासी सनोज उर्फ राहुल को हिरासत में लिया। पूछताछ और साक्ष्यों से स्पष्ट हुआ कि अभियुक्त ने बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसके बाद, पकड़े जाने के डर से उसने गला दबाकर बच्ची की हत्या कर दी। पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्य और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान कुल 11 गवाहों को परीक्षित कराया गया।

डंपर चालकों ने कंपनी कर्मियों पर लगाया मारपीट का आरोप, काम बंद कर हड़ताल पर बैठे

कानपुर (एजेंसी) महाराजपुर में रिंग रोड निर्माण में लगे डंपर चालकों ने कंपनी कर्मियों पर मारपीट का आरोप लगाकर बुधवार शाम से काम ठप कर दिया है। पुलिस कानपुर में उन्नाव से चकेरी आ रही रिंग रोड में लगे डंपर चालकों ने मारपीट का आरोप लगाते हुए बुधवार शाम से काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी है। आरोप है कि कंपनी में ही कार्यरत कर्मचारियों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की है और विरोध पर बाहरी लोगों को बुलाकर जान से मारने का प्रयास किया है। मूलरूप से सोनभद्र के ग्राम व पोस्ट कोटा के रहने वाले शिवकुमार और फतेहपुर भरसवा के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि एचसीसी कंपनी कानपुर चकेरी में रिंग रोड बना रही है। इसका प्लांट महाराजपुर के रूमा स्थित सलेमपुर के पास बनाया गया है। गाली गलौज के साथ मारपीट भी की चालकों का आरोप है कि बुधवार शाम कंपनी के ही निरंजन, राजू व राममूरत द्वारा गाली गलौज की गई। इसका विरोध करने पर बुरी तरह से हम लोगों के साथ मारपीट की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत करा दिया, लेकिन पुलिस के जाने के बाद आरोपियों ने फिर से मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित शिव कुमार ने बताया कि वह दूसरे जिले का रहने वाला है। ऐसे में इन आरोपियों द्वारा कोई भी घटना की जा सकती है। इसलिए वह काम नहीं करना चाहते, लेकिन कंपनी द्वारा उसका हिसाब भी नहीं किया जा रहा है। मामले में महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि मिली तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सराफा में ब्रेकडाउन जैसा हाल, आयात शुल्क बढ़ने से सोना-चांदी महंगे, 54 करोड़ का कारोबार अब चार करोड़

मेरठ (एजेंसी) सरका र द्वारा सोना-चांदी पर आयात शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत किए जाने के बाद मेरठ के सराफ बाजार में मंदी छा गई है। रोजाना 54 करोड़ रुपये का कारोबार घटकर चार करोड़ पर पहुंच गया है और करीब 20 हजार कारीगरों की आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। सरकार ने सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं पर आयात शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इससे सोना मंडी सर्वाधिक प्रभावित हुई है। 54 करोड़ के प्रतिदिन का कारोबार दो दिन में ही चार करोड़ पर सिमट गया है। बाजार में सोने की कीमत बढ़ने के कारण पुराने आभूषण भी नहीं आ रहे हैं। बीटूबी यानी बायर टू बायर और बीटूसी यानी बायर से खरीदार सभी वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं। इस बीच कम कैरेट वाले आभूषण और गोटा चांदी का कारोबार रफ्तार पकड़ रहा है। सोना मंडी में बुधवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 1 .58 लाख, 100 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2 .77 लाख रुपये प्रति किलो रही। मंगलवार को सोने की कीमत बढ़कर 1 .52 लााख, 100 रुपये और चांदी की कीमत 2 .62 लाख, 500 रुपये प्रति किलो पहुंची थी। आयात शुल्क लागत बढ़ने से घरेलू बाजार में सोने की खुदरा कीमतों पर सीधा असर पड़ा है। इससे पूर्व सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में घरेलू रत्न एवं आभूषण उद्योग को बढ़ावा देने, अवैध तस्करी पर रोक लगाने और स्थानीय बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से सोने पर आयात शुल्क घटाकर छह प्रतिशत किया था।

यूपी में कुदरत का कहर: 89 मौतें, सीएम योगी का युद्धस्तर पर राहत और मुआवजे का आदेश

लखनऊ (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस आपदा को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाने और पीड़ितों को तत्काल आर्थिक मदद पहुँचाने का आदेश दिया है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार, 13 मई को तूफान, बारिश, ओलावृष्टि और बिजली गिरने जैसी खराब मौसम की स्थितियों के कारण पूरे राज्य में 89 लोगों की मौत हुई। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से जारी कुदरत के कहर ने भारी तबाही मचाई है। धूल भरी आंधी, ओलावृष्टि और बिजली गिरने की घटनाओं में अब तक 89 लोगों की जान जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस आपदा को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाने और पीड़ितों को तत्काल आर्थिक मदद पहुँचाने का आदेश दिया है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार, 13 मई को तूफान, बारिश, ओलावृष्टि और बिजली गिरने जैसी खराब मौसम की स्थितियों के कारण पूरे राज्य में 89 लोगों की मौत हुई, 53 लोग घायल हुए, 114 मवेशियों की जान गई और 87 घरों को नुकसान पहुँचा। प्रयागराज, भदोही, कानपुर देहात और फतेहपुर जैसे ज़िलों से बड़े पैमाने पर नुकसान की खबरें मिलीं। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को तत्काल तेज करें। उट योगी आदित्यनाथ ने साफ शब्दों में कहा कि पीड़ितों के प्रति किसी भी हाल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी ज़िलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तूफान और भारी बारिश से प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे तत्काल जान-माल और संपत्ति के नुकसान का आकलन करें, और यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित परिवारों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा वितरित कर दिया जाए। उट योगी द्वारा जारी निदेर्शों के बाद, राहत आयुक्त कार्यालय सभी ज़िलों में स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। इस बीच, प्रशासनिक अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, वरिष्ठ अधिकारियों से कहा गया है कि वे चल रहे बचाव कार्यों की देखरेख के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रभावित स्थलों का दौरा करें। योगी सरकार ने प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। अधिकारियों को सख़्त निर्देश दिए गए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पीड़ित परिवार तक राहत पहुँचाने में कोई देरी न हो। इसके अलावा, बिजली गिरने और तेज तूफान के कारण कई क्षेत्रों में घरों, फसलों और पेड़ों को नुकसान पहुँचा है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, और जनता से सुरक्षित स्थानों पर रहने का आग्रह किया गया है। सरकार का कहना है कि बचाव और पुनर्वास कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रभावित लोगों तक हर संभव सहायता जल्द से जल्द पहुँच सके।

नाबालिग छात्रा को दिया जहर, प्रेमी सहित तीन पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

अलीगढ़ (एजेंसी) प्राथमिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मामले की तह तक जाने के लिए मोबाइल कॉल डिटेल्स और मेसेज खंगाले जा रहे हैं। अलीगढ़ के लोधा थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार को नाबालिग छात्रा (17) को धोखे से जहरीला पदार्थ खिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मृतका के कथित प्रेमी और उसके दो साथियों के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुख्य आरोपी भी नाबालिग बताया जा रहा है। इस संबंध में छात्रा के पिता ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि छात्रा के फोन पर मुख्य आरोपी का मेसेज आया था कि वह अपने साथियों के साथ अलीगढ़ आया हुआ है और कुछ जरूरी बात करना चाहता है। इसके बाद वह अपने दो साथियों के साथ घर पहुंचे। उस वक्त छात्रा घर पर अकेली थी। आरोपियों ने उसे एक पुड़िया देते हुए कहा कि यह उसके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद दवा है और इसे तुरंत खा ले। कुछ देर बाद आरोपियों ने दोबारा फोन किया और पूछा कि क्या उसे नींद आ रही है ताकि वे सुनिश्चित कर सकें कि जहर ने असर करना शुरू कर दिया है। शाम को जब छात्रा का भाई घर पहुंचा तो उसने छात्रा की हालत बिगड़ती देखी। उसके मुंह से झाग निकल रहे थे। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल और फिर एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका। छात्रा के कमरे से पुलिस को एल्यूमिनियम फॉस्फाइड की पुड़िया बरामद हुई है। बुधवार को पोस्टमार्टम हाउस पर परिजनों ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी और एफआईआर दर्ज होने तक शव उठाने से इनकार कर दिया। पुलिस के उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप और एफआईआर दर्ज होने के बाद मामला शांत हुआ। शाम को पुलिस सुरक्षा के बीच छात्रा का अंतिम संस्कार किया गया। थाना प्रभारी हेमंत मावी ने बताया कि प्राथमिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मामले की तह तक जाने के लिए मोबाइल कॉल डिटेल्स और मेसेज खंगाले जा रहे हैं। सीओ गभाना महेश चंद्र ने बताया कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की कई टीमें दबिश दे रही हैं।यह आत्महत्या के लिए

सोने-चांदी के दाम में अचानक उछाल, मुरादाबाद के स्टोरों में छाई वीरानी, सहालग सीजन में भी कारोबार ठंडा

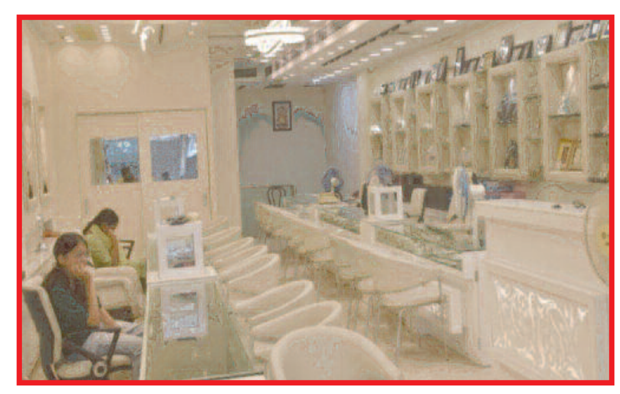

मुरादाबाद (एजेंसी) सोने और चांदी के दाम में अचानक उछाल आने से कारोबारी ठंडा पड़ गया है। मुरादाबाद के कई स्टोरों में ग्राहक नहीं दिख रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि शादी का सीजन होने के बाद भी कोई खरीदार नहीं आ रहा है। शादियों के सीजन (सहालग) के बीच सोने-चांदी की कीमतों में आए उछाल ने बाजार की रौनक छीन ली। बुधवार को गंज बाजार व मंडी चौक स्थित सराफा बाजार में गिने-चुने ग्राहक सोने व चांदी की खरीदारी करते दिखाई दिए। दो दिनों में सोने की कीमतों में सात हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी के दाम में 20 हजार रुपये प्रतिकिलो की भारी बढ़ोतरी हुई है। सराफा कारोबारियों का कहना है कि एकाएक सोने व चांदी पर बढ़ाई गई इंपोर्ट ड्यूटी से गहनों की बिक्री पर असर देखने को मिला है। उनका कहना है कि लोग हल्के गहनों (लाइट वेट ज्वैलरी) खरीदना पसंद कर रहे थे। अब मौजूदा कीमतों पर हल्के गहने बनवाना भी काफी मुश्किल हो जाएगा। केंद्र सरकार ने सोने व चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। ड्यूटी बढ़ने से विदेशों में सोना व चांदी महंगा हो गया। इसका सीधा बोझ अब ग्राहकों पर पड़ेगा। गंज बाजार स्थित सराफा कारोबारियों के दुकानों पर सहालग में पैर रखने की जगह नहीं होती थी लेकिन अब वहां केवल दुकानदार और काम करने वाले कर्मचारी नजर आए। सराफा कारोबारियों का कहना है कि सोने व चांदी की कीमतों में इतनी बड़ी वृद्धि की उम्मीद नहीं थी। शादियों में गहने खरीदने के लिए लोग पहले से बजट तय कर रखते हैं। लेकिन दो दिनों के अंदर में सोने व चांदी के दाम बढ़ने से अब गहने खरीदना काफी मुश्किल हो जाएगा। सराफा कारोबारी बताते हैं कि पहले से ही सोने व चांदी के दाम बढ़े हुए हैं। इसकी वजह से हल्के गहने बनाए जा रहे थे लेकिन अब सोने व चांदी कीमतें और बढ़ गई हैं। इससे ग्राहकों के लिए हल्के गहने बनाना काफी मुश्किल हो जाएगा। उनका कहना है कि अगर सोने व चांदी की कीमतें जल्द ही स्थिर नहीं हुई तो इस सीजन में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दुकान पर सुबह से खाली बैठा हूं। एक भी ग्राहक नहीं आया। आयात शुल्क में बढ़ोतरी से सोन व चांदी की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। इसके लगता है कि आने वाले दिनों में ग्राहक बिल्कुल ही नहीं आएंगे। -नीरज अग्रवाल, अध्यक्ष, श्री सराफा कमेटी ग्राहकों के बजट के हिसाब से बाजार में हल्के गहने बना दिए गए हैं। अब सोने व चांदी की बढ़ी कीमतों ने बिक्री की चिंता और बढ़ा दी है। बाजार में ग्राहक नहीं है। मेरे पास आज एक भी ग्राहक नहीं आया।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर मौत का तांडव, ट्रक में जा घुसी स्कार्पियो, एक ही परिवार के चार की मौत

बुंदेलखंड (एजेंसी) एक्सप्रेसवे पर एक स्कार्पियो गाड़ी सिलिंडर लदे ट्रक से भिड़ गई। हादसे में आजमगढ़ निवासी एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवती को कानपुर रेफर किया गया है। बांदा जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें एक स्कॉर्पियो गैस सिलिंडर लदे ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में स्कॉर्पियो के चालक सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक 20 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवती को कानपुर रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक और घायल आजमगढ़ के रामगढ़ के रहने वाले एक ही परिवार के सदस्य हैं, जो कबरई जा रहे थे। डीएम अमित आसेरी ने दिए निर्देश बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक सड़क हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी अमित आसेरी ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कोतवाली देहात क्षेत्र के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक स्कार्पियो और ट्रक की भिड़ंत हुई है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। एक युवती गंभीर रूप से घायल प्रशासन द्वारा शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना में एक युवती गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है। प्रशासन पीड़ित परिवार के संपर्क में है और नियमानुसार हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। नींद की झपकी बनी चार मौतों का कारण बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे हादसे को लेकर एसपी पलाश बंसल ने बताया कि आज थाना कोतवाली देहात को सूचना मिली कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक डीसीएम और स्कार्पियो के बीच भिड़ंत हो गई है। पुलिस, फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। गाड़ी पीछे से डीसीएम में जा घुसी स्कार्पियो में एक पुरुष और चार महिलाएं सवार थीं। मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण स्कार्पियो चालक को नींद की झपकी आना प्रतीत हो रहा है, जिससे

अस्पताल बना मंडप, आईसीयू में भरी मांग, फेरों से पहले निभा दिया वचन; इसलिए दुल्हन को कराना पड़ा था भर्ती

गोरखपुर (एजेंसी) गोरखपुर में शादी के दिन सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर दुल्हन को आईसीयू में भर्ती कराया गया। दुल्हन के दरवाजे पर द्वारपूजा और अन्य रस्में पूरी करने के बाद दूल्हा अस्पताल पहुंचा सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन दिया। दूल्हे ने आईसीयू में युवती की मांग भरी। बदकिस्मती भरे एक हादसे से मद्धम पड़ती खुशियों की रौनक को दो परिवारों की आपसी समझ और जज्बातों ने नई रंगत दे दी। शादी के दिन हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईसीयू में पड़ी दुल्हन की मांग भावनाओं के सिंदूर से सजाकर दूल्हे ने एक नई मिसाल पेश की। बांसगांव के हटवार गांव की रहने वाली पूजा यादव का रिश्ता परिवार के लोगों ने महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से तय किया था। नवंबर 2025 में यह रिश्ता तय होने के बाद 13 मई को शादी के लिए पूजा के घर बरात आनी थी। घर में मंगल गीत गूंज रहे थे। नई जिंदगी के सपने संजोए पूजा एलएलबी अंतिम सेमेस्टर की अपनी परीक्षा देने भाई के साथ खलीलाबाद स्थित कॉलेज के लिए निकली तो परिवार की महिलाओं ने हंसी-ठिठोली करते हुए बलाएं उतारी थीं। बदकिस्मती भरे एक हादसे से मद्धम पड़ती खुशियों की रौनक को दो परिवारों की आपसी समझ और जज्बातों ने नई रंगत दे दी। शादी के दिन हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईसीयू में पड़ी दुल्हन की मांग भावनाओं के सिंदूर से सजाकर दूल्हे ने एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को दुल्हन के दरवाजे पर द्वारपूजा और अन्य रस्में पूरी करने के बाद दूल्हा अस्पताल पहुंचा सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन दिया। बांसगांव के हटवार गांव की रहने वाली पूजा यादव का रिश्ता परिवार के लोगों ने महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से तय किया था। नवंबर 2025 में यह रिश्ता तय होने के बाद 13 मई को शादी के लिए पूजा के घर बरात आनी थी। घर में मंगल गीत गूंज रहे थे। नई जिंदगी के सपने संजोए पूजा एलएलबी अंतिम सेमेस्टर की अपनी परीक्षा देने भाई के साथ खलीलाबाद स्थित कॉलेज के लिए निकली तो परिवार की महिलाओं ने हंसी-ठिठोली करते हुए बलाएं उतारी थीं। छलकती आंखों से बरसीं दुआएं शाम को सन्नी यादव बरात लेकर हटवार गांव पहुंचे। वहां द्वारपूजा और अन्य प्रारंभिक रस्में पूरी की गईं। इसके बाद तय हुआ कि दूल्हा अस्पताल जाकर सिंदूरदान करेगा।

यूपी में आंधी-तूफान से 96 की मौत, भदोही में 18 और प्रयागराज में 17 लोगों की गई जान

लखनऊ (एजेंसी) यूपी में आंधी-तूफान से भदोही में 18, मिजार्पुर में 15, प्रयागराज में 17, प्रतापगढ़ और बरेली में 4-4, फतेहपुर में 10, उन्नाव और बदायूं में 6-6, सीतापुर, रायबरेली, चंदौली, कानपुर देहात, हरदोई और संभल में दो-दो, कौशांबी, शाहजहांपुर, सोनभद्र और लखीमपुरखीरी में एक-एक मौत हुई है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बुधवार को आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के कारण पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। आंधी-पानी की चपेट में आने से अलग-अलग जिलों में 96 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। सबसे ज्यादा वाराणसी, प्रयागराज और कानपुर मंडल में लोगों की मौत हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान और टीन शेड उड़ गए, वहीं, फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बारिश और धूल भरी आंधी के कारण सड़कों पर आवाजाही प्रभावित रही। कई जगह पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। मरने वालों में भदोही में 18, मिजार्पुर में 15, प्रयागराज में 17, प्रतापगढ़ और बरेली में 4-4, फतेहपुर में 10, उन्नाव और बदायूं में 6-6, सीतापुर, रायबरेली, चंदौली, कानपुर देहात, हरदोई और संभल में दो-दो, कौशांबी, शाहजहांपुर, सोनभद्र और लखीमपुरखीरी में एक-एक लोग शामिल हैं। प्रतीक की मौत: किचन में सुबह चार बजे अचेत पड़े मिले, नौकर ने यहां लगाया फोन; घर पर नहीं थीं पत्नी अपर्णा; एक क्लिक में पूरी कहानी सीएम ने 24 घंटे में पीड़ितों को मुआवजा देने का दिया निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुए नुकसान पर पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को राहत पहुंचाने का काम 24 घंटे के अंदर पूरा किया जाए। सीएम ने मृतकों के शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने सभी जिलों के जिलाधिकारियों समेत अन्य विभागों के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। 45.4 डिग्री सेल्सियस के साथ बांदा रहा प्रदेश में सर्वाधिक गर्म प्रदेश में एक ओर जहां आंधी बारिश से नुकसान के अलावा गर्मी से कुछ राहत मिली, वहीं बुंदेलखंड समेत दक्षिणी जिलों में तेज धूप और भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल किया। बांदा 45.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। इसके अलावा झांसी में 44.5, प्रयागराज में 43.5, हमीरपुर में 43.2 और उरई में 41 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक बृहस्पतिवार से तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी आंधी की वजह से दिल्ली-हावड़ा रूट करीब डेढ़ घंटे के लिए बाधित हो गया। फतेहपुर में पेड़ गिरने से ओएचई लाइन टूट गई। इससे कानपुर होकर आने-जाने वाली करीब 22 ट्रेनें प्रभावित हुईं। शाम छह बजे ट्रेनों का संचालन शुरू हो सका। प्रयागराज-जौनपुर रेल खंड पर थरवई और सरायचंडी रेलवे स्टेशन के बीच गेट नंबर आठ-सी पर एक भारी-भरकम पेड़ अप और डाउन दोनों रेल लाइनों पर गिर गया,

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद है किशमिश का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक किशमिश ही नहीं, किशमिश का पानी भी आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। अगर आप हर रोज किशमिश का पानी पीते हैं, तो आपके पूरे शरीर पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का शिकार बनने से बचने के लिए भी आप औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को पीना शुरू कर सकते हैं।

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि किशमिश का पानी आपकी किडनी के फंक्शन को सुधारने में मदद करता है। इसके अलावा इस ड्राई फ्रूट का पानी लिवर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी कारगर साबित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

मजबूत बनाए दिल की सेहत

अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पर काबू पाना चाहते हैं, तो किशमिश का पानी पीना शुरू कर दीजिए। किशमिश का पानी पीने से आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बनाकर दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा फाइबर रिच किशमिश का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

क्या आप जोड़ों के दर्द की समस्या से छुटकारा पाकर अपनी हड्डियों को मजबूत बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको किशमिश के पानी को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। इसके अलावा एनीमिया से बचने के लिए भी किशमिश का पानी पीने की सलाह दी जाती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से किशमिश का पानी पीना बेहद जरूरी है।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

फंगल इंफेक्शन किस विटामिन की कमी से होता है?

क्या आपको भी बार-बार फंगल इंफेक्शन की समस्या से जूझना पड़ता है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी पैदा हो गई हो। अगर किसी विटामिन की कमी के कारण आपको फंगल इंफेक्शन हो रहा है, तो आपको जल्द से जल्द इस विटामिन डेफिशिएंसी को दूर करने की कोशिश में जुट जाना चाहिए। आइए फंगल इंफेक्शन का कारण बनने वाले इस जरूरी पोषक तत्व के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी न केवल आपकी सेहत को बल्कि आपकी त्वचा को भी बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो गई है, तो आपको बार-बार फंगल इंफेक्शन हो सकता है। इसके अलावा इस जरूरी पोषक तत्व की कमी कैंडिड संक्रमण के खतरे को भी बढ़ा सकती है।

विटामिन सी की कमी

विटामिन डी के अलावा विटामिन सी की कमी भी आपकी त्वचा की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। विटामिन सी की कमी की वजह से आपके इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से आपके फंगल इंफेक्शन को ठीक होने में भी ज्यादा समय लग सकता है।

दूर करें डेफिशिएंसी

विटामिन डी और विटामिन सी की कमी को दूर करने के लिए आपको अपने डाइट प्लान में थोड़े-बहुत बदलाव करने की जरूरत है। विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए गाय का दूध, मशरूम, अंडे की जर्दी का सेवन किया जा सकता है। विटामिन सी रिच संतरा, किवी, ब्रोकली, टमाटर और शिमला मिर्च का सेवन कर आप इस विटामिन की कमी को दूर कर सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाने-पीने की इन चीजों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

सुबह वॉक करने से पहले इन ज़रूरी बातों का रखें खास ध्यान

सुबह के समय वॉक करने से दिनभर ताजगी का अनुभव होता है। सुबह की वॉक सिर्फ शारीरिक सेहत ही नहीं बल्कि मानसिक सेहत के लिहाज़ से भी बेहद फायदेमंद है। इसलिए अपने आप को फिट और ऊर्जा से भरपूर रखने के लिए लोग सुबह के समय वॉक करना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं सुबह की वॉक से पहले आपको इन कुछ ज़रूरी बातों का ख़ास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप सुबह वॉक से पहले इन बातों का ध्यान नहीं रखेंगे तो फायदे की जगह आपके स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

वॉक से पहले पानी ज़रूर पिएं

जब आप उठते हैं तो आपके शरीर में पहले से ही पानी की कमी हो रही होती है। आप 6-8 घंटे तक एक घूंट भी पानी पिए बिना रह चुके होते हैं। इसलिए, बिना पानी पिए टहलने के लिए निकलना खतरनाक हो सकता है। अगर आपके शरीर में पहले से ही तरल पदार्थ की कमी है, तो पसीने की कमी से तेज़ी से डिहाइड्रेशन हो सकता है जिससे मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द और थकान हो सकती है। इसलिए सुबह उठते ही एक या दो गिलास पानी पिएँ।

खाली पेट वॉक करने न जाएँ

कई लोगों को लगता है कि खाली पेट वॉक करने से वजन तेजी से कम होगा। जबकि ऐसा नहीं है, अगर आप भूखे पेट वॉक करने जाते हैं तो चक्कर या सिरदर्द महसूस हो सकता है। कम रक्त शर्करा के कारण कमज़ोरी, मतली या टहलने के दौरान बेहोशी भी महसूस हो सकती है। ऐसे में वॉक से पहले पूरा नाश्ता करने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन कुछ हल्का फुल्का खाना ठीक रहेगा। जैसे एक केला, मुट्ठी भर भीगे हुए बादाम, टोस्ट का आधा टुकड़ा या एक छोटी सी फ्रूट स्मूदी।

वार्म-अप ज़रूर करें

वॉक से पहले एक छोटा सा स्ट्रेच रूटीन आपके हेल्दी और फिट शरीर के लिए बेहद ज़रूरी होता है। इसलिए, भले ही आप सुबह के समय सिर्फ़ 30 मिनट ही वॉक क्यों न चल रहे हों। कम से कम 3-5 मिनट का वार्म-अप ज़रूर करें। वार्म अप में आप एड़ियों को घुमाएँ, हल्के से पैर के अंगूठे को छूएँ, कंधे को हिलाएँ और गर्दन को घुमाएँ।

वॉक से पहले कैफीन का इस्तेमाल ज़्यादा न करें

वॉक से पहले कई लोग एक गर्म कप चाय या कॉफ़ी पीना पसंद करते हैं। लेकिन वॉक से पहले कैफीन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। कुछ लोगों के लिए, खाली पेट कैफीन वॉक के दौरान एसिडिटी या पेट खराब होने का कारण बन सकता है। अगर, आप ऐसे व्यक्ति हैं जो चाय या कॉफ़ी के बिना काम नहीं कर सकते, तो वॉक के बाद इसे पीने की कोशिश करें। इस तरह, पाचन क्रिया सक्रिय रहेगी, आप फिर से हाइड्रेट होंगे।

शरीर को कमजोर बना सकती है प्रोटीन की कमी

अगर आपके शरीर में किसी भी पोषक तत्व की कमी पैदा हो जाए, तो सेहत से जुड़ी कई समस्याएं आपके शरीर पर हमला बोल सकती हैं। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट प्लान को फॉलो करने की सलाह देते हैं। प्रोटीन शरीर के लिए एक जरूरी तत्व है। आइए इस तत्व की कमी की वजह से शरीर में दिखाई देने वाले कुछ लक्षणों के बारे में जानते हैं।

थकान और कमजोरी

प्रोटीन की वजह से आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। अगर आपको हर समय थकान और कमजोरी महसूस होती रहती है, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मसल पेन भी इसी पोषक तत्व की कमी का संकेत साबित हो सकता है।

ज्यादा भूख लगना

प्रोटीन की कमी की वजह से आपको ज्यादा भूख लग सकती है या फिर खाने के बाद भी पेट खाली लग सकता है। अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई है, तो आपके घाव भी धीरे-धीरे भर पाएंगे। प्रोटीन की कमी की वजह से आपको सडन वेट लॉस का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर हो गई है और आप बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो ये लक्षण भी प्रोटीन की कमी की तरफ इशारा कर सकता है।

गौर करने वाली बात – प्रोटीन की कमी न केवल आपके शरीर पर बल्कि आपकी त्वचा और आपके बालों पर भी नेगेटिव असर डाल सकती है। क्या आपकी त्वचा रूखी, फटी या फिर खुरदुरी हो गई है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। बाल झड़ना या फिर नाखून टूट जाना भी इस पोषक तत्व की कमी का संकेत हो सकता है।

हाई यूरिक एसिड से जूझ रहे हैं, तो खाली पेट कर लीजिए इन चीजों का सेवन

जोड़ों के दर्द से मिल जाएगी राहत

क्या आप जानते हैं कि जब आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, तो आपको जोड़ों में असहनीय दर्द और सूजन हो सकती है? यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अगर आप खाली पेट सही मात्रा में पोषक तत्वों से भरपूर कुछ चीजों का सेवन करते हैं, तो आपको हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

फायदेमंद साबित होगा आंवला

दादी-नानी के जमाने से आंवला को सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। यूरिक एसिड के स्तर पर काबू पाने के लिए आप आंवला को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। हर रोज सुबह खाली पेट एक आंवला खाएं या फिर गुनगुने पानी के साथ आंवला पाउडर को मिक्स कर कंज्यूम कर लें।

पी सकते हैं नींबू का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप नींबू पानी का सेवन भी कर सकते हैं। विटामिन सी रिच नींबू पानी यूरिक एसिड को न्यूट्रल करने में कारगर साबित हो सकता है। सुबह-सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में हाफ नींबू निचोड़कर पी जाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस करें। अगर आप चाहें तो औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक में पोषक तत्वों वाले शहद को भी मिक्स कर सकते हैं।

अलसी के बीज फायदेमंद

क्या आप जानते हैं कि अलसी के बीज में पाए जाने वाले तत्व यूरिक एसिड की समस्या को दूर करने में कारगर साबित हो सकते हैं? एक स्पून अलसी के बीज को रात भर पानी में भिगोएं और फिर अगली सुबह पानी के साथ कंज्यूम कर लें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाली पेट अलसी के बीज खाएं।

संक्षिप्त समाचार

हंगरी में 16 साल बाद नई सरकार, मंत्रियों ने संभाले पदभार

बुडापेस्ट, एजेंसी। यूरोपीय देश हंगरी में 16 साल के बाद व्यवस्था बदल गई है। मंत्रियों ने पदभार संभाल लिए हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में मंगलवार को प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल मंत्रियो को शपथ दिलाई गई। सत्ता हस्तांतरण से पहले मैग्यार की प्रो-यूरोपीय तिस्ज़ा पार्टी ने पिछले महीने ओर्बन की फ़िडेज़ पार्टी को हराकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इसी के साथ 16 साल से चला आ रहा ओर्बन के राजनीतिक सिस्टम का पटाक्षेप हो गया है। पीटर मैग्यार ने अपनी नीतियों का संकेत देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली नई सरकार सभी हंगरीवासियों की होगी और मंत्री राष्ट्र सेवा की भावना के साथ काम करेंगे। मैग्यार ने भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, सार्वजनिक धन की वसूली, लोकतांत्रिक संस्थाओं को बहाल करने जैसे लुभावने वादे भी किए। नई सरकार में 16 मंत्रालय हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के लिए अलग विभाग हैं। इसका लक्ष्य यूरोपीय संघ के जमे हुए करीब 17 अरब यूरो के फंड को वापस लाना है, जिस पर विदेश मंत्री अनीता ओर्बन ने भी जोर दिया।

मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर हार्मोन का निधन

न्यूयार्क, एजेंसी। वन लाइफ टु लिव और हाउ टु सरवाइव ए मैरिज जैसे लोकप्रिय सोप ओपेरा के लिए मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर हार्मोन का निधन हो गया है। वह 82 साल की थीं। परिजनों ने बताया कि जेनिफर ने शनिवार को न्यूयॉर्क में आखिरी सांस ली। हार्मोन ने अपने लगभग पांच दशकों के करिअर में ब्रॉडवे मंच (थिएटर) पर 21 बार अपनी कला का प्रदर्शन कर विशिष्ट पहचान बनाई थी। वे रंगमंच की दुनिया का एक प्रतिष्ठित चेहरा थीं। जेनिफर हार्मोन लोकप्रिय टीवी शो 'वन लाइफ टू लिव' में 'कैथी' का किरदार निभाने के लिए जानी जाती थीं। वह इस भूमिका को निभाने वाली पांचवीं अभिनेत्री थीं। उन्होंने 1976 से 1978 तक यह रोल किया और इसके लिए डे-टाइम एमी अवॉर्ड के लिए नामांकन भी मिला था। इससे पहले उन्होंने 1974-75 में ह्वष्ट के शो 'हाउ टू सरवाइव ए मैरिज' में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। जेनिफर हार्मोन का जन्म 3 दिसंबर 1943 को कैलिफोर्निया के पासाडेना में हुआ था। वह न्यू ऑरलियन्स में बड़ी हुईं। उन्होंने मिसिसिपी और मिशिगन विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। इसके बाद न्यूयॉर्क जाकर उन्होंने थिएटर में काम शुरू किया। 1965 में जेनिफर ने ब्रॉडवे पर डेब्यू किया। उनके करियर में 'द स्कूल फॉर स्कैंडल', 'ब्लाइथ स्पिरिट', 'द ग्लास मेनेजरी', 'बेयरफुट इन द पार्क' जैसे कई प्रसिद्ध सीरियल्स में काम किया है। उन्होंने कई दशकों तक ब्रॉडवे पर अपनी अच्छे अभिनय का लोहा मनवाया। 'वन लाइफ टू लिव' में 1990 के दशक में वह एक वकील के रोल में भी वापस लौटी थीं। उन्होंने 'अनदर वर्ल्ड', 'गाइडिंग लाइट' और 'लविंग' जैसे कई सोप ओपेरा में भी काम किया।

एक और पर्वतारोही की माउंट एवरेस्ट पर मौत, अब तक 3 मरे

काठमांडू, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट पर एक और नेपाली पर्वतारोही की दरार में गिरने से मौत हो गई। पिछले दो हफ्तों के भीतर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर होने वाली यह तीसरी मौत है। अधिकारियों ने बताया कि 21 वर्षीय फुरा ग्यालजेन शेरपा कैंप-3 के पास बर्फ पर फिसलकर लगभग 7,200 मीटर की ऊंचाई पर हादसे का शिकार हुए। इससे पहले खूंबू आइसफॉल और बेस कैंप के रास्ते में दो अन्य नेपाली पर्वतारोहियों बिजय घिमिरे बिश्वकर्मा (35) और लक्पा देंडी शेरपा (51) की जान गई थी।

आईडीएमसी रिपोर्ट में खुलासा : युद्ध और हिंसा ने दुनिया में मचाई तबाही, अपने ही देश में बेघर हुए 8.2 करोड़ लोग

जिनेवा, एजेंसी। दुनियाभर में संघर्ष, गृहयुद्ध, सांप्रदायिक हिंसा और जलवायु आपदाओं ने करोड़ों लोगों को अपने ही देश में बेघर कर दिया है। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर (आईडीएमसी) व नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की ताजा ग्लोबल रिपोर्ट ऑन इंटरनल डिस्प्लेसमेंट 2026 के अनुसार 2025 के अंत तक 104 देशों में 8 करोड़ 22 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित जीवन जी रहे थे। यह संख्या जर्मनी की आबादी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में यह आंकड़ा दोगुने से अधिक हो गया है और पहली बार युद्ध तथा हिंसा ने प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा लोगों को विस्थापित किया। रिपोर्ट के मुताबिक 8 करोड़ 22 लाख विस्थापितों में 6 करोड़ 86 लाख लोग संघर्ष और हिंसा के कारण बेघर हुए। रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में इस्त्राइल और ईरान के बीच हुए 12 दिन के संघर्ष ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी एकल आंतरिक विस्थापन घटना पैदा की। इस्त्राइली सैन्य कार्रवाई और निकासी चेतावनियों के बाद तेहरान से करीब एक करोड़ लोगों को भागना पड़ा।

डेमोक्रेटिक नेताओं ने दी ईरान में बढ़े पैमाने पर युद्ध बढ़ने की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि ट्रंप प्रशासन अमेरिका को मध्य पूर्व में एक और लंबे युद्ध की तरफ धकेल सकता है। ईरान के साथ चल रहे तनाव और युद्ध को लेकर अमेरिकी सीनेट में हुई एक अहम सुनवाई के दौरान नेताओं के बीच गहरे मतभेद सामने आए। इस दौरान युद्ध की बढ़ती आर्थिक और सैन्य लागत पर भी चिंता जताई गई। यह बहस उस समय हुई जब राष्ट्रपति ट्रंप के 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट प्रस्ताव पर सीनेट की रक्षा संबंधी उपसमिति में चर्चा चल रही थी। कई डेमोक्रेट सीनेटर्स ने मौजूदा हालात की तुलना अमेरिका के पुराने इराक और अफगानिस्तान युद्धों से की। उनका कहना था कि सरकार के पास इस संघर्ष को खत्म करने की कोई स्पष्ट और लंबी रणनीति दिखाई नहीं दे रही है। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि प्रशासन किसी व्यापक राजनीतिक योजना के बिना, युद्ध के मैदान में मिलने वाली छोटी-मोटी जीतों पर ही केंद्रित लग रहा है। कून्स ने कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में पहले एक आम सहमति हुआ करती थी कि अमेरिका को युद्ध में तभी उतरना

चाहिए जब हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई खतरा हो, जब बाकी सभी विकल्प खत्म हो चुके हों, और जब हमारे पास स्पष्ट उद्देश्य और यह योजना हो कि युद्ध का अंत कैसे होगा।' कून्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बार-बार यह सवाल किया कि प्रशासन अब तक होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह सुरक्षित क्यों नहीं बना पाया। इस समुद्री रास्ते पर ईरान के दबाव की वजह से दुनियाभर में तेल और ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को कुछ सैन्य सफलताएं जरूर मिली हैं, लेकिन रणनीतिक स्तर पर अमेरिका को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सीनेटर क्रिस्टोफर मर्फी ने भी सवाल उठाया कि क्या प्रशासन ईरान की, लंबे समय तक आर्थिक और सैन्य दबाव झेलने की क्षमता को कम करके आंक रहा है। मर्फी ने कहा, 'यह एक बहुत जोखिम भरी रणनीति है।' उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान तो शायद वर्षों तक प्रतिबंधों और सैन्य दबाव को झेल जाए, लेकिन अमेरिकी परिवारों को ईंधन की आसमान छूती कीमतों के कारण भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

मर्फी ने तर्क दिया कि 'इस मामले में समय हमारे पक्ष में नहीं है,' क्योंकि तेल की बढ़ती कीमतें पहले से ही अमेरिकी किसानों और आम परिवारों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

सीनेटर पैटी मरे ने रक्षा बजट में भारी बढ़ोतरी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार घरेलू जरूरतों से ज्यादा युद्ध पर पैसा खर्च कर रही है। मरे ने कहा, 'आप परिवारों की गाढ़ी कमाई से दिए गए टैक्स के पैसों को एक ऐसे युद्ध पर खर्च कर रहे हैं जिसका बहुत से लोग पुरजोर विरोध करते हैं। आप अगले साल के लिए युद्ध के बजट में आधा ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी करना चाहते हैं। डेमोक्रेट नेताओं ने यह सवाल भी उठाया कि क्या ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए सरकार के पास कानूनी अधिकार हैं या नहीं। उनका कहना था कि इतने बड़े संघर्ष के लिए कांग्रेस की औपचारिक मंजूरी जरूरी होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान रक्षा मंत्री हेगसेथ ने ट्रंप प्रशासन का बचाव किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप ने वह हासिल किया है जो पिछली सरकारें नहीं कर सकीं। उनका कहना था कि अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबाव बनाने की ताकत है और यह अभियान ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जरूरी है। पेंटागन अधिकारियों के मुताबिक अब तक ईरान संघर्ष पर करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। सीनटरों ने चेतावनी दी कि अगर सैन्य अभियान लंबे समय तक जारी रहा और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को और नुकसान हुआ, तो यह खर्च और तेजी से बढ़ सकता है।

पूरी बहस से यह साफ दिखाई दिया कि वॉशिंगटन में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि ईरान के साथ यह टकराव आगे चलकर एक बड़े और लंबे युद्ध में बदल सकता है। ठीक ऐसे समय में अमेरिका पहले ही चीन, रूस और यूक्रेन से जुड़े मामलों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

नहीं डालेंगे हथियार, इजरायल के लिए बना देंगे नरक; हिजबुल्लाह प्रमुख ने दी सीधी धमकी

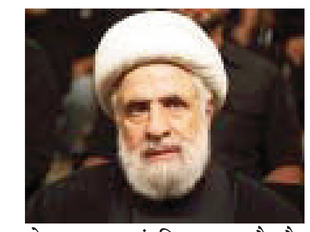

तेहरान, एजेंसी। हिजबुल्लाह के वरिष्ठ नेता नईम कासिम ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि समूह की सैन्य क्षमताएं और हथियार पूरी तरह से लेबनान का आंतरिक मामला हैं। इजराइल के साथ चल रही शत्रुता के दौरान इन्हें किसी भी सौदेबाजी की मेज पर नहीं रखा जाएगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कासिम ने टेलीविजन संबोधन में इजरायली सैन्य दबाव का मुकाबला करते हुए कहा कि हम मैदान नहीं छोड़ेंगे। हम इजरायल के लिए इसे नरक बना देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके लड़ाके लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस दौरान कासिम ने लेबनानी सरकार के साथ भविष्य के सहयोग की रूपरेखा भी पेश की, जिसमें पांच प्रमुख उद्देश्य शामिल हैं... इजरायली आक्रामकता समाप्त कर लेबनान की संप्रभुता सुनिश्चित करना कब्जे वाले सभी क्षेत्रों से इजरायली सैनिकों की पूर्ण वापसी

बंदियों की रिहाई : विस्थापित नागरिकों की दक्षिणी लेबनान में सुरक्षित वापसी व्यापक स्तर पर पुनर्निर्माण कार्य वहीं, विदेशी हस्तक्षेप पर कासिम ने कहा कि लेबनान के बाहर किसी भी देश या पक्ष को हथियारों, प्रतिरोध आंदोलन या आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। हिजबुल्लाह प्रमुख ने साफ किया कि प्रतिरोध के हथियार अंतरराष्ट्रीय वार्ताकारों के लिए चर्चा का विषय नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह लेबनान का आंतरिक मामला है और दुश्मन के साथ किसी भी बातचीत का हिस्सा नहीं होगा। नईम कासिम ने आगे बताया कि पांच बिंदुओं को हासिल करने के बाद लेबनान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के तहत आंतरिक मामलों को व्यवस्थित करेगा, जिसमें प्रतिरोध आंदोलन सहित अपनी सभी क्षमताओं का उपयोग किया जाएगा। बता दें कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब लेबनान-इजरायल सीमा पर अस्थिरता बरकरार है। मई 2026 के मध्य तक अमेरिका की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम, जो मूल रूप से 17 अप्रैल को लागू हुआ था, अब कागजी घोषणा बनकर रह गया है। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के बफर जोन में अपनी मौजूदगी बनाए हुए है और रोजाना झड़पें जारी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च से अब तक इजरायली बलों ने लेबनान के लगभग 6 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। बता दें कि 2 मार्च को संघर्ष बढ़ने के बाद स्थिति बेहद खराब हो गई है। अल जजीरा के अनुसार, इजरायली अभियानों में 2840 से अधिक लोग मारे गए और 8700 से ज्यादा घायल हुए हैं। एक लाख से अधिक नागरिक विस्थापित हो चुके हैं।

धमाके से दहला पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा, आत्मघाती हमले में 9 लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक भीड़-भाड़ वाले बाजार में हुए ब्लास्ट में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जाता है कि यह ब्लास्ट नौरंग बाजार में हुआ जो खैबर पख्तूनख्वा का काफी व्यस्त कारोबारी केंद्र माना जाता है।

आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ाया : प्राथमिक सूचना के मुताबिक यह एक आत्मघाती हमला था। हमलावर विस्फटकों से लैस एक ऑटो रिक्शा में सवार हो कर भीड़ भरे बाजार में पहुंचा और धमाका कर दिया। इस ब्लास्ट में दो सुरक्षा अधिकारी समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोग घायल हो गए। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में हुई। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने नौरंग बाज़ार के फाटक चौक पर विस्फोटकों से भरे अपने ऑटो रिक्शा में धमाका कर दिया।

मृतकों में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी शामिल : अधिकारियों ने बताया कि इस ब्लास्ट में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक महिला समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सराय नौरंग स्थित तहसील मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिस वक्त यह आत्मघाती हमला हुआ उस वक्त बाजार में काफी भीड़-भाड़ थी। कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आगे के इलाज के लिए बन्नू और पेशावर के अस्पतालों में रेफर कर दिया गया है। घायलों की तादाद को देखते हुए अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है और सभी मेडिकल स्टाफ को बुला लिया गया है। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता शाहदाब खान ने बताया कि ब्लास्ट की सूचना मिलते ही राहत कार्यों के लिए घटनास्थल पर एंबुलेंस और टीमें भेजी गईं। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सुहैल अफरीदी ने इस ब्लास्ट का संज्ञान लिया और पुलिस महानिरीक्षक को घटना पर एक डिटेल्ड रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'इस मुश्किल समय में हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं, और प्रांतीय सरकार उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराएगी।

अर्जेंटीना: राष्ट्रपति मिलेई के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना में मंगलवार को हजारों लोग देशभर के बड़े शहरों की सड़कों पर उतर आए। इन लोगों ने राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की ओर से सरकारी विश्वविद्यालयों की फंडिंग में कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस संकटग्रस्त देश में सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था लोगों के लिए गर्व का विषय मानी जाती है। राजधानी ब्यूनस आयर्स में भारी भीड़ ने सरकारी मुख्यालय तक रैली निकाली और विश्वविद्यालयों के बजट में कमी का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि फंड की कमी से देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था कमजोर हो रही है। अर्जेंटीना की सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था देश के शिक्षित कार्यबल की मजबूत नींव मानी जाती है और मध्यम वर्ग के लिए यह गर्व की बात है। यहां 1949 से पढ़ाई मुफ्त है और इसी व्यवस्था ने पांच नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं। पिछले साल संसद ने विश्वविद्यालयों के खर्च और शिक्षकों के वेतन को बढ़ती महंगाई के हिसाब से बढ़ाने के लिए कानून पारित किया था। लेकिन सरकार ने अभी तक इसे लागू नहीं किया और अदालत में इस कानून को चुनौती दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह मिलेई भी अक्सर विश्वविद्यालय परिसरों को 'वोक विचारधारा' फैलाने वाली जगह बताते हैं। मिलेई ने सरकारी खर्च में भारी कटौती की अपनी योजना के तहत शिक्षा क्षेत्र की फंडिंग कम कर दी है। उनका कहना है कि पिछली वामपंथी सरकारों ने लापरवाही से खर्च किया, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ा। मंगलवार के प्रदर्शन में हर उम्र और अलग-अलग राजनीतिक विचारधारा के लोग शामिल हुए। यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है, जब आर्थिक गतिविधियों में गिरावट, कम होती तनख्वाह और बढ़ती बेरोजगारी के कारण मिलेई की लोकप्रियता घट रही है। हाल के दिनों में भ्रष्टाचार के कई मामलों ने भी सरकार को घेरा है। खास तौर पर कैबिनेट प्रमुख मैनुअल अडोर्नी के कथित खर्चों की जांच चर्चा में है। आरोप है कि उनका खर्च उनकी सरकारी तनख्वाह और घोषित संपत्ति से मेल नहीं खाता। एक छात्र के पोस्टर पर लिखा था, अडोर्नी पर हमारा कितना पैसा खर्च हो रहा है? विश्वविद्यालय मामलों के उप सचिव अलेजांद्रो अल्वारेज ने मंगलवार के प्रदर्शन को 'पूरी तरह राजनीतिक' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने विश्वविद्यालयों के बढ़े हुए खर्च के लिए अतिरिक्त पैसा दिया है। लेकिन शिक्षक संगठनों ने इसे अपर्याप्त बताया है। सरकार का कहना है कि जिस कानून को चुनौती दी गई है, उसमें यह स्पष्ट नहीं बताया गया अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होने की संभावना है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने देश की सर्वोच्च अदालत से 'जनता की आवाज सुनने' की अपील की। मुख्य शिक्षक संघ के अनुसार, 2023 के आखिर में मिलेई के सत्ता में आने के बाद महंगाई को देखते हुए विश्वविद्यालय शिक्षकों की वास्तविक आय में करीब 33 फीसदी की गिरावट आई है। ब्यूनस आयर्स विश्वविद्यालय के कुलपति रिकार्डो गेल्पी ने कहा कि खरीदने की क्षमता घटने के कारण इंजीनियरिंग और विज्ञान विभाग के कम से कम 580 शोध प्रोफेसरों ने सरकारी संस्थान छोड़ दिए हैं।

अमेरिका में एफडीए प्रमुख डॉ मकरी का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक संस्था एफडीए के कमिश्नर डॉक्टर मार्टी मकरी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले काफी समय से प्रशासन के भीतर और बाहर से उन पर दबाव बनाया जा रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने मकरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक कठोर परिश्रमी डॉक्टर बताया। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि ट्रंप उन्हें बर्खास्त करने की योजना को पहले ही मंजूरी दे चुके थे। अब उनकी जगह काइल डायमांटास कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे।

फ्लेवर्ड ई-सिगरेट पर छिड़ा था 'शीत युद्ध' : डॉक्टर मकरी के इस्तीफे के पीछे सबसे बड़ी वजह ई-सिगरेट नीति को माना जा रहा है। पिछले सप्ताह एफडीए ने पहली बार फ्रूट-फ्लेवर्ड ई-सिगरेट को बाजार में उतारने की मंजूरी दी थी। मकरी इस फैसले के सख्त खिलाफ थे। उनका मानना था कि फलों के स्वाद वाले वेप्स बच्चों और युवाओं को नशे की लत में धकेल देंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इसी वैचारिक मतभेद के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। प्रशासन के अन्य अधिकारी इस मंजूरी के पक्ष में थे, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी।

आंतरिक कलह के बाद शीर्ष अधिकारियों का पलायन : मकरी का एक साल का कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। उनके नेतृत्व में एफडीए के भीतर भारी अस्थिरता देखी गई। एजेंसी के लगभग सभी वरिष्ठ करियर अधिकारियों ने या तो इस्तीफा दिया या उन्हें हटा दिया गया। हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर के हस्तक्षेप और राजनीतिक हितों के कारण वैज्ञानिक सिद्धांतों से समझौते के आरोप लगे। ड्रग सेंटर में एक साल के भीतर छह अलग-अलग निदेशक बदले गए। इससे कर्मचारियों का मनोबल गिर गया और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे।

फार्मा दिग्गज और एक्टिविस्ट भी थे नाराज : डॉक्टर मकरी को चौतरफा विरोध का सामना करना पड़ा। फार्मा कंपनियों के सीईओ उनकी नीतियों से असंतुष्ट थे। उनका आरोप था कि मकरी की कार्यशैली से दवाओं की मंजूरी में अनिश्चितता पैदा हुई है। दूसरी ओर, गर्भपात विरोधी समूह भी उन पर हमलावर थे। इन समूहों का आरोप था कि मकरी गर्भपात की दवा मिफेप्रिस्टोन की समीक्षा में जानबूझकर देरी कर रहे हैं। वहीं, वेपिंग लॉबिस्टों ने ट्रंप से शिकायत की थी कि मकरी उनके उत्पादों के रास्ते में रोड़ा अटका रहे हैं।

अधर में लटकीं मकरी की नई योजनाएं : मकरी ने दवा समीक्षा प्रक्रिया को तेज करने के लिए कई पहल की थीं। उन्होंने इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल पर जोर दिया था। लेकिन उनके इस्तीफे के बाद इन योजनाओं का भविष्य धुंधला गया है। इनमें से अधिकांश कार्यक्रमों को अभी तक कानूनी रूप से लागू नहीं किया गया था। ऐसे में नए प्रमुख इन फैसलों को आसानी से पलट सकते हैं। विपक्षी दल भी इन योजनाओं की वैधता पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं।

ईरान पर नई मुसीबत, अमेरिका से तनाव के बीच भूकंप से दहली राजधानी तेहरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के साथ युद्ध के बीच ईरान पर नई मुसीबत आ गई है। खबर है कि मंगलवार को राजधानी तेहरान में भूकंप आया है। इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई है। हालांकि, इस दौरान किसी जान और माल के नुकसान की खबर नहीं है। फिलहाल, मुल्क के कई शहरों में राहत टीमों को अलर्ट कर दिया गया है। इससे पहले 3 मार्च को भी ईरान के गेराश क्षेत्र में भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.3 रही थी। आईआरआईबी यानी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, भूकंप के एक घंटे के बाद तक भी नुकसान की कोई खबर नहीं थी। साथ ही कहा गया है कि इस दौरान किसी तरह का आर्थिक नुकसान भी नहीं हुआ है। एजेंसी ने लिखा, 'तेहरान, माजनदरान, कोम और अलबोर्ज में रेड क्रीसेंट फोर्सेज को अलर्ट पर रखा गया है।' शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया है कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे तेहरान-माजनदरान प्रांत सीमा के पास था। यह राजधानी तेहरान से 41 किमी और करज से 77 किमी दूरी पर है। भूकंप के झटके तेहरान प्रांत के पूर्वी हिस्सों और माजनदरान प्रांत के शहरों में महसूस किए गए हैं। 3 मार्च को आए भूकंप का केंद्र भूमि की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी कम गहराई वाले भूकंप प्राकृतिक टेक्टोनिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं और इस भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ऐसे झटके असामान्य नहीं माने जाते। 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद अब तक स्थायी समझौता नहीं हो सका है। हाल ही में दोनों मुल्कों के बीच शांति प्रस्ताव एक बार फिर खारिज हो गया है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान डील नहीं करता है, तो वह उस मुल्क को खत्म कर देंगे। साथ ही कहा है कि स्थिति अमेरिका के नियंत्रण में है और ईरान को खत्म करने के लिए उन्हें चीन की जरूरत नहीं है। एजेंसी वार्ता ने सीएनएन के हवाले से लिखा है कि ट्रंप पश्चिमी एशिया में फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इससे पहले, ट्रंप के साथ बातचीत के बाद फॉक्स न्यूज ने कहा था कि वाइट हाउस होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की आवाजाही बहाल करने के लिए 'ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है। ट्रंप को संघर्ष को सुलझाने के लिए हो रही बातचीत में ईरान के रुख से लगातार निराशा हाथ लगी है और अब वह बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि होर्मुज के बंद रहने से अमेरिकी राष्ट्रपति का धैर्य जवाब दे रहा है।

ट्रंप के रक्षा बजट पर बवाल: ईरान युद्ध पर अमेरिकी संसद में घमासान, हेगसेथ बोले- अब भी हमारे हाथ में सारे पत्ते

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान का जोरदार बचाव किया। उन्होंने कहा कि तमाम तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी संकट के बावजूद अमेरिका अब भी सभी पत्ते अपने हाथ में रखता है। सीनेट विनियोग उपसमिति के समक्ष रक्षा मामलों की सुनवाई के दौरान हेगसेथ ने डेमोक्रेट सांसदों के साथ तीखी बहस की। इस बैठक में जॉइंट चीफ्स चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे। सुनवाई का मुख्य मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित 1.5 ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट, ईरान युद्ध की बढ़ती लागत, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से बढ़ती तेल कीमतें और चीन-यूक्रेन को लेकर अमेरिकी रणनीति रही। हेगसेथ ने कहा कि ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने दावा किया कि 47 वर्षों से ईरान अमेरिका पर हमला करता रहा है और परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर झूठ बोलता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने आखिरकार कार्रवाई करने का साहस दिखाया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की पूरी पारंपरिक नौसेना अब फारस की खाड़ी के तल में पड़ी है और मौजूदा स्थिति में अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबदबा है। हालांकि डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि यह युद्ध बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य और अंत की योजना के लड़ा जा रहा है, जिसकी कीमत अमेरिकी जनता चुका रही है। वहीं सीनेटर पैटी मरे ने बढ़ती ईंधन और खाद्य कीमतों के बीच भारी रक्षा खर्च पर सवाल उठाए। पेंटागन के मुताबिक ईरान

संघर्ष पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं, हालांकि अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का पूरा आकलन अभी बाकी है। सुनवाई के दौरान सबसे बड़ा सवाल होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर उठा। वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम इस समुद्री मार्ग में व्यवधान के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका के पास 'सैन्य विकल्प मौजूद हैं', लेकिन वाशिंगटन अब भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है ताकि ईरान 'अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में समुद्री डकैती' बंद करे। जॉइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन ने भी माना कि ईरान अपनी सैन्य गतिविधियों के जरिए दुनिया की अर्थव्यवस्था को बंधक बनाए हुए है, लेकिन उन्होंने सैन्य योजनाओं पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। सुनवाई में मिच मैककोनेल ने नाटो सहयोगियों और यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समय में जब अमेरिका के विरोधी देश एकजुट हो रहे हैं, सहयोगियों से दूरी बनाना खतरनाक हो सकता है। वहीं चीन को लेकर भी अमेरिका की रणनीति पर चर्चा हुई। ट्रंप की संभावित बीजिंग यात्रा से पहले मैककॉनेल ने पूछा कि क्या ताइवान और दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी प्रतिबद्धताएं कायम रहेंगी। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने सहयोगियों जापान, ताइवान और फिलीपींस के साथ साझेदारी और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

6 साल में सरकार ने कमाए सोने के आयात से 1,22,428 करोड़

नई दिल्ली ।

देश में सोने के बढ़ते आयात से केंद्र सरकार की कमाई लगातार बढ़ रही है। बीते छह वर्षों में सोने पर लगाए गए आयात शुल्क से सरकार को कुल 1,22,428 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। वर्ष 2025-26 में सोने का आयात 72 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे सरकार को 37,341 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इससे पहले 2024-25 में 58 अरब डॉलर के आयात पर 26,402 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहारों, शादी सीजन और निवेश के रूप में सोने की बढ़ती मांग के कारण आयात में तेजी आई है। सरकार को आयात शुल्क के जरिए बड़ा राजस्व मिल रहा है, लेकिन इससे व्यापार घाटे पर भी असर पड़ रहा है।

वर्ष	सोने का आयात (अरब डॉलर)	शुल्क से मिला राजस्व (करोड़ रु.)
2020-21	34.6	8,269
2021-22	46.1	20,376
2022-23	35.1	12,293
2023-24	45.5	17,747
2024-25	58	26,402
2025-26	72	37,341

गोल्ड मार्केट में चीन सबसे बड़ी ताकत, अप्रैल 2026 में 8 टन सोना खरीदा

चीन सोना खरीदकर अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता करना चाहता है कम

नई दिल्ली।

चीन इन दिनों दुनिया भर के गोल्ड मार्केट में सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। चीन का केंद्रीय बैंक लगातार बड़े पैमाने पर सोना खरीद रहा है और अप्रैल 2026 तक यह सिलसिला जारी रहा। अब इस खरीदारी ने ग्लोबल मार्केट और डॉलर आधारित वित्तीय व्यवस्था पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अप्रैल 2026 में अकेले 8 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही चीन के आधिकारिक गोल्ड रिजर्व बढ़कर 7 करोड़ 28 लाख ट्रॉय औंस तक पहुंच गए हैं। मार्च के आखिर तक इन रिजर्व की कुल कीमत करीब 342.76 अरब डॉलर आंकी गई। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यह खरीदारी सिर्फ सामान्य निवेश नहीं है, बल्कि इसके पीछे लंबी आर्थिक और रणनीतिक सोच है। चीन लगातार अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। यही वजह है कि वह विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा अब सोने में बदल रहा है। हाल के वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव, प्रतिबंधों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता ने बीजिंग को नई रणनीति अपनाने पर मजबूर किया है। चीन मानता है कि सोना ऐसा एसेट है, जिसे कोई देश फ्रीज नहीं कर सकता यानी अगर भविष्य में आर्थिक प्रतिबंध या वैश्विक संकट बढ़ते हैं, तो सोना उसके लिए सुरक्षा कवच का काम करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक एक और बड़ी वजह चीन की अपनी मुद्रा युआन को मजबूत बनाना भी मानी जा रही है। चीन चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर की जगह युआन का इस्तेमाल बढ़े। ऐसे में मजबूत गोल्ड रिजर्व उसकी वित्तीय साख बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सोने की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद चीन लगातार खरीदारी कर रहा है। इससे साफ संकेत मिलता है कि बीजिंग शॉर्ट टर्म मुनाफे के बजाय लॉन्ग टर्म रणनीति पर काम कर रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन फिलहाल बाजार को हिलाने के लिए नहीं, बल्कि धीरे-धीरे एक मजबूत और सुरक्षित रिजर्व तैयार करने के मिशन पर है, लेकिन लगातार बढ़ती मांग का असर ग्लोबल गोल्ड मार्केट पर साफ दिख रहा है। चीन के साथ-साथ आम निवेशकों की खरीदारी भी बढ़ रही है, जिससे सोने की कीमतों को लगातार सपोर्ट मिल रहा है।

आरबीआई दे सकता है रिकॉर्ड डिविडेंड

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार को बड़ी राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इस वर्ष केंद्र सरकार को अब तक का सबसे बड़ा डिविडेंड देने की तैयारी में है। मिडिल ईस्ट संकट और वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच यह रकम सरकार के लिए बड़ा वित्तीय सहारा साबित हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, आरबीआई बोर्ड की इस महीने होने वाली बैठक में सरकार को दिए जाने वाले डिविडेंड और सरप्लस ट्रांसफर की अंतिम राशि पर फैसला लिया जाएगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 789, निफ्टी 277 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 789.74 अंक बढ़कर 75398.72 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 277 अंक उछलकर 23689.60 के स्तर पर बंद हुआ। आज लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी रही। कारोबार के दौरान दूरसंचार, फार्मा और निजी बैंकिंग शेयरों में में उछाल आया । सेंसेक्स शेयरों में, भारती एयरटेल सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसके शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की तेजी आई। वहीं एटरनल के शेयरों में 3.32 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2.67 फीसदी की बढ़त हुई, जिससे सेंसेक्स में सबसे अधिक लाभ इन्हीं शेयरों के कारण हुआ। . अदानी पोर्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी उछले। दूसरी ओर इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी इंडिया के शेयर नीचे आये।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुले। सुबह बाजार खुलते ही बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा ऊपर आया जबकि निफ्टी 23,500 के स्तर से ऊपर पहुंच गया। सुबह सेंसेक्स 338 अंक बढ़कर 74,947.12 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 118 अंक उछलकर 23,530 पर पहुंच गया। वहीं आज एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स करीब 0.47 फीसदी उछला जबकि हांगकांग का हैंग सेंग लगभग 1 फीसदी बढ़ा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

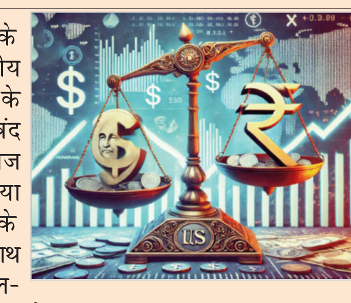

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज भारतीय रुपय तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 95.72 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोरी के साथ खुला और अपने ऑल-टाइम लो (सर्वकालिक निचले स्तर) पर पहुंच गया। रुपया सुबह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर 95.86 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर खुला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 95.74 पर खुला और बाद में और गिरकर 95.86 के स्तर तक आ गया। वहीं बुधवार को रुपया 95.75 पर बंदु हुआ था। मजबूत अमेरिकी डॉलर और ऊंची ऊर्जा कीमतों के कारण बढ़ती मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई।

डॉलर के मुकाबले क्यों टूट रहा रुपया..जाने कारण

मुंबई।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहा है, गुरुवार को शुरुआती कारोबार में यह 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरा दिन है जब रुपए ने डॉलर के मुकाबले नया रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ है। बीते तीन दिनों में रुपए में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो घरेलू मुद्रा पर बढ़ते दबाव को दिखाता है। बुधवार को यह 95.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं, जिसमें कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और अमेरिकी डॉलर की मजबूती शामिल हैं। इन कारकों के चलते, रुपया इस साल एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गया है, जिसमें अब तक छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला और जल्द ही निचले स्तर पर पहुंच गया। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत आयात करता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव (जिसे लेख में ईरान युद्ध से जोड़ा गया है) के कारण अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 106.10 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, और कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ने और देश के व्यापार घाटे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भी भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल रहे हैं, बुधवार को उन्होंने 4,703.15 करोड़ रुपये के शेयर की ब्रिकी की है। जिससे रुपए पर और दबाव बढ़ा।

समय के साथ भारत ने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को किया मंजूर

नई दिल्ली।

कर्नाटक ने 2023 में कारखाना श्रमिकों के लिए 12 घंटे की शिफ्ट की अनुमति दी तब ट्रेड यूनियनों ने जिनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में तर्क दिया कि यह बदलाव भारत की उस प्रतिबद्धता का उल्लंघन है जो उसने आईएलओ के काम के घंटे समझौते 1919 के तहत जताई थी। इसके तहत श्रमिकों को अधिकतम प्रतिदिन आठ घंटे और प्रति सप्ताह 48 घंटे काम करने का प्रावधान है। इस प्रकार जो बहस घरेलू स्तर पर उत्पादकता, वेतन और श्रमिकों की पसंद के बीच संतुलन पर होनी चाहिए थी वह एक अंतरराष्ट्रीय मामले में बदल गई। यह अपनी तरह की कोई इकलौती घटना नहीं है। यह एक सदी पहले लिए गए फैसला का परिणाम है। भारत ने काम के घंटों को लेकर खुद को आईएलओ के नियमों के सबसे हस्तक्षेपकारी हिस्से से आबद्ध कर लिया था। भारत आईएलओ का संस्थापक सदस्य है और वह 1922 से ही उसकी संचालन संस्था का स्थायी सदस्य रहा है। समय के साथ हमने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को मंजूर किया। इनमें से 39 अभी तक जारी हैं।

यह समस्या उतनी गंभीर नहीं होती यदि यह समझौता सार्वभौमिक सहमति को दर्शाता। आईएलओ के 187 सदस्य देशों में से केवल 52 ने सी001 को अनुमोदित किया है और केवल 30 ने इसके साथ जुड़े काम के घंटे समझौते, 1930 (सी030) को अनुमोदित किया है। प्रमुख विनिर्माण शक्तियों जैसे अमेरिका, जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया और वियतनाम ने सी001 को अनुमोदित नहीं किया है। वहीं न्यूजीलैंड ने विपरीत रास्ता अपनाया। कई दशकों तक इस संधि का पालन करने के बाद उसने इसे नामंजूर कर दिया और अब कार्य समय को राष्ट्रीय कानून और सामूहिक सौदेबाजी के जरिए नियंत्रित करता है।

भारत एक बड़ा, औद्योगीकरण की प्रक्रिया में शामिल श्रम-संपन्न अर्थतंत्र है जिसने स्वयं को 1919 के युग की कार्य समय संधि के अधीन कर लिया है, जिसे इसके अधिकांश निर्यात प्रतिस्पर्धियों ने टाल दिया है। केवल कार्य समय ही नहीं, बल्कि भारत ने अपनी 47 अनुमोदित संधियों के साथ अन्य बड़े विनिर्माण देशों की तुलना में कहीं ज्यादा सक्रियता दिखाई है। जैसे अमेरिका ने 14 और चीन ने 28 को ही किया है। भारत के संविधान में श्रम को समवर्ती सूची में रखा गया है।

आईएलओ की संधियां केवल सिफारिशें नहीं हैं। आईएलओ का प्रत्यक्ष शिकायत तंत्र और त्रिपक्षीय स्वरूप उसको संयुक्त राष्ट्र की अन्य संस्थाओं से अलग बनाता है। किसी भी नियोक्ता या श्रमिक संगठन, किसी अन्य सदस्य राज्य, अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के किसी प्रतिनिधि, या आईएलओ की अपनी संचालन संस्था द्वारा शिकायत या प्रस्तुति दर्ज की जा सकती है। गंभीर और लगातार मामलों में यह एक आयोगीय जांच का रूप ले सकता है। यदि कोई सरकार आयोग की सिफारिशों को लागू करने से सहमत नहीं होती, तो आईएलओ की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन को 'ऐसी कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है जिसे वह उचित और आवश्यक समझे।' आईएलओ के फैसले व्यापार और सहायता की शर्तों में भी शामिल होते हैं। विशेषकर यूरोपीय संघ के साथ और ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण बन सकते हैं।

अप्रैल 2026 में थोक महंगाई 8.3 प्रतिशत पहुंची, ईंधन-कच्चे तेल ने बढ़ाया दबाव

नई दिल्ली।

देश में अप्रैल 2026 के दौरान थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) तेजी से बढ़कर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मार्च में 3.88 प्रतिशत थी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन, कच्चे तेल और धातुओं की कीमतों में भारी उछाल इसकी मुख्य वजह है। इस अवधि में थोक मूल्य सूचकांक बढ़कर 167 हो गया, जो मार्च में 160.8 था, जिससे महीने-दर-महीने आधार पर 3.86 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र में महंगाई सबसे अधिक बढ़ी, जिसकी दर अप्रैल में 24.71 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह महज 1.05 प्रतिशत थी। फ्यूल एंड पावर इंडेक्स 181.7 पर पहुंच गया। खनिज तेल की कीमतों में 29.37 प्रतिशत, पेट्रोल में 32.4 प्रतिशत और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) में 25.19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कच्चे पेट्रोलियम की महंगाई 88.06 प्रतिशत तक पहुंच गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और भू-राजनीतिक तनाव ने विभिन्न क्षेत्रों की लागत बढ़ाकर थोक महंगाई पर दबाव बढ़ाया है।

प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई भी अप्रैल में बढ़कर 9.17 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 6.36 प्रतिशत थी। इसमें कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की कीमतों में महीने-दर-महीने 16.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रमुख रही। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई भी मार्च के 3.39 प्रतिशत से बढ़कर 4.62 प्रतिशत हो गई। बेसिक मेटल्स, टेक्सटाइल और केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में कीमतों में खास बढ़ोतरी हुई। डब्ल्यूपीआई के तहत आने वाले 22 विनिर्मित समूहों में से 21 में अप्रैल के दौरान कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, डब्ल्यूपीआई खाद्य सूचकांक अप्रैल में 2.31 प्रतिशत रहा, जो ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की तुलना में अपेक्षाकृत नियंत्रित कही जा सकती है, भले ही इसमें मार्च के 1.85 प्रतिशत से कुछ वृद्धि हुई हो। कुल मिलाकर, अप्रैल 2026 में बढ़ी हुई थोक महंगाई देश की अर्थव्यवस्था पर लागत-प्रेरित दबाव को दर्शाती है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता और संबंधित वस्तुओं की कीमतों में उछाल है।

दूध हुआ महंगा- अमूल, मदर डेयरी और पराग ने बढ़ाए दाम, जनता में आक्रोश

नई दिल्ली ।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि के बाद अब लोगों को दूध की महंगाई का भी सामना करना पड़ रहा है। देश की प्रमुख दूध कंपनियों जैसे अमूल, मदर डेयरी और पराग ने अपने दूध के दामों में करीब 2 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। अमूल की नई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो चुकी हैं, जबकि पराग की बढ़ी हुई दरें 15 मई से प्रभावी होने की संभावना है। इस मूल्य वृद्धि को लेकर वाराणसी सहित देश के कई हिस्सों में आम लोगों के बीच गहरी नाराजगी देखने को मिली है।

लोगों का कहना है कि जहां गैस सिलेंडर की कीमतें अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से जोड़ी जा रही थीं, वहीं दूध महंगा करने का कोई स्पष्ट कारण नजर नहीं आता। एक निवासी ने बताया कि उन्होंने खबरों में 2 रुपए की वृद्धि देखी थी, लेकिन बाजार में अमूल गोल्ड 3 रुपए तक महंगा हो गया है, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। कई लोगों का आरोप है कि रोजमर्रा की चीजों की लगातार बढ़ती कीमतों से महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है, और दूध के दाम बढ़ने के बावजूद गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ है।

उनका मानना है कि इस फैसले से मध्यम वर्गीय परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होगा।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी प्रमुख शहरों में जानें ताजा भाव

नई दिल्ली।

14 मई 2026 को देशभर में पेट्रोल और डीजल के नए दाम जारी किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच लोगों की नजरें ईंधन के दामों पर टिकी हुई हैं। हालांकि, दिल्ली और मुंबई सहित कई बड़े शहरों में आज कीमतों में बड़ा बदलाव नहीं देखा गया, लेकिन कुछ अन्य शहरों में हल्की बढ़ोतरी या कमी दर्ज की गई है। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है, इसके बाद वैश्विक बाजार में कीमतों का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जेब पर पड़ता है। मध्य-पूर्व में जारी तनाव के कारण दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बना हुआ है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आने की आशंका है। इसकारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से बिना जरूरत वाहन का उपयोग कम करने, ईंधन की बर्बादी रोकने और ऊर्जा बचाने वाली आदतों को अपनाने का आग्रह किया है। उन्होंने गैर-जरूरी सोने की खरीदारी टालने और खाद्य तेल का सीमित उपयोग करने की सलाह भी दी। आंकड़ों के अनुसार, नई दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर रहा, जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.54 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर बिका। कोलकाता में पेट्रोल 105.45 रुपये और चेन्नई में 100.80 रुपये प्रति लीटर दर्ज किया गया। केंद्र सरकार की ओर से फिलहाल ईंधन राशनिंग या देशभर में कीमतों में बड़े बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सरकारी सूत्र लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं और सप्लाई चेन को सामान्य बनाए रखने की कोशिश जारी है।

कुछ निवेशक ने पत्रकारिता की गुणवत्ता और दायरा बढ़ाने में किया निवेश

फिल्म 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' पत्रकारिता की रवायत को बचाने की कहानी

नई दिल्ली।

डेविड फ्रैंकल निर्देशित फिल्म 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' फैशन की दुनिया के बारे में नहीं बल्कि पत्रकारिता की रवायत को बचाने से जुड़ी है। 2006 की उस सुपरहिट फिल्म का सीक्वल, जिसकी कहानी फैशन की दुनिया पर आधारित थी, लेखन, तथ्यों और लोगों तक अनकही कहानियां पहुंचाने के माध्यम की स्तुति है। फिल्म की एक किरदार, ऐंडी सैक्स इस फिल्म में एक फैशन पत्रिका, 'रनवे' में फीचर संपादक के रूप में नजर आईं। पहली फिल्म में वह मिरांडा प्रिस्टली की सहयोगी थीं, जो एक सख्त लेकिन सफल संपादक की भूमिका में थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित तौर पर अब कहानी वर्ष 2026 की है। डिजिटल दौर ने प्रकाशन संस्थानों की दुनिया पर व्यापक और गहरा असर डाला है। इन प्रकाशन कंपनियों के सलाहकार लागत घटाने, कर्मचारी और फीचर आदि को कम करने में लगे हुए हैं। काफी संघर्ष के बाद, सैक्स और प्रिस्टली को एक निवेशक मिल जाता है जो उस तरह की पत्रकारिता के लिए फंड देने को तैयार हैं जिसे वे करना चाहती हैं और इस तरह कहानी खुशनुमा मोड़ पर खत्म होती है। बता दें अगस्त 2013 में, मशहूर निवेशक जेफ बेजोस ने वॉशिंगटन पोस्ट को 25 करोड़ डॉलर नकद में खरीद लिया। उन्होंने इसे डिजिटल बनाने के साथ ही इसे मुनाफे में लाने में सफलता पाई और बार-बार इसके संपादकीय रुख के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई, लेकिन वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनावों से पहले, परंपरा तोड़ते हुए उन्होंने कहा कि यह अखबार डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन नहीं करेगा। इसके अलावा कर्मचारियों में एक-तिहाई कटौती की गई और अखबार की संपादकीय नीति बदल गई। अन्य निवेशकों ने भी स्थानीय समाचार पत्रों को खरीदते समय यही किया यानी लागत कम करने के साथ ही कर्मचारियों में कटौती की और ब्रांड मूल्य को शून्य के स्तर पर पहुंचा दिया। हालांकि कुछ निवेशक ऐसे भी रहे जिन्होंने पत्रकारिता की गुणवत्ता और उसके दायरे को बढ़ाने में निवेश किया जैसे कि फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के जॉन हेनरी ने 'द बॉस्टन ग्लोब' के जरिये ऐसा किया जिसे उन्होंने 2013 में खरीदा।

अमेरिका कंपनियों से बोले शी, चीन में काम करने के बड़े मौके आपके सामने

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी कंपनियों के लिए देश में और भी बड़े अवसर पैदा होने का भरोसा दिलाया है। यह बयान उन्होंने बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी ऐतिहासिक मुलाकात के दौरान अमेरिकी अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं से मुलाकात करने के दौरान दिया। ट्रंप के साथ टेस्ला के एलन मस्क, एप्पल के टिम कुक और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग जैसे दिग्गज बिजनेस लीडर्स का एक बड़ा दल भी बीजिंग पहुंचा था। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शी ने कहा, चीन के खुलने का दरवाजा और भी बड़ा होता जाएगा। चीन, अमेरिका के साथ आपसी फायदे वाले सहयोग को मजबूत करने का स्वागत करता है। उन्होंने विश्वास जताया कि चीन में अमेरिकी कंपनियों के लिए और भी बड़े मौके मिलने वाले है। इस उच्च-स्तरीय अमेरिकी सीईओ समूह में एयरोस्पेस, टेक्नोलॉजी, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं जैसे विविध उद्योगों के दिग्गज शामिल थे। ब्लैकरॉक, ब्लैकस्टोन, बोइंग, कारगिल, सिटी, सिस्को, गोल्डमैन सैक्स, मास्टरकार्ड, मेटा और क्वालकॉम जैसी कंपनियों के सीनियर एग्जीक्यूटिव्स भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिनपिंग के साथ बैठक की शुरुआत में इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने दुनिया के शीर्ष 30 लोगों को आमंत्रित किया था, और हर किसी ने हां कह दिया। उन्होंने कहा कि वे यहां चीन को सम्मान देने और व्यापार करने के लिए उत्सुक थे, केवल सर्वोच्च स्तर के प्रतिनिधियों को ही चुना गया था। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की संभावनाओं को दर्शाती है।

केंद्र से आया आदेश और धड़ाम हो गए चीनी कंपनियों के शेयर

मुंबई ।

गुरुवार को चीनी बेचने वाली कंपनियों के शेयरों की कीमतों में गिरावट देखी गई है। बलरामपुर चीनी मिल्स और धामपुर शुगर मिल्स के शेयरों में गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। बता दें, भारत ने चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक प्रतिबंध किया गया है। मोदी सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद बलरामपुर चीनी का शेयर 4.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 525 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया। वहीं, धामपुर के शेयर 4 प्रतिशत तक की गिरावट के बाद 147.55 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया।

भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज के शेयर 3 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354 रुपये और श्री रेणुका और ईआईडी पेरी के शेयरों में 2-2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। डीजीएफटी ने कहा, कच्ची चीनी, सफेद चीनी और परिष्कृत चीनी) की निर्यात नीति को प्रतिबंधित श्रेणी से बदलकर निषिद्ध श्रेणी में तत्काल प्रभाव से 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कर दिया गया है। भारत ने तब यह फैसला लिया है, जब दुनिया में सबसे अधिक चीनी का उत्पादन करने वाला देश ब्राजील ने अपनी चीनी मिल्स को 1.59 मिलियन मैट्रिक टन एक्सपोर्ट करने को कहा है। देश के अंदर चीनी की खपत से ज्यादा उत्पादन होने के बाद यह फैसला हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत में कुल 275 लाख टन चीनी के उत्पादन की उम्मीद है। 50 लाख टन के ओपनिंग स्टॉक को अगर मिला लें, तब यह कुल 325 लाख टन तक पहुंच गया। घरेलू स्तर पर भारत की कुल खपत 280 लाख टन है। यानी इसके बाद करीब 45 लाख टन चीनी बचेगी।

जोकि 2016-17 के बाद का सबसे न्यूनतम स्तर है। बता दें, 2016-17 के दौरान चीनी की इंवेंट्री 39-40 लाख टन तक आई थी। मोदी सरकार अगले गन्ने के सीजन को लेकर भी चिंतित है।

बारिश कम होने की वजह से इसका भी प्रोडक्शन घट सकता है। बता दें, अल-नीनो के प्रभाव की वजह से इस बार मानसून में कम बारिश की उम्मीद है।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी सीएसके

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। सुपर जायंट्स की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका प्रयास इस मैच में जीत के साथ ही अपने सत्र का समापन करना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे अपने प्लेऑफ की उम्मींदें बनाये रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

सीएसके के अभी 11 मैचों में 12 अंक लेकर 5वें स्थान पर है और उसे प्लेऑफ के लिए अपने सभी बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से तीन सुपर जायंट्स ने जबकि इतने ही सीएसके ने जीते हैं।

कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके के पास संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज हैं। सैमसन ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और सीएसक को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम के पास गेंदबाजी में अंशुल कंबोज के अलावा नूर अहमद जैसे स्पिनर है। टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो सीएसके जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

वहीं ऋषभ पंत की कप्तानी में उतर रही सुपर जायंट्स का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल तीन मैच जीतकर 6 अंक हासिल कर पायी है। टीम में निरंतरता की कमी

नजर आयी है। उसकी बल्लेबाजी बेहद खराब रही है। गेंदबाजी में केवल युवा प्रिंस यादव ही प्रभावित कर पाये हैं। अन्य गेंदबाजों का प्रदर्शन खराब रहा है। यहां तक की अनुभवी मोहम्मद शमी भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, एडेन मार्करम, अक्षत रघुवंशी, हिम्मत सिंह, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, इम्पैक्ट प्लेयर- आवेश खान

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान) संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, मैट हेनरी/स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, इम्पैक्ट प्लेयर- प्रशांत वीर

सिंधु और लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत बाहर

बैंकाक (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन बृहस्पतिवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ पांच लाख डॉलर इनामी राशि के थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के दूसरे दौर में 28 मिनट के भीतर डेनमार्क की अमेली शूल्ज को 21-13, 21-15 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने चीन के झू शुआन चेन को 21-12, 21-13 से मात दी। सिंधू का सामना अब शीर्ष वरीयता प्राप्त तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा।

वहीं सेन दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न के बीच होने वाले मैच के विजेता से खेलेंगे। पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी अंतिम आठ में पहुंच गए। उन्होंने मलेशिया के ब्रायन जेरेमी और मुहम्मद हाइकल को 21-12, 21-19 से मात दी। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त जापान के ताकुमी नोमूरा और युइची शिमोगामी से होगा।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत चीनी ताइपै के दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सू ली यांग के खिलाफ कड़े मुकाबले में एक घंटा 10 मिनट में 16-21, 21-11, 18-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इस साल थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग को थाईलैंड की पिचामोन ओपात्निपुत ने 23-21, 21-11 से मात दी।

विराट ऑरेंज कैप की दौर में तीसरे नंबर पर भुवनेश्वर पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर पहुंचे

रायपुर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप दावेदारों में बदलाव आया है। केकेआर के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर आरसीबी के विराट कोहली एक बार फिर ऑरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में भी आरसीबी के ही भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर पहुंच गये हैं। विराट ने केकेआर के खिलाफ नाबाद 105 रनों की तेज पारी खेली। यह कोहली के आईपीएल करियर का नौवां शतक था, जिसने उन्हें ऑरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया। वहीं, गेंदबाजी सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 22 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जिससे पर्पल कैप की दौड़ भी तेज हो गई है।

विराट के अब इस सत्र की 12 पारियों में अब तक कुल 484 रन हो गये हैं। उन्होंने यह रन 165.75 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का दिखाते हैहै। इस पारी ने उन्हें सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरा स्थान दिलाया है, जिससे ऑरेंज कैप जीतने की उनकी उम्मीदें और बढ़ गई हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ अब बेहद रोमांचक हो गई है। विराट के आगे अब केवल दो बल्लेबाज सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, जिन्होंने 508 रन बनाए हैं, और गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन, जिनके खाते में 501 रन दर्ज हैं। वहीं चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रनों के साथ मौजूद हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 477 रनों के साथ पांचवें नंबर पर हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 467 रनों के साथ दावेदारों में बने हुए हैं, जिससे आगामी मैच और भी दिलचस्प हो गए हैं। वहीं गेंदबाजी में पर्पल कैप की दौड़ भी रोमांचक हो गयी है। भुवनेश्वर केकेआर के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद 22 विकेट लेकर नंबर एक पर पहुंच गये हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके 21 विकेट हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के युवा अंशुल कम्बोज 19 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान, केकेआर के कार्तिक त्यागी और सनराइजर्स हैदराबाद के इशान मलिंगा सभी 16-16 विकेटों के साथ चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से काबिज हैं।

आरसीबी से हार के साथ ही केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हुईं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अच्छा नहीं रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 11 वें मुकाबले में हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में पहुंची की बची हुई संभावनाएं भी समाप्त हो गयी हैं। केकेआर अभी टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर फिसल गयी है।

अभी के हालातों को देखते हुए केकेआर की कोई संभावना नहीं बची है। टीम ने अब तक खेले गए 11 मैचों में से चार जीते हैं और एक का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार उसके केवल 9 अंक हैं। वहीं लीग स्तर में अब उसे केवल तीन मैच खेलने हैं। वहीं प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कुल 16 अंकों की जरूरत होती है। केवल कुछ अवसरों पर ही 14 अंक में प्लेऑफ की संभावना बन सकती है पर ये तभी होगा जब शीर्ष चार टीमों में से कोई भी 16 अंक तक न पहुंचे। केकेआर अपने बचे हुए तीनों मैच जीत भी लेती है, तो उनके कुल अंक केवल 15 ही हो पाएंगे। यह

आंकड़ा प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कई अन्य टीमों के संभावित अंकों से काफी कम है।

केकेआर के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंक तालिका में उनसे ऊपर मौजूद टीमों का प्रदर्शन है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के पहले ही 16-16 अंक हो गये हैं। इनके अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद 12 मैचों में 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और उसे अभी दो मैच खेलने हैं। दोनों मैच जीतने पर वह 18 अंकों तक पहुंच सकती है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और उसके पास तीन मैच बचे हैं, जिससे वह 19 अंकों तक जा सकती है। इसी तरह, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स भी दौड़ में बनी हुई हैं। दोनों टीमों के पास 12-12 अंक हैं और उन्हें अभी तीन-तीन मैच खेलने हैं। ये दोनों टीमें भी अपने सभी बचे हुए मैच जीतकर 18 अंकों के आंकड़े तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली कैपिटल्स भी इस दौड़ में शामिल है पर उसे भी हर मैच जीतना होगा। इससे साफ है कि केकेआर, अपने अधिकतम 15 अंकों के साथ, इन प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच टिके नहीं रह सकती क्योंकि अन्य सभी 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर सकती हैं।

आईपीएल में पिछले छह सत्र से असफल रहे हैं शाहरुख

मुम्बई ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कुछ ऐसे भी खिलाड़ी रहे जो हर सत्र में असफल होने के बाद भी करोड़ों की कमाई करने में सफल रहे हैं।ऐसे ही एक खिलाड़ी है। तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले शाहरुख खान। पिछली छह आईपीएल सत्र में शाहरुख ने अलग-अलग फ्रैंचाइजियों की ओर से खेला है पर एक बार भी वह सफल नहीं हुए हैं।इस प्रकार देखा जाये तो पिछले छह सालों में फ्रेंचाइजी टीमों ने इस खिलाड़ी पर 38 करोड़ रुपये से अधिक लुटा दिये हैं पर परिणाम शून्य रहा है। बल्ले और गेंद से उनका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया है।इस सत्र में भी वह गुजरात टाइटंस की ओर से 9 मैचो में 130.30 की स्ट्राइक रेट से केवल 43 रन बना पाये हैं।इस क्रिकेटर को घरेलू क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी के लिए एक बेहतरीन फिनिशर के तौर पर जाना जाता था। 100 से अधिक टी20 मुकाबलों में निचले क्रम में तेज रन बनाने की क्षमता ने उन्हें आईपीएल

फ्रेंचाइजियों की नजरों में ला दिया। सबसे पहले साल 2021 में पंजाब किंग्स ने उन्हें 5.25 करोड़ रुपये में खरीदा पर उनका सत्र सामान्य रहा।पंजाब किंग्स ने उन्हें 2022 और 2023 सीजन के लिए 9-9 करोड़ रुपये में रिटेन किया।शुरुआती कुछ मैचों में उन्होंने अपनी पावर हिटिंग की झलक भी दिखाई, लेकिन निरंतरता का अभाव रहा। इसके बावजूद, आईपीएल 2024 के मिनी ऑक्शन में गुजरात टाइटन्स ने उन्हें 7.4 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया।गुजरात ने उन पर लगातार भरोसा बनाए रखा और 2025 तथा 2026 सीजन के लिए 4-4 करोड़ रुपये में रिटेन किया, जिससे उन पर कुल खर्च की गई राशि 38 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गई।

हर कोई बात कर रहा है कि यह आईपीएल अगली पीढ़ी का है, कोहली ने आलोचकों को शतक से जवाब दिया : गावस्कर

रायपुर।भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि इस चैम्पियन बल्लेबाज ने साबित कर दिया है कि पुरानी पीढी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है।पिछले दो मैचों में शून्य पर आउट हुए कोहली के 60 गेंदों में नाबाद 105 रन की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने IPL के मैच में KKR को 6 विकेट से हराकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। गावस्कर ने 'स्टार स्पोटर्स' पर कहा, 'विराट कोहली ने KKR के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।लक्ष्य का पीछा करने में उसका कोई सानी नहीं है।हर कोई बात कर रहा है कि यह सत्र अगली पीढ़ी का है लेकिन कोहली ने दिखा दिया कि वह अभी भी है।उसने आलोचकों को शतक से जवाब दिया और आरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गया।उसने साबित कर दिया कि पुरानी पीढ़ी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है।' उन्होंने कहा, 'टी20 शतकों के मामले में वह 10 शतक के साथ क्रिस गेल और बाबर आजम के बाद तीसरे नंबर पर है।उसने टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे किए और IPL में नौ शतक लगा चुका है। रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं लेकिन कोहली अगर मैच दर मैच, सत्र दर सत्र ऐसे ही खेलता रहा तो किसी को भी वहां तक पहुंचने में लंबा समय लगेगा।' गावस्कर ने यह भी कहा कि चयक्र द्वारा कोहली का कैच टपकाना मैच का निर्णायक पल रहा। उन्होंने कहा, 'RCB के खिलाफ मैच से पहले केकेआर कैच लपकने के मामले में बेहतरीन थी लेकिन यह कैच छोड़ना काफी महंगा पड़ा।'

फीफा विश्व कप के मेगा हाफटाइम शो में नजर आयेंगी मैडोना, बीटीएस और शकीरा

-उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी नोरा फतेही

लॉस एंजेलिस (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मेगा हाफटाइम शो में इस बार पॉप सिंगर मैडोना, पॉप स्टार शकीरा के अलावा दक्षिण कोरिया की बीटीएस भी कार्यक्रम पेश करेगी जबकि उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही कार्यक्रम पेश करेंगी। इस प्रकार ये विश्वकप दूनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस विश्वकप में अमेरिकी सुपर बाउल की तरह ही एक मेगा हाफटाइम शो का आयोजन भी किया जाएगा।

फीफा ने हाल ही में एक टीजर वीडियो जारी कर इस मेगा इवेंट की घोषणा की है। इस वीडियो में मशहूर संगीतकार क्रिस मार्टिन और

लोकप्रिय कार्टून कैरेक्टर एल्मो के साथ मपेट शो के कई किरदार भी दिखे। जिन्होंने मैडोना, बीटीएस और शकीरा जैसे ग्लोबल आइकॉन के नामों की घोषणा की। इसके बाद से ही सोशल मीडिया में प्रशंसकों में उत्साह है।

इस हाफटाइम शो से होने वाली संपूर्ण कमाई फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड को दान की जाएगी। इस नेक पहल का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के जरूरतमंद बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और फुटबॉल की बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है। इस फंड के माध्यम से लगभग 100 मिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि लाखों बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सके।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यू जर्सी में खेला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगा। बॉलीवुड अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही भी समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी। नोरा कनाडा के टोरंटो में स्थित बीएमओ फील्ड में 12 जून को होने वाले इस भव्य समारोह में गायन और नृत्य दोनों प्रस्तुत करेंगी। उनके साथ कनाडा के दिग्गज कलाकार माइकल बुबले, अलानिस मोरिसेट और एलेसिया कारा सहित कई बड़े कलाकर भी मंच पर नजर आयेंगे।

नेशंस कप से पहले अभ्यास के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली ।भारतीय महिला हॉकी टीम 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी वूमेंस नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों के लिए इसी माह ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी।वहीं टीम के कोच स्जोर्ड मारिजने के अनुसार अभ्यास मैचों से खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट से पहले हालातों के अनुसार ढ़लने में सहायता मिलेगी।वहीं हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में वहां की राष्ट्रीय टीम से चार मुकाबले खेलेगी।ये मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में 26, 27, 29 और 30 मई को आयोजित होंगे।इन मुकाबलों के जरिए भारतीय टीम अपनी कमजोरियों को दूर रते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देगी।

इसके अलावा टीम न्यूजीलैंड भी अभ्यास के लिए जाएगी।यहां भी टीम अभ्यास मैच खेलेगी।भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अर्जेंटीना दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं।अर्जेंटीना दौरे से वापसी के बाद भारतीय महिला टीम ने बेंगलुरु स्थित साई शिविर में अभ्यास किया था।इस दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, पेनल्टी कॉर्नर और डिफेंस पर खास ध्यान दिया गया।वहीं ड्रैग-फ्लिकर्स को नीदरलैंड हॉकी के विशेषज्ञ टकेइ टकेमा 26 मई से 21 जून तक पर्थ और ऑकलैंड में प्रशिक्षण देंगे।कोच ने कहा, हमें खुशी है कि हॉकी इंडिया ने इस दौरे का आयोजन किया।इन मैचों से हमें अपनी कमजोरियां को दूर करने का अवसर मिलेगा।अर्जेंटीना दौरे में हमने टीम का स्तर देखा था और अब हम अपनी प्रगति को परख पाएंगे।

मेसी के अच्छे प्रदर्शन से इंटर मियामी ने सिनसिनाटी को 5-3 से हराया

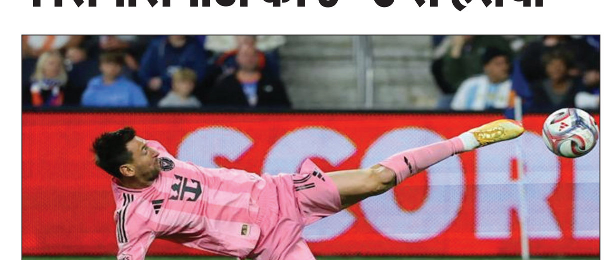

सिनसिनाटी ।कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल की सहायता से इंटर मियामी सीएफ ने एफसी सिनसिनाटी को 5-3 से हरा दिया।इस रोमांचक जीत के साथ ही इंटर मियामी ने एमएलएस रेगुलर सीजन के शुरुआती नौ मुकाबलों में सबसे अधिक क 22 अंक हासिल करने के एफसी सिनसिनाटी (2024) के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ।मियामी ने 24वें मिनट में मेसी के गोल से बढ़त हासिल की।यह इस सीजन में उनका 10वां गोल था।इसके बाद मेजबान एफसी सिनसिनाटी ने हाफ टाइम से ठीक पहले, 44वें मिनट में पैनाल्टी कार्नर पर केविन डेन्की के गोल से स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत से ही सिनसिनाटी का प्रदर्शन अच्छा रहा।पावेल बुचा ने 49वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी।इसके बाद इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया पर मेसी ने 55वें मिनट में, डी पॉल के सटीक पास को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।यह इस सत्र में उनका 11वां गोल था, सिनसिनाटी ने 64वें मिनट में एवांडर के गोल से एक बार फिर 3-2 से बढ़त बना ली। इंटर मियामी ने इसके बाद जबरदस्त हमले करते हुए बचे हुए समय में गोल दागकर स्कोर 3-3 से बराबरी पर ला दिया। मियामी की ओर से 84वें मिनट में जर्मन बर्टेराम ने गोल कर स्कोर 4-3 पर पहुंचा दिया।वहीं अंतिम क्षणों में सिनसिनाटी के गोलकीपर रोमन कैलेटानो की गलती से एक आत्मघाती गोल हो गया जिससे मियामी ने 5-3 से मुकाबला जीता लिया।

नीरज चोपड़ा का रोम डायमंड लीग में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली ।ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अगले माह रोम में होने वाले डायमंड लीग भाला फेंक टूर्नामेंट में शायद ही खेल पायें।इसका कारण है कि नीरज अब तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबर पाये हैं।इसी कारण 4 जून को इटली में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए शुरुआती सूची में नीरज का नाम शामिल नहीं है।नीरज अगर नहीं उतरते हैं तो ये प्रशंसकों के लिए निराशाजन होगा।नीरज पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से ही फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे थे।इसी कारण अभी वह तुर्की में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं।अभी उनका लक्ष्य पूरी तरह से फिटनपेस हासिल करना है। वहीं भारत के ही युवा खिलाड़ी सचिन यादव इस टूर्नामेंट से डायमंड लीग में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। सचिन ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।ऐसे में नीरज के नहीं खेलने पर वह भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे।उन्होंने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था और एक टूर्नामेंट में चौथा स्थान हासिल किया था। रोम में दुनिया के कुछ शीर्ष एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा से भी सचिन को लाभ होगा।रोम डायमंड लीग में चेक गणराज्य के याकूब वाडलेज और जर्मनी के जूलियन वेबर शामिल जैसे दिग्गज भी शामिल रहेंगे।इसके अलावा पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने का प्रयास करेंगे।श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराज इस सीज़न की शुरुआत में 89.37 मीटर का प्रभावशाली थ्रो दर्ज करने के बाद में इस इवेंट में एक बड़े दावेदार के तौर पर उतरेंगे।ओलंपिक चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर, अमेरिकी एथलीट कर्टिस थॉम्पसन और पोलैंड के डेविड वेगनर भी यहां नजर आयेंगे।

वैभव सूर्यवंशी की भारतीय टीम में एंट्री, श्रीलंका ट्राई सीरीज में खेलते नजर आएंगे 15 वर्षीय बल्लेबाज

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की पुरुष चयन समिति ने गुरुवार को श्रीलंका में होने वाली आगामी एक दिवसीय ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया टीम की घोषणा की। सीरीज जून में खेली जाएगी। भारतीय स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा टीम की कप्तानी करेंगे जबकि 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी, जिनका IPL 2026 सीजन शानदार रहा है, को भी टीम में शामिल किया गया है।

IPL टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को भारत की आगामी ट्राई-सीरीज के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम में प्रतिभाशाली और होनहार घरेलू खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिनमें प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, विपराज

निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज और अरशद खान शामिल हैं।

यह चयन भविष्य के अंतर्राष्ट्रीय असाइनमेंट के लिए युवा प्रतिभाओं को तराशने पर इंडिया ए के निरंतर फोकस को दर्शाता है, जिसमें कई IPL और घरेलू खिलाड़ियों को ट्राई-सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है। इस ट्राई-सीरीज में मेजबान श्रीलंका ए, इंडिया ए और अफगानिस्तान ए टीमें हिस्सा लेंगी। सीमित ओवरों की ट्राई-सीरीज के बाद इंडिया ए, श्रीलंका ए के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच भी खेलेगी; इन रेड-बॉल मैचों के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। व्हाइट-बॉल सीरीज दांबुला में खेली जाएगी, जबकि मल्टी-डे मैच गाले में होंगे।

श्रीलंका में होने वाली ट्राई-सीरीज 9 जून से शुरू होगी जिसका पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा। दूसरा मैच 11 जून को होगा, जिसमें इंडिया ए का मुकाबला अफगानिस्तान ए से होगा। अफगानिस्तान ए का मुकाबला 13 जून को श्रीलंका ए से होगा। सीरीज का चौथा मैच 15 जून को निर्धारित है, जिसमें इंडिया ए एक बार फिर श्रीलंका ए का सामना करेगी, जिसके बाद 17 जून को इंडिया ए बनाम अफगानिस्तान ए मैच होगा। 19 जून को, टूर्नामेंट के छठे मैच में अफगानिस्तान ए का मुकाबला श्रीलंका ए से होगा। ग्रुप चरण का समापन रविवार, 21 जून 2026 को त्रिकोणीय श्रृंखला फाइनल के साथ होगा।

त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संजय लीला भंसाली की फिल्म में धनुष ने किया राम चरण को रिप्लेस

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि संजय लीला भंसाली की अगली पौराणिक जंगल ड्रामा में साउथ स्टार राम चरण प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि, कोई और साउथ स्टार प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के आगामी जंगल पर आधारित भव्य फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ये संजय लीला भंसाली का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अब धनुष को इसके लिए फाइनल कर लिया गया है। इसका निर्माण संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जाएगा, जबकि तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन इसका निर्देशन करेंगे। मिथ्रन इरुम्बु थिरई, हीरो और सरदार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। खास बात यह है कि वो धनुष के साथ पहली बार काम करेंगे।

स्क्रिप्ट में किए गए बदलाव

रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पी.एस. मिथ्रन 'राउडी राठौर 2' पर काम कर रहे थे, लेकिन चूंकि यह प्रोजेक्ट फाइनल नहीं हो सका, इसलिए उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर विचार करना शुरू किया। तभी इस फिल्म की कहानी सामने आई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कहानी को अंतिम रूप देने में कई बार बदलाव और सुधार करने पड़े, जो कुछ महीने पहले ही हुआ था। इसी दौरान उन्होंने मुख्य अभिनेता की तलाश शुरू की। राम चरण से बातचीत चल रही थी, लेकिन बात नहीं बनी, इसलिए धनुष को चुना गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम, एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।' रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है।

अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है।' रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया।

रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली।

दादा के रोल में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' में नजर आएंगे। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका निभा रहे हैं। जैकी श्रॉफ की फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका में नजर आएंगे। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ जानकारी दी है कि 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म इस साल 29 मई को रिलीज होगी। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है। इसमें प्रतीक, स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दासानी, शरत सक्सेना, मिहिर गोडबोले और कई कलाकार भी हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, 'इस फिल्म के जरिए हम हर बच्चे के सपने को पूरा कर रहे हैं। अगर आपका दिल हमेशा जवान रहे और 90 साल की उम्र में भी हिम्मत बनी रहे, तो यही आपको सुपरहीरो बनाता है। बच्चों के सपनों को हमेशा सबसे पहले जगह देनी चाहिए।'

हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' की वजह से 'एक दिन' को कहा हां

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'एक दिन' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। इस फिल्म में वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं। अब साई पल्लवी ने खुद बताया कि क्यों उन्होंने 'एक दिन' के लिए हां कहा और स्क्रिप्ट में उन्हें क्या चीज पसंद आई। आमिर खान टॉकीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साई पल्लवी और जुनैद खान का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें दोनों कलाकार अपनी फिल्म 'एक दिन' के बारे में बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान जब जुनैद ने साई से 'एक दिन' को हां करने के फैसले के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि वह यह फिल्म नहीं करेंगी, क्योंकि वह कई भाषाओं में बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म का पैमाना मुझे प्रभावित नहीं करता। उस समय तक मैंने कई गंभीर फिल्में की थीं और मैं कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी। ऐसी फिल्म जिसमें मुझे शूटिंग के दौरान और बाद में भी ज्यादा तनाव न झेलना पड़े। इसलिए जब स्क्रिप्ट आई, तो मुझे लगा कि यह हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' जैसी होगी। क्योंकि मुझे 'बिफोर सनराइज' पसंद है और मुझे लगा कि यह भी वैसी ही होगी।

फिल्म में अपनी कास्टिंग को गलत मानती हैं साई

साई ने यह भी बताया कि आमिर खान का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना फिल्म को हां कहने का एक बड़ा कारण है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं आमिर खान के करियर को करीब से देखती आ रही हूं। इसमें अलग-अलग तरह की फिल्में और किरदार हैं। इस दौरान साई ने खुलासा किया कि शुरुआत में मुझा लगा था कि 'एक दिन' में मुझे नहीं होना चाहिए था। मेरी कास्टिंग सही नहीं है। प्रीमियर के बाद जब आमिर ने साई से कुछ कहने को कहा, तो साई ने उनसे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं इस भूमिका के लिए बनी थी और मुझे लगता है कि मेरी कास्टिंग गलत हुई है। मुझे लगता है कि यह भूमिका किसी नई एक्ट्रेस को मिलनी चाहिए थी, जिसमें थोड़ी सी चंचलता हो। हालांकि, जुनैद ने साई के इस विचार से असहमति जताते हुए कहा कि यह भूमिका उनके लिए ही बनी है।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है। ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है।

ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं। इस फिल्म की एक और खास बात इसकी स्टार कास्ट है। दिशा पाटनी के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं। दिशा पाटनी ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनेशनल मूवी में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।' दिशा ने कहा, ''मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे ग्लोबली दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।''

बैंकॉक शिफ्ट होने पर अविका गौर ने दी प्रतिक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' से लोकप्रिय होने वाली अभिनेत्री अविका गौर शादी के बाद अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ बैंकॉक में शिफ्ट हो गई हैं। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने टेलीविजन या फिल्मों से ब्रेक नहीं लिया है। वो अपना काम करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि ये कदम मिलिंद के लिए बेहतर अवसरों को देखते हुए उठाया गया है, जबकि उनके खुद के काम के सिलसिले में मुंबई से बाहर लंबे शेड्यूल तय किए गए हैं।

हम हमेशा एक-दूसरे के करियर में साथ देते हैं

अविका गौर ने कहा कि हम बैंकॉक शिफ्ट हो गए हैं और वहां एक घर भी खरीद लिया है, जिसे मैं अपनी पसंद के हिसाब से सजा रही हूं। पिछले साल शादी से पहले सात साल तक रिलेशनशिप में रहने के दौरान कपल ने हमेशा एक-दूसरे के करियर में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मिलिंद ने लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान उनका साथ दिया, उसी तरह वह भी उन्हें विदेश में अवसर तलाशने से रोकना नहीं चाहती थीं। हम हमेशा से एक-दूसरे की तरक्की में सहयोग करने में भरोसा रखते आए हैं। अगर मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट मिलता है, जिसके लिए मुझे महीनों तक घर से दूर रहना पड़ता है, तो वह पूरी तरह से मेरा साथ देते हैं। इसी तरह मुझे नहीं लगता कि मुझे भी उनकी तरक्की में बाधा डालनी चाहिए।

मैं अपने काम की वजह से यहां हूं

अपने करियर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए अविका ने कहा कि जगह बदलने से उनकी प्रोफेशनल प्रियॉर्टीज में कोई बदलाव नहीं आया है। मुंबई में रहते हुए भी वह अक्सर शूटिंग के लिए हैदराबाद, राजमुंद्री और विशाखापत्तनम जैसे शहरों का सफर करती रहती थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे एहसास हुआ कि जरूरी नहीं कि मुंबई ही मेरा ठिकाना हो। मैं काम के सिलसिले में नियमित रूप से भारत आती-जाती रहती हूं। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरी प्रतिबद्धताएं रहेंगी क्योंकि इन्हीं की वजह से मैं आज इस मुकाम पर हूं।

दोस्तों ने किया समर्थन

अविका ने इस कदम के कारण प्रोजेक्ट छूटने की चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि काम आमतौर पर उनके शेड्यूल के अनुसार ही होता है और सहयोग आपसी प्रयासों पर निर्भर करता है। जब कोई मेरे साथ काम करना चाहता है, तो उसे यह प्रयास करना चाहिए। इंडस्ट्री के मेरे साथियों ने भी मेरे इस फैसले का समर्थन किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही मेरा ठिकाना अब विदेश में है, लेकिन मेरी जड़ें भारत में ही मजबूती से टिकी हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगी अविका

वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन में नजर आएंगी। जल्द ही इस रियलिटी शो की शूटिंग भी शुरू होने वाली है। इस शो को एक बार फिर निर्देशक रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी–85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी–148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली–110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com